॥ 卐 ॥

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण

www.yuvashaktinews.com

दिनमान | तापमान

सूर्योदय	सूर्यास्त	अधिकतम	न्यूनतम
5.28	5.52	37°	26°

वर्ष 18, अंक 285 पृष्ठ 8

कोलकाता, गुरुवार, 02 अप्रैल 2026

चैत्र, शुक्लपक्ष, पूर्णिमा, वि. सं. 2083

मूल्य: ₹3

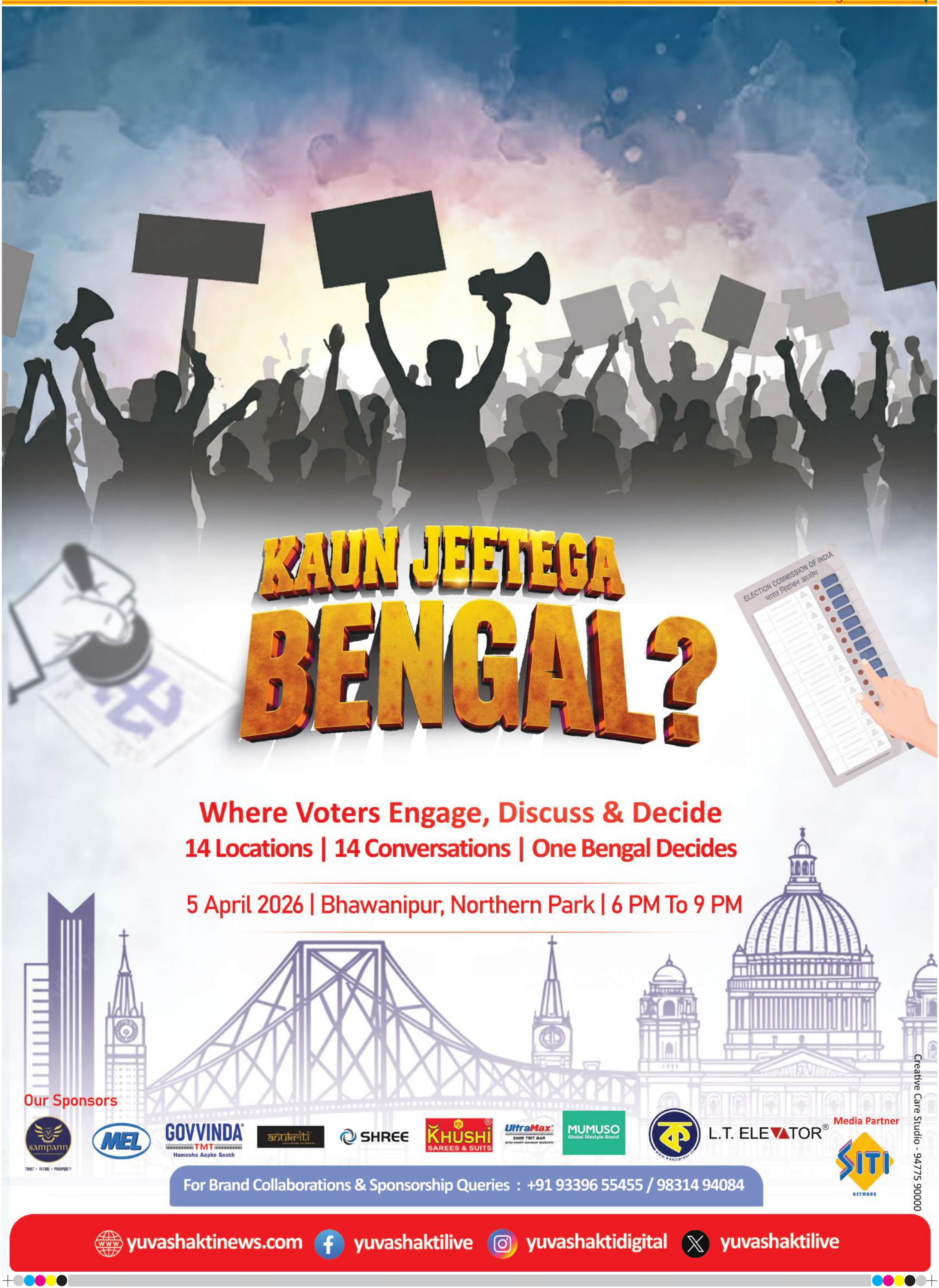

रामनवमी पर चापदानी में निकला रंगारंग जुलूस

चापदानी : मंगलवार को पूरे राज्य के साथ हुगली के चापदानी नगर पालिका क्षेत्र में भी राम नवमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया. सोमवार को चापदानी नगर पालिका के वार्ड नंबर 19 में पलटा घाट से सटे इलाके में स्थापित राम मंदिर में पूजा के बाद नगर अध्यक्ष सुरेश मिश्रा की पहल पर चापदानी नगरपालिका ने एक रंगारंग जुलूस निकाला. जुलूस चापदानी नगर पालिका के वार्ड नंबर 13 की श्रीमती शर्मिष्ठा मिश्रा के घर से शुरू होकर वार्ड नंबर 10 में सलीम कुरैशी के वार्ड तक गया. वहां से वार्ड नंबर 3 के विक्रम गुप्ता, वार्ड नंबर 6 के जितेंद्र सिंह और पूरे चापदानी नगर पालिका की परिक्रमा की.इस जुलूस में हिंदू और मुस्लिम दोनों धर्मों के लोग शामिल हुए, जिसमें भगवान शंकर, पार्वती, श्री राम, सीता और लक्ष्मण, हनुमान, राधा कृष्ण आदि देवी-देवताओं को रथों पर बैठाकर जय श्री राम के नारे लगाए गए. इस अवसर पर भारी भीड़ उमड़ी. यह जुलूस वार्ड 13 से निकाला गया और वार्ड 19 के हनुमान मंदिर पर समाप्त हुआ. चपदानी नगर परिषद के पालिका अध्यक्ष सुरेश मिश्रा द्वारा लोगों के बीच शरबत, पीने का पानी, लड्डू, मिठाई भी वितरित की गयी. सुरेश मिश्रा के अलावा स्थानीय विधायक अरिंदम गुइन, वार्ड 13 की पार्षद श्रीमती शर्मिष्ठा मिश्रा, वार्ड 19 के पार्षद सूरज कुमार गुप्ता, स्थानीय समाजसेवी राजू जायसवाल, राहुल रॉय, विशाल जायसवाल, राजेश यादव, संतोष सिंह और अन्य गणमान्य लोगों ने इस जुलूस में भाग लिया. कार्यक्रम का समापन भोज के साथ हुआ. ढोल-नगाड़ों और संगीत वाद्ययंत्रों के साथ जोरदार नारों और संगीत के साथ एक विशाल जुलूस निकाला गया. उस दिन इस पवित्र जुलूस में पांच हज़ार से ज़्यादा भक्तों, युवाओं, क्लबों और धर्मार्थ संगठनों ने हिस्सा लिया. हज़ारों महिलाओं ने पवित्र कपड़े पहनकर अपने परिवारों के साथ हिस्सा लिया. इस धार्मिक जुलूस के मुख्य सिंहासन पर देवताओं की मूर्तियां रखी गईं और उन्हें फूलों की मालाओं से सजाया गया. शिव, पार्वती, संकटमोचन के वेश में बच्चों ने लोगों का ध्यान खींचा. इस अवसर पर गरीबों के बीच फल, मिठाई भी वितरित की गयी.

श्यामा प्रसाद की धरती पर पहली बार भाजपा सरकार बनाने जा रही है : शमिक भट्टाचार्य

आसनसोल : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला कमेटी के बैनर तले बुधवार को आसनसोल में नामांकन रैली तथा जनसभा का आयोजन किया गया. भाजपा की ओर से एक विशाल रैली निकालकर विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों ने अपना नामांकन दाखिल किया. रैली की शुरुआत आसनसोल के बीएनआर इलाके से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए.इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य, जिलाध्यक्ष देवतनु भट्टाचार्य, आसनसोल दक्षिण की प्रत्याशी अग्निमित्रा पाल, आसनसोल उत्तर के प्रत्याशी डॉ. अजय पोद्दार, जामुड़िया से डॉ. बिजन मुखर्जी और बाराबनी से प्रत्याशी अरिजीत राय मौजूद थे. वहीं, आसनसोल उत्तर के प्रत्याशी कृष्णेंदु मुखर्जी, जो एक दिन पहले ही नामांकन दाखिल कर चुके थे, वे भी रैली में शामिल हुए. सभी प्रत्याशी अपने-अपने नामांकन केंद्र पहुंचे और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए नामांकन जमा किया. इस दौरान भाजपा ने शक्ति प्रदर्शन भी किया.पत्रकारों से

बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि अवैध मतदाताओं के नाम हटाने के लिए भाजपा द्वारा फॉर्म-7 जमा करने का प्रयास किया गया था, लेकिन तृणमूल समर्थित तत्वों ने उसे छीन लिया. उन्होंने दावा किया कि केवल आसनसोल दक्षिण क्षेत्र में ही हजारों अवैध मतदाताओं के नाम हटाने की पहल की जा रही थी, लेकिन प्रत्याशी अग्निमित्रा पाल की गाड़ी से फॉर्म-7 छीनकर जला दिए गए.उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक मतदाता सूची में एक भी अवैध नाम रहेगा, भाजपा आंदोलन जारी रखेगी और नो एसआईआर, नो वोट का नारा बुलंद करती रहेगी.शमिक भट्टाचार्य ने यह भी दावा किया कि राज्य में भाजपा के पक्ष में माहौल बन रहा है और गंगोत्री से गंगासागर तक पार्टी मजबूत हो रही है. उन्होंने कहा कि पहली बार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की धरती पर भाजपा सरकार बनने जा रही है और तृणमूल को हराने में भाजपा ही सक्षम है.उन्होंने पिछले चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस और वाम दलों को जनता पहले ही खारिज कर चुकी है और इस बार का चुनाव जनता बनाम तृणमूल होगा.भवानीपुर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित दौरे को लेकर उन्होंने कहा कि अमित शाह देश के बड़े रणनीतिक नेताओं में से एक हैं.इस बार भाजपा पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ रही है. उन्होंने तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के बढ़ते प्रभाव से वे घबराई हुई हैं.उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक को अपने मत का अधिकार है, लेकिन पश्चिम बंगाल में लोगों के संवैधानिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है. अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनाव में भाजपा बेहतर प्रदर्शन करेगी और राज्य में सत्ता परिवर्तन होगा.

भाजपा प्रत्याशी ने चाय बागानों में श्रमिकों से सादरी भाषा में मांगे वोट

सिलीगुड़ी : नक्सलबाड़ी के चाय बागानों में भाजपा प्रत्याशी आनंदमय बर्मन ने अनोखे अंदाज में चुनाव प्रचार किया. आनंदमय बर्मन ने पहाड़गुमिया चाय बागान के दमदमा डिवीजन और विजय नगर चाय बागान में चाय श्रमिकों से उनकी अपनी सादरी भाषा में बातचीत कर वोट मांगे.प्रचार के दौरान चाय श्रमिकों ने क्षेत्र में विकास कार्यों की कमी को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की.भाजपा प्रत्याशी आनंदमय बर्मन ने कहा कि अपनी भाषा में बात करने से लोगों से सीधा जुड़ाव बनता है. उन्होंने बताया कि वे राजबंशी, नेपाली, बंगाली और हिंदी भाषाएं भी बोलते है.उन्होंने आश्वासन दिया कि अगर भाजपा सरकार सत्ता में आती है तो चाय श्रमिकों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा.साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार चाय श्रमिकों को उनके जमीन के अधिकार से वंचित कर रही है

काली पहाड़ी शिव मंदिर में मूर्तियां तोडे जाने को लेकर भाजपा का विरोध प्रदर्शन

आसनसोल : आसनसोल के काली पहाड़ी इलाके में स्थित प्राचीन मंदिर में हुई तोड़फोड़ की घटना ने न सिर्फ स्थानीय लोगों की भावनाओं को आहत किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल भी पैदा कर दिया है.वार्ड संख्या 38 स्थित इस करीब 200 वर्ष पुराने मंदिर में मंगलवार रात श्रद्धालुओं ने मां काली, भगवान शिव और भगवान हनुमान की क्षतिग्रस्त मूर्तियों को देखा. यह मंदिर इलाके में आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है, ऐसे में इस घटना को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है. घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. इस बीच तनाव की स्थिति को देखते हुए इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है.स्थानीय लोगों ने इसे सिर्फ तोड़फोड़ नहीं, बल्कि उनकी धार्मिक आस्था पर हमला बताया और दोषियों की जल्द

गिरफ्तारी की मांग की. इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई. आसनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पाल घटनास्थल पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लेने के बाद सीधे आसनसोल दक्षिण थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई. उनके साथ आसनसोल उत्तर के भाजपा उम्मीदवार कृष्णनेंदु मुखर्जी भी मौजूद थे.थाने में कथित तौर पर थाना प्रभारी विश्वजीत हालदार के व्यवहार से नाराज होकर भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने थाना घेराव कर दिया. देर रात तक सैकड़ों कार्यकर्ता सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करते रहे और पुलिस से स्पष्ट समय सीमा के साथ दोषियों की गिरफ्तारी की मांग करते रहे.पुलिस की ओर से लगातार कार्रवाई और जांच का आश्वासन दिया जाता रहा, लेकिन समयसीमा न बताने को लेकर प्रदर्शनकारी अड़े रहे. स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि आधी रात तक थाने के बाहर हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा. अंततः रात करीब दो बजे प्रदर्शनकारियों ने धरना समाप्त किया.इस बीच स्थानीय पार्षद मीना कुमारी हांसदा और वार्ड अध्यक्ष मनोज हाजरा भी मौके पर पहुंचे. पार्षद ने घटना की निंदा करते हुए इसे चुनावी माहौल बिगाड़ने की साजिश बताया, वहीं वार्ड अध्यक्ष ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की.फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और इलाके में अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके.

रेलवे न्यूज

यात्रियों की संख्या में वृद्धि, कई नई सेवाएं शुरू

कोलकाता : वित्तीय वर्ष 2025-2026 पूर्व रेलवे के लिए एक ऐतिहासिक अध्याय के रूप में उभरा है, जो अभूतपूर्व विकास और परिचालन दक्षता में बड़ी छलांग के लिए जाना जाएगा. पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर के गतिशील और दूरदर्शी नेतृत्व में, इस जोन ने न केवल अपने लक्ष्यों को प्राप्त किया, बल्कि लाखों यात्रियों के यात्रा अनुभव को नई परिभाषा दी है. बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और यात्री-केंद्रित सेवाओं पर श्री देऊस्कर के रणनीतिक फोकस ने पूर्व रेलवे को उत्कृष्टता के एक नए युग में पहुंचा दिया है, जिससे रेलवे के हर क्षेत्र, माल ढुलाई से लेकर वित्त तक-में निरंतर सुधार की भावना परिलक्षित होती है.इस वर्ष की सांख्यिकीय उपलब्धियां व्यापक सफलता की कहानी कहती हैं. यात्री संख्या 1322.84 मिलियन के स्तर तक पहुंच गई. औद्योगिक क्षेत्र में, पूर्व रेलवे ने 101.72 मिलियन टन माल ढुलाई कर अपनी रसद ढुलाई क्षमता का प्रदर्शन किया. इस जोन ने स्क्रैप बिक्री के माध्यम से 600.11 करोड़ रुपये की आय अर्जित कर उल्लेखनीय वित्तीय अनुशासन भी दिखाया, जिससे 2024-2025 की तुलना में कुल प्रदर्शन में 11.62% की वृद्धि दर्ज की गई. उत्पादकता में यह वृद्धि कार्यकाल की शुरुआत में शुरू किए गए प्रशासनिक सुधारों का परिणाम है.इस वर्ष कई प्रमुख सेवाओं की शुरुआत से कनेक्टिविटी में जबरदस्त सुधार हुआ है. पूर्व रेलवे ने 24 मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू कीं, जिनमें 14 अमृत भारत और 2 वंदे भारत स्लीपर सेवाएं शामिल हैं. इसके अलावा, 10 यात्री ट्रेनें और 48 ईएमयू सेवाएं शुरू की गईं, जिनमें से 10 आधुनिक एसी ईएमयू सेवाएं हैं. नई लाइनें जोड़ने के अलावा, सेवा की विश्वसनीयता में भी काफी सुधार हुआ है. इस वर्ष कोचों की समयबद्धता बढ़कर 84.30% हो गई है, जबकि पिछले वर्ष यह 83.53% थी. इससे यात्रियों को समय पर पहुंचाने में 0.77% की वृद्धि हुई है.श्री देऊस्कर के नेतृत्व में यात्री अनुभव को बेहतर बनाना सर्वोच्च प्राथमिकता रही. यात्रा को सुगम बनाने के लिए, 32 मेल/एक्सप्रेस सेवाओं की गति 110 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 130 किमी प्रति घंटे कर दी गई, और 22 रेकों वाली 16 जोड़ी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को पारंपरिक आईसीएफ (इंट्रा-वायर्ड क्रॉसिंग) से सुरक्षित और अधिक आरामदायक एलएचबी (लेफ्ट-हेयर-हॉट क्रॉसिंग) रेकों में परिवर्तित किया गया. यात्रियों की सुविधा के लिए 114 मेल/एक्सप्रेस, 13 यात्री और 66 ईएमयू ट्रेनों में अतिरिक्त ठहराव जोड़े गए. भारी भीड़ को संभालने के लिए, 20 ट्रेनों में 61 कोच स्थायी रूप से बढ़ाए गए, जबकि विभिन्न सेवाओं में 2050 कोच अस्थायी रूप से जोड़े गए. इसके अतिरिक्त, रेलवे ने यातायात में वृद्धि को संभालने के लिए 5080 ट्रिप टीओडी स्पेशल ट्रेनें चलाईं, जिनमें से 1895 पूर्व रेलवे से और 3185 अन्य रेलवे द्वारा संचालित थीं. सुरक्षा के क्षेत्र में 42 लेवल क्रॉसिंग गेटों पर स्लाइडिंग बूम की व्यवस्था पूरी की गई.इन उल्लेखनीय उपलब्धियों पर विचार व्यक्त करते हुए, पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि ये सफलताएं समर्पित कर्मचारियों और महाप्रबंधक द्वारा निर्धारित रणनीतिक दिशा-निर्देशों का परिणाम हैं, जिनका उद्देश्य पूर्व रेलवे को विश्वस्तरीय परिवहन नेटवर्क बनाना है.

पूर्व रेलवे ने पेंशन धोखाधड़ी के खिलाफ चेतावनी जारी की ,अपनी जीवन भर की बचत सुरक्षित रखें

कोलकाता : 68 वर्षीय सेवानिवृत्त वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर दास बाबू के लिए, एक मंगलवार की दोपहर आयी एक फोन कॉल बुरे सपने में बदल गई. फोन करने वाले की आवाज़ पेशेवर लग रही थी और उसने रेलवे लेखा विभाग का कर्मचारी होने का दावा किया. सर, आपके पीपीओ विवरण पुराने हो गए हैं. यदि आप मेरे द्वारा अभी भेजे गए ओटीपी को नहीं देते हैं, तो आपकी पेंशन कल रोक दी जाएगी, आवाज में चेतावनी दी गयी. अपनी मासिक आय को लेकर चिंतित श्री दास ने लगभग कोड बता ही दिया था. लेकिन जब फोन करने वाला आक्रामक हो गया, तब उन्होंने फोन काट दिया और अपने पूर्व कार्यालय को फोन किया. वे बाल-बाल बच गए, लेकिन दुर्भाग्य से कई अन्य लोग इस जाल में फंस चुके हैं.रेलवे अधिकारियों या बैंक प्रतिनिधियों के रूप में धोखाधड़ी करने वाले जालसाजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, पूर्व रेलवे अपने सभी पेंशनभोगियों से सतर्क रहने का आग्रह किया है. ये जालसाज अक्सर व्यक्तिगत जानकारी और मेहनत से अर्जित बचत को चुराने के लिए दबाव बनाने की रणनीति का इस्तेमाल करते हैं. वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रत्येक पेंशनभोगी अपने पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) को सुरक्षित रखें और पीपीओ की प्रतियां या पेंशन संबंधी विशिष्ट विवरण किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ साझा न करें.इसके अलावा, पेंशनभोगियों को यह याद रखना चाहिए कि पेंशन वितरित करने वाला बैंक, पेंशन स्वीकृत करने वाला प्राधिकरण या पीपीओ जारी करने वाला प्राधिकरण सत्यापन के लिए पेंशनभोगी को कभी भी ओटीपी नहीं भेजेगा. यह भी महत्वपूर्ण है कि आप अपना वर्तमान फोन नंबर की सूचना लेखा कार्यालय के पेंशन अनुभाग को दे दें. प्रत्येक वर्ष नवंबर माह के दौरान, पेंशनभोगियों को जीवन प्रमाण पोर्टल या ऐप के माध्यम से अपना डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करना चाहिए. यदि इस प्रक्रिया में किसी सहायता की आवश्यकता हो, तो पेंशनभोगियों को सलाह दी जाती है कि वे कॉल पर भरोसा करने के बजाय अपने वितरित करने वाले बैंक या पीपीओ जारी करने वाले कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से जाएं.पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा, हमारे पेंशनभोगियों ने निष्ठा के साथ राष्ट्र की सेवा की है, और उनकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है. हम सभी से अनचाहे कॉलों से सावधान रहने का आग्रह करते हैं. फोन पर खुद को अधिकारी बताने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ अपनी वित्तीय जानकारी साझा न करें.

गोलाबाड़ी इलाके में फायरिंग, दो हिरासत में

हावड़ा : जिले के गोलाबाड़ी थाना अंतर्गत बीबी बागान इलाके में मंगलवार रात कथित फायरिंग की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई. पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है, लेकिन इलाके में दहशत का माहौल बन गया.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, नशे की हालत में आपसी विवाद के चलते यह घटना घटी. आरोप है कि आकाश यादव, विक्की और राहुल के बीच कहासुनी हुई, जो धीरे-धीरे उग्र हो गई और इसी दौरान फायरिंग की घटना सामने आई. सूचना पाकर गोलाबाड़ी थाना पुलिस और हावड़ा सिटी पुलिस की खुफिया टीम मौके पर पहुंची. पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से पूछताछ शुरू की.इस मामले में संलिप्तता के संदेह में बुधवार को दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है.उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही गोलाबाड़ी थाना अंतर्गत पिलखाना इलाके में हत्या की घटना हुई थी. उस घटना का असर अभी खत्म भी नहीं हुआ था कि फायरिंग की इस नई घटना ने इलाके में फिर से चिंता और भय का माहौल पैदा कर दिया है.

न्यूज कॉर्नर

दोहरे हत्याकांड से पुंडिबाड़ी इलाके में सनसनी

कूचबिहार : दोहरे हत्याकांड से जिले के पुंडिबाड़ी इलाके में सनसनी फैल गई. पुंडिबाड़ी थाना क्षेत्र के बोकालिर मठ के पास रेल लाइन के किनारे यह घटना घटी है.पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृतकों में एक का नाम सुकुमार भुइयां है, जो उसी इलाके का निवासी था. दूसरे मृतक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है. प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि किसी अज्ञात कारण मंगलवार रात अचानक एक युवक ने सुकुमार पर हमला कर दिया और धारदार हथियार से उसका गला काट दिया, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा.इस नृशंस घटना को देखकर स्थानीय लोग गुस्से में आ गए. आक्रोशित भीड़ ने आरोपी को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी, जिससे उसकी भी मौके पर ही मौत हो गई. सूचना मिलने पर पुंडिबाड़ी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची.घटना के बाद से बोकालिर मठ इलाके में भारी तनाव और दहशत का माहौल है. पुलिस ने दोनों शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. यह घटना किसी पुरानी दुश्मनी का नतीजा है या अचानक हुए विवाद का, इसकी जांच की जा रही है.

पांशकुड़ा स्टेशन से 31 किलोग्राम गांजा बरामद,

पूर्व मेदिनीपुर : मेदिनीपुर जिले के पांशकुड़ा रेलवे स्टेशन से रेल पुलिस ने बड़ी मात्रा में गांजा बरामद किया है. मंगलवार रात जीआरपी ने स्टेशन परिसर से लगभग 31 किलोग्राम गांजा जब्त किया. इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है.पुलिस सूत्रों के अनुसार, दो ट्रॉली बैग के अंदर कुल 29 पैकेटों में गांजा रखा गया था. स्टेशन पर ड्यूटी कर रहे रेल पुलिसकर्मियों को बैग संदिग्ध प्रतीत होने पर तलाशी ली गई. तलाशी के दौरान बैगों से भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद हुआ, जिसके बाद उन्हें तत्काल जब्त कर लिया गया.मंगलवार रात प्रेस कॉन्फ्रेंस कर खड़गपुर डिवीजन के जीआरपी के एसआरपी मितुन कुमार दे ने बताया कि मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. उससे पूछताछ कर पूरे गिरोह और मादक पदार्थ की तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है.पुलिस यह भी जांच कर रही है कि बरामद गांजा कहां से लाया गया था और इसे कहां भेजने की योजना थी. पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित को बुधवार को अदालत में पेश किया जाएगा और रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी. अधिकारियों के अनुसार, हाल के दिनों में गांजा तस्करी के मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है और इस अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए अभियान तेज किया गया है.

केशियाड़ी की समस्याओं पर भाजपा ने जारी की चार्जशीट

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के केशियाड़ी में क्षेत्र की मौजूदा स्थिति को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रशासन पर तीखा हमला बोला है.मंगलवार रात केशियाड़ी चार नंबर मंडल कार्यालय में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन के माध्यम से भाजपा ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को उठाया. इस दौरान केशियाड़ी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी भद्र हेंब्रम ने स्वयं उपस्थित होकर इलाके की वर्तमान स्थिति को लेकर एक चार्जशीट पेश की.पत्रकार सम्मेलन में उन्होंने मुख्य रूप से सुवर्णरेखा नदी के तटवर्ती इलाकों में स्थित बालू घाटों से अवैध रूप से बालू ढोने का आरोप लगाया. उनका दावा है कि प्रशासन की आंखों के सामने ही यह अवैध कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है.उन्होंने कहा कि बालू तस्करी के साथ-साथ केशियाड़ी क्षेत्र के समग्र विकास की स्थिति भी बेहद खराब है. उनके अनुसार, इलाके की अधिकांश सड़कें अब भी जर्जर हालत में पड़ी हैं, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.भाजपा प्रत्याशी ने आरोप लगाया कि स्थानीय प्रशासन की विफलता और लंबे समय से चली आ रही उपेक्षा के कारण ही क्षेत्र की यह स्थिति बनी हुई है, जिसे उन्होंने अपनी इस चार्जशीट के माध्यम से जनता के सामने रखने का प्रयास किया.

चुनावी माहौल के बीच एक मंच पर आए तीन पार्टियों के उम्मीदवार

मालदा : जिले के चांचल दो ब्लॉक के क्षेमपुर में चुनावी गर्मी के बीच सामाजिक सौहार्द की अनोखी तस्वीर देखने को मिली. मंगलवार रात भर 'सरहुल' और सरना प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें खास बात यह रही कि अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों के उम्मीदवार एक ही मंच पर नजर आए.इस मंच पर कांग्रेस की मौसम नूर, तृणमूल कांग्रेस के अब्दुर रहीम बक्सी और भाजपा के आशीष दास ने साथ मिलकर हिस्सा लिया. चुनाव में एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी होने के बावजूद, आदिवासी समाज के आमंत्रण पर तीनों नेताओं ने एकजुट होकर मंच साझा किया.तीनों उम्मीदवारों ने अपने संबोधन में आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने के साथ-साथ क्षेत्र के विकास का वादा किया.स्थानीय लोगों का मानना है कि चुनावी माहौल

में इस तरह का एकजुट संदेश सामाजिक एकता को मजबूत करता है.सरना धर्म की परंपरा के अनुसार, इस उत्सव में साल वृक्ष की पूजा और सूर्य के साथ धरती का प्रतीकात्मक विवाह कराया जाता है, जो प्रकृति और जीवन के गहरे संबंध को दर्शाता है.इस दौरान झुमुर नृत्य और सरना गीतों से पूरा इलाका उत्सव में डूब गया.

कार्यक्रम में सरना प्रार्थना सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बंधन तिग्गा, महासचिव विद्यासागर केराकाटा और ऑल इंडिया उरांव कमेटी के मालदा जिलाध्यक्ष छबीलाल उरांव समेत कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे.इस मौके पर करीब 50 आदिवासी मोरलों को सम्मानित किया गया. मालदा और आसपास के इलाकों से लगभग पांच हजार आदिवासी महिला-पुरुष इस आयोजन में शामिल हुए.

धार्मिक परंपरा के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उत्सव की रौनक को और बढ़ा दिया.

हरिश्चंद्रपुर में वोटर लिस्ट को लेकर बवाल, जारी प्रदर्शन

मालदा : जिले के हरिश्चंद्रपुर के दौलतपुर इलाके में वोटर लिस्ट में नाम नहीं आने को लेकर बुधवार को भारी विरोध प्रदर्शन देखने को मिला. सुबह से शुरू हुआ यह आंदोलन खबर लिखे जाने तक जारी रहा, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया है.प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सभी जरूरी दस्तावेज जमा करने और सुनवाई में शामिल होने के बावजूद उनका नाम सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट में शामिल नहीं किया गया. इसके कारण वे आगामी चुनाव में मतदान से वंचित रह सकते है. नाराज स्थानीय लोगों ने सड़क पर टायर जलाकर रास्ता जाम कर दिया.प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उन्हें उच्च अधिकारियों से स्पष्ट आश्वासन नहीं मिलेगा, तब तक वे आंदोलन जारी रखेंगे.

युवक का फंदे से लटका शव बरामद

सिलीगुड़ी : शांतिनगर बऊबाजार इलाके में एक युवक का फंदे से लटका शव मिलने से इलाके में सनसनी फ़ैल गई. मृतक की पहचान पंकज मित्रा के रूप में हुई है.बुधवार तड़के उसी मकान के एक अन्य किरायेदार ने सबसे पहले उन्हें फंदे से लटका हुआ देखा. आशिघर चौकी पुलिस को इसकी सूचना दी गई.

कांग्रेस के प्रदेश महासचिव आंज़रुल हक जॉनी ने दिया इस्तीफा

मालदा : जिले के चांचल विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार की घोषणा के बाद शुरू हुआ विवाद अब गंभीर रूप ले चुका है. मंगलवार रात जिला कांग्रेस के प्रदेश महासचिव आंज़रुल हक जॉनी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे इलाके की राजनीति में हलचल मच गई है.जॉनी ने जिलाध्यक्ष ईशा खान चौधरी पर कई आरोप लगाते हुए कहा कि उम्मीदवार घोषित होने के बाद से ही कार्यकर्ताओं में भारी नाराज़गी है, लेकिन जिला नेतृत्व ने उनकी बात सुनने की कोई कोशिश नहीं की. उल्टा उन्हें ही 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' के आरोप में शो-कॉज नोटिस थमा दिया गया.अपने बचाव में जॉनी ने साफ कहा कि उनका विरोध प्रदर्शन से कोई लेना-देना नहीं है और वे पिछले कुछ दिनों से घर पर ही थे. इसके बावजूद उन्हें बेवजह निशाना बनाया गया. उन्होंने आरोप लगाया कि जिलाध्यक्ष ने फोन पर उन्हें धमकाया भी. उन्होंने कहा कि नेतृत्व कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नजरअंदाज कर एकतरफा फैसले ले रहा है, जिसके विरोध में उन्होंने यह कदम उठाया.राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव से ठीक पहले इस तरह का इस्तीफा और जॉनी समर्थकों के निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की संभावना कांग्रेस के वोट बैंक में बड़ी सेंध लगा सकती है.

जामुड़िया विधानसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला

आसनसोल : जामुड़िया विधानसभा सीट का राजनीतिक इतिहास काफी दिलचस्प और उतार-चढ़ाव से भरा रहा है. यह सीट वर्ष 1957 में अस्तित्व में आई थी और शुरुआती दौर में यहां की जनता ने किसी एक पार्टी को स्थायी समर्थन नहीं दिया. 1957 से 1972 तक हुए चुनावों में हर बार अलग-अलग उम्मीदवारों को जीत मिलती रही, जिससे यह साफ था कि मतदाता किसी एक दल के साथ स्थायी रूप से नहीं जुड़े थे.1957 में यह सीट दो सदस्यीय थी, जिसमें कांग्रेस के बैद्यनाथ मंडल और प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के अमरेंद्र मंडल संयुक्त रूप से विधायक बने. वर्ष 1962 में यह सीट एक सदस्यीय हो गई और अमरेंद्र मंडल ने कांग्रेस के टिकट पर जीत दर्ज की. इसके बाद 1967 से 1972 तक इस सीट पर एक ही परिवार के बीच दिलचस्प राजनीतिक मुकाबला देखने को मिला. अमरेंद्र मंडल, तीन कौड़ी मंडल और बाद में उनके चचेरे भाई दुर्गादास मंडल के बीच चुनावी टक्कर होती रही, जिसमें जीत-हार का सिलसिला लगातार चलता रहा. इस दौर में सीट कई बार हाथ बदलती रही.वर्ष 1977 के बाद इस सीट की राजनीति में बड़ा बदलाव आया और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया मार्क्सिस्ट (माकपा) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चा ने यहां मजबूत पकड़ बना ली. हराधन राय ने 1977 में जीत दर्ज कर इस सिलसिले की शुरुआत की और इसके बाद 1982, 1987 और 1991 में भी लगातार जीत हासिल की. आने वाले वर्षों में भी यह सीट वाम दलों के कब्जे में रही और 2016 तक लगातार नौ बार यहां वाम मोर्चा का परचम लहराता रहा

, जिसके कारण जामुड़िया को लाल दुर्ग कहा जाने लगा. 2011 और 2016 के चुनाव में जहांआरा खान यहां से विधायक बनीं.वर्ष 2021 के चुनाव में इस लंबे राजनीतिक समीकरण में बड़ा बदलाव देखने को मिला. हरेराम सिंह ने ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर जीत दर्ज करते हुए वाम मोर्चा के इस मजबूत गढ़ को ध्वस्त कर दिया. यह जीत कई मायनों में खास रही, क्योंकि पहली बार किसी हिंदी भाषी नेता ने इस सीट पर विजय हासिल की. उनकी इस जीत की सराहना ममता बनर्जी ने भी की थी.2021 के चुनाव परिणाम में हरे राम सिंह को 71 हजार 102 वोट मिले, जबकि भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार तापस राय को 62 हजार 951 वोट प्राप्त हुए और वाम दल के उम्मीदवार आईसी घोष को 24 हजार 818 वोट मिले. इस परिणाम ने साफ कर दिया कि जामुड़िया अब एकतरफा सीट नहीं रही, बल्कि यहां मुकाबला बहुकोणीय हो चुका है.वर्तमान में जामुड़िया विधानसभा सीट पर फिर से राजनीतिक सरगर्मी तेज है. तृणमूल कांग्रेस ने एक बार फिर हरे राम सिंह पर भरोसा जताया है, जबकि भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस भी मैदान में हैं. यह सीट अब स्थायी गढ़ की बजाय एक प्रतिस्पर्धी और निर्णायक सीट बन चुकी है.

॥ 卐 ॥

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण

www.yuvashaktinews.com

दिनमान | तापमान

सूर्योदय	सूर्यास्त	अधिकतम	न्यूनतम
5.28	5.52	37°	26°

वर्ष 18, अंक 285 पृष्ठ 8

कोलकाता, गुरुवार, 02 अप्रैल 2026

चैत्र, शुक्लपक्ष, पूर्णिमा, वि. सं. 2083

मूल्य: ₹3

भय राज
खौफ का शासन

तृणमूल सरकार में हिंसा एक राजनीतिक हथियार बन चुकी है।

मुर्शिदाबाद से लेकर मोमिनपुर और महेशतला तक, दंगे आम बात हो गए हैं।

भय नहीं भरोसा

बिजेपि

पालटानो दरकार चाई बीजेपी सरकार

Published by: भारतीय जनता पार्टी, पश्चिम बंगाल

चंडीगढ़ में पंजाब बीजेपी मुख्यालय के बाहर धमाका

चंडीगढ़: पंजाब व हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ में ब्लास्ट से अफरातफरी मच गयी. बुधवार दोपहर बाद सेक्टर-37 स्थित भाजपा दरफ्तर के बाहर धमाका हुआ. धमाके की आवाज दूर तक सुनाई दी. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी गई. पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी है. वहीं आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं. जानकारी के अनुसार शाम करीब पांच बजे सेक्टर-37 स्थित पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर एक स्कूटी खड़ी थी, उसमें जोरदार धमाका हुआ है. धमाके में किसी कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है.

पश्चिम एशिया संकट: पीएम आवास पर हुई सीसीएस की बैठक

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार शाम पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा के लिए वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों के साथ बैठक की. इस बैठक में आम लोगों के लिए खाद्य, ऊर्जा और ईंधन सुरक्षा जैसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा हुई. बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल, शिवराज सिंह चौहान, जेपी नड्डा, अश्विनी वैष्णव, मनोहर लाल खट्टर, प्रल्हाद जोशी, के राममोहन नायडू और हरदीप सिंह पुरी समेत कई मंत्री शामिल हुए. इसके अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा और शक्तिकांत दास तथा कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन भी बैठक में मौजूद थे.

सुप्रीम कोर्ट का एसआईआर मामले में साफ निर्देश

वोटर लिस्ट से नाम के बाहर होने का मतलब मताधिकार खत्म होना नहीं

तार्किक विसंगति के 47 लाख मामलों का निपटारा | **एसआईआर का काम 7 अप्रैल तक पूरा होगा**

नई दिल्ली/कोलकाता: पश्चिम बंगाल में एसआईआर से जुड़ी सभी शिकायतों और आपत्तियों का समाधान 7 अप्रैल तक कर दिया जाएगा. यह बात कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सुजॉय पाल ने सुप्रीम कोर्ट को बताई. उसके बाद बुधवार को हुई सुनवाई में चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने संतुष्टि जताई. इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि इस बार वोटर लिस्ट से बाहर होने या बदलाव का मतलब यह नहीं है कि संबंधित व्यक्ति का वोटिंग का अधिकार चला गया है. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ कर दिया है कि वोटिंग का अधिकार नहीं खोया जा सकता.

दूसरी ओर, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वोटर लिस्ट से नाम हटाने की दर बहुत ज़्यादा है. फिलहाल यह 45 परसेंट तक पहुंच गई है. इसके जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ट्रिब्यूनल को अपना काम करने देना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि वोटर लिस्ट में नाम शामिल करने या हटाने के मुद्दे उन्हें ही सुलझाने चाहिए.

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि विपक्षी पार्टियां यह मांग कर सकती हैं कि लिस्ट में नाम शामिल करने या हटाने की दर 100 परसेंट होनी चाहिए. बेंच ने यह भी कहा कि इस बारे में पिटीशन पर 7 अप्रैल को फिर से सुनवाई हो सकती है. बाद में वकील कल्याण बनर्जी ने कहा, जिन लोगों के नाम छूट रहे हैं, ट्रिब्यूनल को उनके नाम छूटने का कारण बताना होगा. ट्रिब्यूनल उन लोगों से भी कारण पूछेगा, जो ट्रिब्यूनल में अपील करेंगे. सुप्रीम कोर्ट ने आज अपनी टिप्पणी में कहा कि फाइनल वोटर लिस्ट प्रकाशित होने के बाद फॉर्म 6 नहीं दिया जा सकता. तब भी, जो फॉर्म 6 लिया गया है, उसे हर बूथ पर नोटिफाई किया जाना चाहिए. सीईओ के ऑफिस में चुपके से बैठने से कुछ नहीं होगा. फिर, जो लोग फॉर्म 6 के बारे में शिकायत करते हैं, उन्हें भी सुना जाना चाहिए, और उनकी शिकायतों की जांच की जानी चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि वह इस मामले को देखेगा.

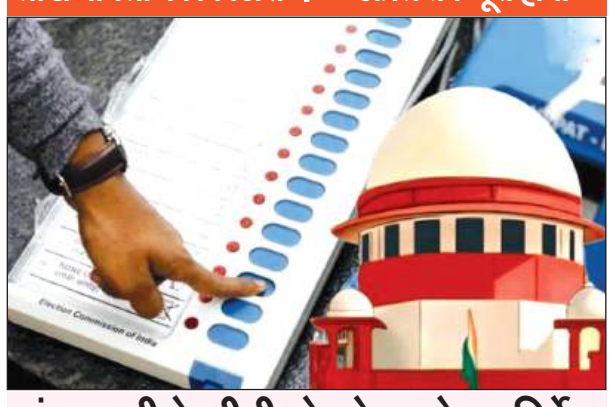

हांसखाली के बीडीओ को हटाने का निर्देश

इलेक्शन कमीशन ने नदिया ज़िले के हांसखाली ब्लॉक के बीडीओ सायंतन भट्टाचार्य को तुरंत हटाने का आदेश दिया है. यह कदम ज़िले के इलेक्शन ट्रेनिंग सेंटर में हुई हिंसा के बाद उठाया गया है. उस घटना में, इलेक्शन ऑफिसर और पेशे से टीचर सैकत चटर्जी को कथित तौर पर रूलिंग तृणमूल कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ट्रेनिंग सेंटर के अंदर बीडीओ की मौजूदगी में पीटा था. चुनाव आयोग ने घटना पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी. आयोग के निर्देश के अनुसार, लोकल पुलिस स्टेशन में एफआईआर भी दर्ज कर ली गई है.

कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि कुल 60 लाख ऑब्जेक्शन में से मंगलवार तक करीब 47 लाख का निपटारा कर दिया गया है. इतना ही नहीं, कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि हर दिन करीब 1.75 लाख से 2 लाख शिकायतों का निपटारा किया जा रहा है. चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की डिवीजन बेंच ने बुधवार को कहा कि उन्हें हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से एक लेटर मिला है. इस बारे में चीफ जस्टिस ने कहा, हम इन डेटा और स्टैटिस्टिक्स से काफी संतुष्ट और बहुत उम्मीद रखते हैं. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने उन्हें बताया है कि सभी आपत्तियों और शिकायतों पर फैसला 7 अप्रैल तक पूरा हो जाएगा.

दूसरी ओर, लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी कैटेगरी में शामिल 78 परसेंट से ज़्यादा मामलों का सेटलमेंट प्रोसेस पूरा हो चुका है. हालांकि, दूसरे 13 लाख मामलों में यह प्रोसेस अभी पूरा होना बाकी है. आयोग के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि यह आंकड़ा मंगलवार रात तक उपलब्ध था.

चीफ इलेक्शन ऑफिसर के ऑफिस के मुताबिक, पड़ोसी राज्यों झारखंड और ओडिशा के 100 अधिकारियों समेत ये अधिकारी 700 से ज़्यादा मामलों के निपटारे के प्रोसेस को तेज़ कर रहे हैं. कमीशन को उम्मीद है कि यह प्रोसेस इस हफ़्ते तक पूरा हो जाएगा. हालांकि, मंगलवार रात तक निपटाए गए 47 लाख मामलों की लिस्ट से बाहर किए जा रहे लोगों के सही नंबर साफ़ नहीं हैं, लेकिन सीईओ ऑफिस के सूत्रों ने बताया कि औसतन हर दिन निपटाए जा रहे मामलों में से लगभग 40 परसेंट नाम कट रहे हैं. इसके अलावा, जिनके नाम कट रहे हैं, उन्हें 19 अपीलेट ट्रिब्यूनल में से किसी में भी अपील करने का मौका मिलेगा.

एसआईआर पर सामने आया ममता सरकार का असली चेहरा: बीजेपी

नई दिल्ली: देश में चुनाव आयोग के एसआईआर यानी विशेष मतदाता निरीक्षण को लेकर जारी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. जहां सत्ता पक्ष इस प्रक्रिया को लोकतंत्र की मजबूती और तकनीक के बेहतर उपयोग के रूप में देख रहा है, वहीं विपक्ष इस प्रक्रिया को लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाताओं के अधिकारों का दमन मानता है. इसी विवाद को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर निशाना साध रहे हैं. इसी कड़ी में बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी नेकी नेतृतव वाली टीएमसी पर जोरदार हमला बोला है.बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी के एक्स अकाउंट का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया है. बीजेपी प्रवक्ता ने स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा कि तृणमूल का अहंकार अब सबके सामने आ गया है. बीजेपी प्रवक्ता ने आगे लिखा कि अभिषेक बनर्जी ने एक पोस्ट को आगे बढ़ाया है, जिसमें एसआईआर को सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रायोजित धांधली कहा गया है. उन्होंने पोस्ट में आगे बताया कि इससे पहले ममता बनर्जी ने खुले तौर पर घोषणा की थी हम भारत के सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले को स्वीकार नहीं करते हैं.

ममता को सता रहा नए अधिकारियों का डर

तृणमूल उम्मीदवारों को नामांकन भरते समय सतर्क रहने को कहा

कोलकाता: टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त नए अधिकारियों को उनकी पार्टी के उम्मीदवारों के नामांकन खारिज करने की जिम्मेदारी दी गई है. उन्होंने टीएमसी प्रत्याशियों से नामांकन दाखिल करते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की. गौरतलब है कि बंगाल में चुनाव एलान के बाद बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल हुआ है.

बीरभूम जिले के नानूर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, 'सब कुछ बदल दिया गया है, यहां नया सेटअप है. चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त नए अधिकारी आपके नामांकन खारिज करने के लिए लगाए गए हैं, इसलिए नामांकन भरते समय सतर्क रहें.'

उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी राजनीतिक फायदे के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है.

मुख्यमंत्री ने खासकर महिलाओं से भाजपा को वोट न देने की अपील करते हुए कहा, वे (भाजपा) महिला विरोधी हैं, इसलिए एसआईआर में गलती का हवाला देकर उनके नाम हटाए जा रहे हैं.' इससे पहले बुरवान में एक अन्य रैली में ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा ग्रामीण इलाकों में लोगों से नकद पैसे देने के नाम पर उनके बैंक खाता नंबर मांग रही है. उन्होंने लोगों से ऐसी जानकारी साझा न करने की सलाह दी. राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को होगी.

अमेजन के डेटा सेंटर पर ईरान का हमला

तेहरान: ईरान ने ड्रोन से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अमेजन वेब सर्विसेज के दो डेटा सेंटरों पर हमला किया. वहीं बहरीन में एक तीसरा कमर्शियल डेटा सेंटर भी प्रभावित हुआ, हालांकि यह साफ नहीं है कि उसे जानबूझकर निशाना बनाया गया था या नहीं. ईरान ने यह भी इशारा किया है कि वह अब कमर्शियल डेटा सेंटरों को भी टारगेट मानता है.

यूएई में ड्रोन से किया अटैक

यह पहली बार है जब किसी देश ने युद्ध के दौरान जानबूझकर कमर्शियल डेटा सेंटरों पर हमला किया है. पहले डेटा सेंटर जासूसी और साइबर हमलों का निशाना बनते रहे हैं जैसे 2024 में यूक्रेन के हैकर्स ने एक रूसी सैन्य से जुड़े डेटा सेंटर का डेटा मिटा दिया था. लेकिन इस बार हमला सीधे ड्रोन से किया गया, जिससे इमारतों को नुकसान पहुंचा. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल से डेटा सेंटरों की अहमियत बहुत बढ़ गई है. खासकर अमेरिकी सेना एआई का इस्तेमाल अपने ऑपरेशन और फैसलों में कर रही है.

ईरान ने कथित तौर पर युद्धविराम का किया अनुरोध

डोनाल्ड ट्रंप ने रखी शर्त : होर्मुज खोलने पर ही करेंगे सीजफायर

वॉशिंगटन: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरानी शासन के नए राष्ट्रपति अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में कहीं कम कट्टरपंथी और कहीं अधिक बुद्धिमान हैं. उन्होंने अभी-अभी अमेरिका से युद्धविराम का अनुरोध किया है. होर्मुज जलडमरूमध्य के पूरी तरह से खुला, मुक्त और सुरक्षित होने पर ही हम इस पर विचार करेंगे. तब तक हम ईरान को पूरी तरह तबाह कर देंगे या यूं कहें कि उसे पाषाण युग में वापस भेज देंगे. इससे पहले, मंगलवार को ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि अमेरिका जल्द ही ईरान से बाहर निकल आएगा. अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मुझे बस ईरान से निकलना है और हम बहुत जल्द ऐसा करेंगे. इसके बाद वे खुद ही गिर जाएंगे. आज शेयर बाजार लगभग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, क्योंकि दो उन्हें दो बातें पता हैं. पहली- हमारा देश सुरक्षित है. हमें

थोड़ा रास्ता (तरीका) बदलना पड़ा, क्योंकि हमारे पास खामेनेई नाम का एक पागल व्यक्ति था, जो अब हमारे बीच नहीं है. हमने पहले शासन परिवर्तन कर लिया है. हमने एक शासन को हटाया. फिर दूसरे को हटाया. अब हमारे पास ऐसे लोगों का समूह है, जो बहुत अलग हैं. जो ज्यादा पहुंच में हैं.

ट्रंप ने कहा था कि वह बिना किसी समझौते के भी वहां से निकल जाएंगे. उन्होंने कहा, नहीं..उन्हें मेरे साथ समझौता करने की जरूरत नहीं है. जब हमें लगेगा कि उन्हें लंबे समय के लिए पाषाण युग में पहुंचा दिया गया है और वे परमाणु हथियार नहीं बना पाएंगे, तब हम वहां से निकल जाएंगे. समझौता हो या न हो, इससे फर्क नहीं पड़ता. हालांकि, संभवना है कि समझौता हो जाएगा, क्योंकि वे समझौता करना चाहते हैं. वे मुझसे ज्यादा समझौते करना चाहते हैं. लेकिन, जल्द यह सब खत्म हो जाएगा. वे कई वर्षों तक परमाणु हथियार नहीं बना पाएंगे.

इसके अलावा, ट्रंप ने बुधवार को यह भी कहा कि वह उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) से अमेरिका को बाहर निकालने पर गहराई से विचार कर रहे हैं. उन्होंने कहा, नाटो ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल नहीं हुआ. ट्रंप ने नाटो को कागजी शेर करार दिया. टेलीग्राफ के साथ इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, यह गठबंधन (नाटो) एक कागजी शेर है और ब्रिटेन के पास नौसेना तक नहीं है.

तृणमूल कांग्रेस ने कलकत्ता हाई कोर्ट को फिर लिखा पत्र

ट्रिब्यूनल में व्यक्तिगत सुनवाई की मांग रखी

कोलकाता: बंगाल में एसआइआर प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस ने न्यायिक हस्तक्षेप की मांग तेज कर दी है. पार्टी ने कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल को एक ताजा पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि जिन मतदाताओं के नाम सूची से काटे जा रहे हैं, उन्हें ट्रिब्यूनल की सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने की अनुमति दी जाए.

तृणमूल कांग्रेस का तर्क है कि न्यायिक अधिकारियों द्वारा नाम काटे जाने का स्पष्ट कारण मतदाता को बताया जाना चाहिए. पत्र में मांग की गई है कि अपील की प्रक्रिया ऑनलाइन के साथ-साथ आफलाइन भी सुचारू रूप से संचालित हो. पार्टी ने जिला मजिस्ट्रेट और एसडीओ कार्यालयों के अलावा बीडीओ दफ्तरों में भी आवेदन स्वीकार करने का सुझाव दिया है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को असुविधा न हो.

पार्टी ने विशेष रूप से अपने 11 उम्मीदवारों का जिक्र किया है जिनके नाम अभी भी 'विचाराधीन' श्रेणी में हैं. तृणमूल चाहती है कि इन नामों पर त्वरित निर्णय लिया जाए और निपटारे की दैनिक सूची सार्वजनिक की जाए. पत्र में यह भी कहा गया है कि नाम वापसी की प्रक्रिया को ईसीआइ नेट पोर्टल के माध्यम से सरल बनाया जाना चाहिए. दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि ट्रिब्यूनल उन्हीं साक्ष्यों के आधार पर फैसला करेंगे जो पहले जांच अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए गए थे, ताकि चुनाव प्रक्रिया में देरी न हो.

ADUKIA INDUSTRIES

IS 1786 : 2008

CM/L 5710005311

UltraMax® 500

550D TMT BAR

ULTRA SHAKTI! MAXIMUM MAZBOOTI!

A STRONG GRIP WITH SUPERIOR BENDABILITY

AIC IRON INDUSTRIES PVT.LTD.

Regd Office : 25 , Ganesh Chandra Avenue, 4th Floor, Kolkata : 700 013

Tel : +91 33 2221 7535 / 7536 | Web Site : www.ultramaxtmt.com

यूपीआई व डिजिटल भुगतान के लिए 'टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन' अनिवार्य

आरबीआई ने 1 अप्रैल से लागू किये नए नियम, ऑनलाइन धोखाधड़ी रोकने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली: भारत में बढ़ते डिजिटल लेन-देन के बीच ऑनलाइन धोखाधड़ी को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सख्ती बढ़ा दी है. 1 अप्रैल 2026 से लोकप्रिय यूपीआई (यूपीआई) प्लेटफॉर्म सहित सभी डिजिटल पेमेंट्स के लिए टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन अनिवार्य हो गया है. आरबीआई के इस कदम से अब केवल पिन डालकर पेमेंट करना संभव नहीं होगा,

इससे ग्राहकों की गाढ़ी कमाई पहले से कहीं अधिक सुरक्षित हो जाएगी.आरबीआई के निर्देशों के अनुसार, बैंक और गैर-बैंक संस्थाओं सहित सभी भुगतान प्रणाली सेवा का संचालन करने वाली कंपनियों और प्रतिभागियों को 1 अप्रैल, 2026 तक इन दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य था. केंद्रीय बैंक ने बैंक धोखाधड़ी को कम करने और जवाबदेही में सुधार के लिए यह व्यवस्था लागू की है.

आज से उपयोगकर्ताओं को केवल अपना यूपीआई पिन दर्ज करके लेन-देन करने की अनुमति नहीं मिलेगी. इसके बजाय, उन्हें वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी), फिंगरप्रिंट ऑथेंटिकेशन या फेशियल रिकॉग्निशन के जरिए ट्रांजैक्शन को वेरिफाई करना होगा.

इस नियम का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यदि किसी को आपका पिन पता

भी चल जाए, तो भी दोहरे सत्यापन के बिना अनधिकृत भुगतान सफल नहीं हो सकेंगे. आरबीआई ने सभी डिजिटल पेमेंट्स के लिए 2 एफए अनिवार्य किया है और वर्तमान में डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम ने मुख्य रूप से एसएमएस-आधारित वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) को इस अतिरिक्त कारक के रूप में अपनाया है. भुगतान सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए, उपयोगकर्ता अब किसी भी बैंकिंग ऐप में स्क्रीनशॉट या स्क्रीन रिकॉर्डिंग नहीं ले सकेंगे.

किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से उपयोगकर्ता को बचाने के लिए इसे पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है. हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि ओटीपी दर्ज करने की प्रक्रिया के कारण लेन-देन में कुछ सेकंड की देरी हो सकती है.

यूपीआई जैसे इकोसिस्टम में, जहां लेन-देन कुछ ही सेकंड में पूरे हो जाते हैं, धोखाधड़ी रोकने के लिए लेन-देन पूरा होने से पहले का समय ही सबसे महत्वपूर्ण होता है. 'ब्यूरो' के निदेशक (रणनीति और नियामक मामले) अनिल तादिमेटी ने कहा कि यहीं पर प्रमाणीकरण को विकसित करने की आवश्यकता है.

आरबीआई का यह नया टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन प्रोटोकॉल भारतीय डिजिटल पेमेंट व्यवस्था को नई मजबूती दे रहा है.

नए नियमों से यूजर्स को लेनदेन के दौरान कुछ अतिरिक्त सेकंड का समय लग सकता है, लेकिन लंबे समय में यह कदम बैंकिंग फ्रॉड पर लगाम कसने और डिजिटल भुगतान को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने में मील का पत्थर साबित होगा.

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | गुरुवार | 2 अप्रैल, 2026

विवाह बनाम स्वतंत्रता

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे वयस्कों के रिश्तों को लेकर समय-समय पर देश की विभिन्न अदालतों के फैसले सामने आते रहे हैं. उनमें कई विरोधाभास भी नजर आते रहे हैं. इसी तरह इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो हालिया फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच पैदा हुई नाजुक खाई को ही उजागर किया है. जहां एक मामले में, न्यायालय का कहना था कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अब अपराध की श्रेणी में नहीं आता. अब भले ही विवाह संस्था के पारंपरिक स्वरूप को मानने वाले इस बात को स्वीकार न करें, लेकिन इससे जुड़े हुए तमाम यक्ष प्रश्न जरूर हमारे सामने हैं. वहीं एक अन्य घटनाक्रम में न्यायालय ने एक ऐसे ही दंपति को संरक्षण देने से इनकार कर दिया. अदालत का कहना था कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है. यह स्पष्ट विरोधाभास वास्तव में एक गहरी कानूनी रिक्तता को ही प्रतिबिंबित करता है. दरअसल, भारतीय कानून ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के हिस्से के रूप में, परंपरागत भारतीय समाज में लिव इन रिलेशनशिप को मान्यता देने की दिशा में सावधानीपूर्वक ही कदम बढ़ाया है. इसके बावजूद भी, यह विवाह को एक कानूनी रूप से स्वीकृत संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहा है. जिसके अंतर्गत वयस्कों के अपने अधिकार और दायित्व भी हैं. निर्विवाद रूप से, जिन्हें आसानी से दरकिनार भी नहीं किया जा सकता है. इस परिणाम के मूल में एक न्यायिक विसंगति भी है. जहां न्यायालय लिव इन रिलेशन को अपराध की श्रेणी से तो बाहर कर देता है, लेकिन उनके परिणामों को वैध ठहराने से हिचकिचाता है. दरअसल, वयस्कों के रिश्तों में यह तनाव सिर्फ कानूनी ही नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक भी है. निर्विवाद रूप से, आज भारतीय समाज एक बड़े संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहा है. जिसमें भारतीय परंपरागत जीवन मूल्यों तथा तेजी से बदलते रिश्तों के बीच का एक द्वंद्व भी शामिल है. यह एक हकीकत है कि आधुनिक जीवन में रिश्तों में स्वतंत्रता की बयार स्त्री की आर्थिक आत्मनिर्भरता से परवान चढ़ी है. लेकिन भारत जैसे परंपरावादी समाज में सदियों से विवाह एक अनुबंध होने के साथ-साथ एक गहरी सामाजिक मान्यता भी है. लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारतीय समाज में आधुनिक रिश्तों की वास्तविकता कहीं अधिक परिवर्तनशील भी है. वयस्कों के रिश्तों में व्यक्ति आगे बढ़ता है, कभी-कभी बिना औपचारिक समापन के भी. लेकिन यह भी एक हकीकत है कि कानून भी मौजूदा परिदृश्य की इस वास्तविकता से अनभिज्ञ नहीं रह सकता. यह भी एक सत्य है कि वयस्कों के रिश्तों को संरक्षण या मान्यता से वंचित करना, ऐसे रिश्तों को समाप्त नहीं करता है. वास्तव में यह केवल उन्हें असुरक्षा और कानूनी अनिश्चितता की ओर धकेल देता है. सही मायनों में आवश्यकता न्यायिक असंगति की नहीं है, बल्कि विधायी स्पष्टता की ही है. वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है. हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है. इन परिस्थितियों में, अंततः कानून को एक सरल सत्य को प्रतिबिंबित करना चाहिए कि जब रिश्ते टूट जाते हैं, तो व्यक्तियों को गरिमा के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देना हमारी सामाजिक व्यवस्था के लिये खतरा नहीं है. बल्कि यह उसका एक आवश्यक अनुकूलन ही है. ऐसे समय पर जब तकनीक व सूचना क्रांति से पूरी दुनिया एक संस्कृति में ढल रही है, हम अलग-थलग नहीं रह सकते. हमें पीढ़ियों के अंतराल से उपजी सोच का भी सम्मान करना होगा.

भाजपा को अभी भी इंतजार रहेगा मुख्यमंत्री पद का, नीतीश दोहरा सकते हैं गिरिधर गमांग का इतिहास

– क्रांति कुमार पाठक

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा के सांसद चुने जाने के बाद विधानपरिषद की सदस्यता से उन्होंने भले ही इस्तीफा दे दिया है. लेकिन उन्होंने अब भी बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है. दरअसल संविधान की धारा 101 और 190 के साथ ही भारतीय संविधान और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 कहता है कि कोई भी व्यक्ति एक साथ संसद और राज्य विधानमंडल का सदस्य नहीं रह सकता. ऐसे में राज्यसभा की सदस्यता मिलने के 14 दिनों के भीतर एक सदन से इस्तीफा देना जरूरी होता है. अतः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया. लेकिन उन्होंने अब भी बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है. इससे एक बात तो साफ है कि नीतीश कुमार आने वाले दिनों में अभी भी बिहार के मुख्यमंत्री बने रहेंगे. जो भी नाम मीडिया, सोशल मीडिया में चल रहे हैं, उनका फिलहाल तो कुछ भी नहीं होना जाना है. क्योंकि मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का अभी संवैधानिक तौर पर नीतीश कुमार पर कोई दबाव नहीं है, क्योंकि संविधान का अनुच्छेद 164(4) कहता है कि अगर कोई मुख्यमंत्री बनता है और अगर वो राज्य के किसी भी सदन का सदस्य नहीं है, तो उसे अधिकतम छह महीने के अंदर विधानमंडल का सदस्य बनना पड़ता है. अगर वो सदस्य नहीं बनता तो उसे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ता है. बाकी मुख्यमंत्री रहते हुए वो राज्यसभा के सदस्य बने रह सकते हैं. ऐसे में सियासी हलकों में चर्चा है कि नीतीश कुमार अगले छह महीने तक बिहार के मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं और भाजपा को अभी भी बिहार में मुख्यमंत्री बनने के लिए इंतजार करना पड़ सकता है. बस इतना जरूर है कि मुख्यमंत्री रहते हुए नीतीश कुमार सदन की कार्यवाही में भाग तो ले सकते हैं, लेकिन वो बिहार विधानसभा में किसी भी प्रस्ताव या बजट पर वोट नहीं दे पाएंगे. दरअसल, इतिहास कह कर दस्तक नहीं देता. यह धीमे धीमे पांव से चल कर आता है और इतिहास का एक और पन्ना खुल जाता है. बिहार की सियासत में इन दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तुलना ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री गिरिधर गोमांग से होने लगी है. क्या मुख्यमंत्री रहे गिरिधर गोमांग की और स्थापित इतिहास में नीतीश कुमार का एक अध्याय जुड़ने वाला है. गिरिधर गोमांग ओडिशा के ऐसे नायक हैं जिन्होंने कभी भाजपा के विरुद्ध वोट किया था. समय था 17 अप्रैल 199., केंद्र में अटल बिहारी सरकार को बहुमत प्राप्त करना था. उस समय केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली 13 महीने की सरकार थी. उस समय की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार महज एक ही वोट से लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव हार गई थी और वह एक वोट तत्कालीन ओडिशा के मुख्यमंत्री गिरिधर गमांग का था. उन्होंने मुख्यमंत्री बने रहते संसद में अटल सरकार के विरुद्ध वोट किया था. इस राजनीतिक घटना के बाद पूरे देश में गिरिधर गोमांग सबसे अधिक सुर्खियों में आ गए थे. दरअसल, उस खास वक्त में वो सांसद भी थे और ओडिशा के मुख्यमंत्री भी. मुख्यमंत्री बने रह कर गिरिधर गोमांग ने सिर्फ अटल सरकार के विरुद्ध वोट किया, जिससे तत्कालीन सरकार बहुमत के अभाव में गिर गई. उन्होंने वाजपेयी सरकार के खिलाफ वोट दिया था. और वैसे भी तब गिरधर गोमांग सोनिया गांधी के काफी प्रिय थे. तो क्या नीतीश कुमार सीएम बने रह सकते हैं? इस प्रश्न का जवाब तो वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने दे ही दिया है. बिहार के अगले मुख्यमंत्री को लेकर संवैधानिक स्थिति साफ करते हुए विधानसभा स्पीकर ने कहा कि संविधान में प्रावधान है कि 6 महीने तक कोई व्यक्ति बिना निर्वाचन के भी बिहार का मुख्यमंत्री हो सकता है. छह महीने के बाद निश्चित तौर पर उन्हें चुनाव में जाना होगा. चुनाव विधान परिषद का हो या विधानसभा का हो, उन्हें किसी सदन की सदस्यता विधिवत लेनी होगी, तभी वह आगे काम कर सकते हैं. दरअसल, बिहार की सियासत में इतना तो तय माना जा रहा है कि अगला पूर्णकालिक मुख्यमंत्री भाजपा से होगा. पर क्या भाजपा चाहती है कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने रहे? पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पर दृष्टि डाले तो भाजपा नीतीश कुमार को तुरंत हटाने की आतुरता नहीं दिखाएगी. क्योंकि भाजपा के रणनीतिकार यह सोच रहे होंगे कि मुख्यमंत्री रहते नीतीश कुमार के प्रभाव के सहारे पश्चिम बंगाल के चुनाव को बेहतर परिणाम में तब्दील किया जा सके. ऐसा इसलिए कि पश्चिम बंगाल में कुर्मी की भी संख्या अच्छी है. साथ ही सुशासन के नाम पर अतिपिछड़ा और दलित का मत नीतीश कुमार से जुड़ा है वह राजग के साथ बनी रहे. भाजपा रणनीतिकारों का स्वार्थ यह भी हो सकता है कि वह जबरन नीतीश कुमार को हटाने की छवि से खुद को मुक्त करना चाह रहे हो. यह यक्ष प्रश्न पश्चिम बंगाल के चुनाव को देखते मनोनुकूल लग रहा है. बिहार की सियासत में एक चर्चा और भी परवान पा रहा है कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं और इस दौरान नीतीश कुमार के प्रभाव में पश्चिम बंगाल और असम का चुनाव भाजपा के रणनीतिकार करा ले? और इस बीच गठबंधन की राजनीति में जितना भी बारगेन करने की स्थिति है उसके सेचुरेशन प्वाइंट तक राजग के रणनीतिकार पहुंच जाएं. बारगेन को लेकर जो राजनीतिक गलियारों में चल रहा है वह यह है कि जदयू मुख्यमंत्री पद देकर विधानसभा अध्यक्ष, गृह विभाग, सामान्य प्रशासन और निगरानी चाहता है और शेष विभाग का अदला बदली भी. यानी जो विभाग अब तक जदयू देख रहा था वह भाजपा देखेगी और जो भाजपा देख रही थी वह जदयू. अब यह तो समय बताएगा कि कौन कितना बार्गेनिंग की ताकत रखता है. *(उपसंपादक दैनिक एक संदेश)*

हनुमान जयंती : अपने भीतर के हनुमान को जगाने का पर्व

(2 अप्रैल 2026 पर विशेष)

–ललित गर्ग

हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन के चरित्र-निर्माण, आत्मबल, संयम, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देने वाला महान दिवस है. यह दिन हमें मंदिरों में दीप जलाने से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का संदेश देता है. हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, वे शक्ति के सदुपयोग, ज्ञान की विनम्रता, भक्ति की पराकाष्ठा और सेवा की परंपरा के प्रतीक हैं. इसलिए हनुमान जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ है-अपने भीतर के हनुमान को जगाना. हनुमान जी को मंगलकर्ता और विघ्नहर्ता कहा गया है. लेकिन वे विघ्न केवल बाहरी नहीं हटाते, वे मनुष्य के भीतर के विघ्न-अहंकार, भय, आलस्य, क्रोध, लोभ, मोह, इन सबका भी नाश करते हैं. आज का मनुष्य बाहरी समस्याओं से कम और आंतरिक कमजोरियों से अधिक परेशान है. इसलिए आज हनुमान की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है. हनुमान शक्ति के प्रतीक हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया. उन्होंने अपनी शक्ति को सेवा में लगाया. आज का युग शक्ति प्रदर्शन का युग बन गया है-धन का प्रदर्शन, पद का प्रदर्शन, ज्ञान का प्रदर्शन, शक्ति का प्रदर्शन. लेकिन हनुमान हमें सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, उसका संरक्षण और सदुपयोग ही महानता है. सर्वशक्तिमान होकर भी उन्होंने स्वयं को राम का दास कहा. इससे बड़ी विनम्रता और क्या हो सकती है? हनुमान हमें यह भी सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का अहंकार नहीं होना चाहिए. ज्ञान यदि विनम्रता नहीं देता, तो वह अज्ञान है. शक्ति यदि सेवा में नहीं लगती, तो वह विनाश का कारण बनती है. इसलिए हनुमान शक्ति और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता और सेवा के भी प्रतीक हैं. हनुमान को ज्ञानियों में अग्रगण्य कहा गया है- ज्ञानिनामग्रगण्यम. वे केवल बलवान नहीं थे, वे महान विद्वान, व्याकरणाचार्य, तर्कशास्त्री, संगीतज्ञ और नीतिज्ञ भी थे. लेकिन इतनी विद्या होने पर भी उनमें अहंकार नहीं था. वे सरलता, सादगी और सेवा के प्रतीक बने रहे. आज शिक्षा बढ़ रही है, लेकिन विनम्रता घट रही है. डिग्रियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन चरित्र घट रहा है. ऐसे समय में हनुमान का चरित्र हमें ज्ञान के साथ विनम्रता का संतुलन सिखाता है. हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे. वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे. उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है. उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात् वायु से उत्पन्न होने वाला. इन्हें सात चिरंजीवियो में से एक माना जाता है. वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे. वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान. इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है. वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं. समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है. रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे. हनुमान के जीवन में तीन महान तत्व दिखाई देते हैं-ज्ञान, भक्ति और कर्म. ज्ञान उन्हें दिशा देता है, भक्ति उन्हें प्रेरणा देती है और कर्म उन्हें महान बनाता है. यदि किसी व्यक्ति के जीवन में ज्ञान है पर कर्म नहीं, तो वह अधूरा है. यदि कर्म है पर भक्ति नहीं, तो उसमें संवेदना नहीं होगी. यदि भक्ति है पर ज्ञान नहीं, तो वह अंधविश्वास बन सकती है. इन तीनों का समन्वय यदि किसी चरित्र में दिखाई देता है, तो वह हनुमान का चरित्र है. हनुमान का जीवन संयम का जीवन था. वे बलशाली थे, पर ब्रह्मचारी थे. वे विद्वान थे, पर विनम्र थे. वे वीर थे, पर शांत थे. वे शक्तिशाली थे, पर सेवक थे. यह संतुलन ही उन्हें महान बनाता है. आज मनुष्य के पास साधन हैं, पर संयम नहीं. ज्ञान है, पर दिशा नहीं. शक्ति है, पर सेवा नहीं. इसलिए समाज में अशांति बढ़ रही है. हनुमान का जीवन हमें संयम और संतुलन का संदेश देता है. हनुमान के बाल स्वरूप की कथा भी अत्यंत प्रेरणादायक है. बालक हनुमान ने सूर्य को फल समझकर पकड़ने का प्रयास किया. यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक महान संदेश है. यह बालकों की असीम जिज्ञासा, उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है. यह कथा समाज को संदेश देती है कि बच्चों की जिज्ञासा को दबाया नहीं जाना चाहिए, उसे सही दिशा देनी चाहिए. यदि बालकों को सही मार्गदर्शन मिले, तो उनमें से हर बालक हनुमान बन सकता है- ऊर्जावान, जिज्ञासु, साहसी और रचनात्मक. आज के माता-पिता और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में हनुमान जैसे गुण विकसित करें-साहस, जिज्ञासा, अनुशासन, सेवा, विनम्रता और भक्ति. यदि बचपन में ही यह संस्कार मिल जाएं, तो समाज का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है. हनुमान भक्ति का वास्तविक अर्थ भी समझना जरूरी है. हनुमान भक्ति केवल चालीसा पढ़ना नहीं है, बल्कि हनुमान के गुणों को जीवन में उतारना है. हनुमान भक्ति का अर्थ है- अहंकार छोड़ना, सेवा करना, सत्य का साथ देना, संयम रखना, कर्तव्य निभाना और अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना. जब तक भक्ति केवल मंदिर तक सीमित रहेगी, तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा. जब भक्ति जीवन बन जाती है, तब भगवान और भक्त अलग नहीं रहते. हनुमान की भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मपरिवर्तन की प्रक्रिया है. यह भक्ति व्यक्ति को भीतर से बदल देती है-अहंकार की जगह विनम्रता, क्रोध की जगह क्षमा, भय की जगह साहस और निराशा की जगह आशा भर देती है. आज समाज में सबसे बड़ी समस्या शक्ति की नहीं, चरित्र की है; ज्ञान की नहीं, दिशा की है; साधनों की नहीं, संयम की है. इसलिए आज समाज को हनुमान की जरूरत है- मंदिरों में नहीं, जीवन में; मूर्तियों में नहीं, व्यक्तित्व में. हर व्यक्ति के भीतर एक हनुमान सोया हुआ है- किसी में साहस का हनुमान, किसी में सेवा का हनुमान, किसी में ज्ञान का हनुमान, किसी में भक्ति का हनुमान. जरूरत केवल उसे जगाने की है. अपने भीतर के हनुमान को जगाने का अर्थ है- अपने भीतर के भय को हराना, अपने भीतर के अहंकार को मिटाना, अपने भीतर की शक्ति को सेवा में लगाना, अपने ज्ञान को समाज के काम में लगाना, अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना. यदि हनुमान जयंती पर हम केवल पूजा करें और जीवन न बदलें, तो यह पर्व अधूरा है. यदि हम अपने जीवन में साहस, सेवा, संयम, विनम्रता और भक्ति का एक भी गुण उतार लें, तो हनुमान जयंती सार्थक हो जाएगी. आज आवश्यकता मंदिरों में हनुमान खोजने की नहीं, अपने भीतर हनुमान जगाने की है. जब व्यक्ति के भीतर हनुमान जागेगा, तब उसका भय समाप्त होगा. जब समाज के भीतर हनुमान जागेगा, तब अन्याय समाप्त होगा. जब राष्ट्र के भीतर हनुमान जागेगा, तब कमजोरी समाप्त होगी. हनुमान जयंती हमें यही संदेश देती है कि महानता शक्ति में नहीं, शक्ति के सदुपयोग में है; ज्ञान में नहीं, ज्ञान की विनम्रता में है; भक्ति में नहीं, भक्ति के समर्पण में है. इस हनुमान जयंती पर हमें संकल्प लेना चाहिए- हम शक्ति का प्रदर्शन नहीं, संरक्षण करेंगे. हम ज्ञान का अहंकार नहीं, विनम्रता रखेंगे. हम भक्ति का प्रदर्शन नहीं, जीवन में समर्पण लाएंगे. हम अपने भीतर के हनुमान को जगाएंगे. यदि हर व्यक्ति अपने भीतर के हनुमान को जगा ले, तो परिवार सुधर जाएगा, समाज सुधर जाएगा, राष्ट्र सुधर जाएगा और मानवता का भविष्य उज्ज्वल हो जाएगा. यही हनुमान जयंती का वास्तविक संदेश है- अपने भीतर के हनुमान को जगाइए, जीवन को शक्ति, ज्ञान, भक्ति और सेवा का संगम बनाइए.

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

2 अप्रैल

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 2 अप्रैल है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह चन्द्रमा है. इस माह का अधिपति ग्रह मंगल है. आप मंगल एवं चन्द्रमा ग्रह से आजीवन प्रभावी रहेंगे. आपका स्वभाव मृदु व दयालु प्रवृत्ति का होगा. अतीन्द्रिय ज्ञान की आप में अद्भुत क्षमता होगी. आप सादगी भरा जीवन व्यतीत करना चाहेंगे. आप आकर्षक प्रतिभा के धनी होंगे. आपके जीवन में एकाग्रता का अभाव रहेगा. आप छोटी-सी ही असफलता से निराश हो जायेंगे. आपका मुख्य उद्देश्य लक्ष्य की प्राप्ति करना होगा. आपको जनसम्पर्क से लाभ प्राप्त होगा. आप किसी भी समस्या पर तुरन्त निर्णय नहीं ले पायेंगे. अत्यधिक उदारता आपके लिए नुकसान दायक रहेगी. आप यथार्थवादी होंगे. यथार्थवादी होते हुए भी हमेशा कल्पना लोक में खोये रहेंगे. आप में प्रदर्शन की भावना अधिक रहेगी. चन्द्रमा तत्व की प्रधानता के कारण आप में स्त्रीत्व गुण की अधिकता रहेगी. जीवन में कठिनाइयों की घड़ी में अपने अराध्य देव की पूजा एवं अर्चना बराबर करें. अपने दैनिक जीवन में सफेद रंग की वस्तुओं का अधिकतम प्रयोग करें. सफेद रंग की वस्तुओं का दान भी करें. गाय को घी लगा पराठा खिलावें. मुफ्त में किसी वस्तु की चाह न करें परोपकार करें. सुख-समृद्धि के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ सों सोमाय नम:	मास	:	अप्रैल, सितम्बर एवं नवम्बर
व्रत	:	सोमवार	वर्ष	:	2, 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65
दिन	:	सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	रंग	:	सफेद एवं क्रीम
दिनांक	:	2, 11, 20, 29	जन्मरत्न	:	मोती
अंक	:	1, 4, 7	उपरत्न	:	मून स्टोन

यंत्र

7	2	9
8	6	4
3	10	5

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 20 जून से 27 जुलाई

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : बुद्धि विवेक से संकल्प सिद्धि, प्रियजनों-मित्रों से विचार-विमर्श, राजनैतिक लाभ लेने हेतु प्रयत्नशील, व्यापारिक वातावरण मनोनुकूल, महत्वपूर्ण उपलब्धि.

वृषभ : भाग्योन्नति के नवीन आयाम सुलभ, आशा की पूर्ति, पारिवारिक वातावरण मनोनुकूल, नौकरी में पदोन्नति विषयक मसला हल होने को, नवसम्पर्क लाभदायी.

मिथुन: समय प्रतिकूल, धन का अभाव, योजना अधूरी, आपसी सम्बन्धों में तनाव, मानसिक उलझनों में वृद्धि, व्यावसायिक उन्नति में अड़चनें, यात्रा सुखद.

कर्क : दिनचर्या व्यवस्थित, आरोग्य सुख, जिम्मेदारियों को निभाने हेतु प्रयत्नशील, कठिनाइयों में कमी, मनोविनोद के सुअवसर प्राप्त, जनकल्याण की भावना जागृत.

सिंह : स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार, मनोभिलाषित योजनाओं में सफलता, बुद्धि चातुर्य से संकल्प सिद्धि, दूसरों के आश्वासनों से राहत, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ.

कन्या: ग्रहस्थिति भाग्य के पक्ष में, किसी योजना का श्रीगणेश, समस्या का संतोषजनक हल, शिक्षा व प्रतियोगिता में सफलता, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर.

तुला : कार्य-व्यवसाय में असफलता, जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अहितकर, शंका-कुशंका से मतभेद, मानसिक अशांति, आय की तुलना में व्यय की अधिकता.

वृश्चिक : साहसिक प्रयास प्रगति पर, इच्छित पद की प्राप्ति, किसी के माध्यम से महत्वपूर्ण उपलब्धि, आपसी सम्बन्ध मधुर, बकाए धन की प्राप्ति, सुसमाचार से खुशी.

धनु : कार्य-व्यवसाय में विस्तार, दूसरों के आश्वासनों से राहत, मानसिक शांति, उत्तरदायित्व की पूर्ति, संतानपक्ष का उत्कर्ष, अधीनस्थ सहयोगियों से सहयोग.

मकर : आर्थिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त, मित्रों-परिजनों से विचार-विमर्श, सामाजिक गति-विधियों की ओर अभिरुचि, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, बकाए धन की वसूली.

कुम्भ: सफलता में संदेह, लाभ में कमी, मित्रों से मनमुटाव, शत्रु सक्रिय, अकेलेपन की अनुभूति, आर्थिक हानि, आलस्य की अधिकता, आपके व्यवहार से दूसरों को कष्ट.

मीन: समय संतोषजनक, कार्य-व्यवसाय में विस्तार, राजनीतिक कृत्यों में अभिरुचि, विवाद के समापन में प्रियजन सहायक, जनकल्याण की भावना जागृत, यात्रा.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक :
लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

देश के भविष्य का ब्लूप्रिंट है जनगणना

– राजेश माहेश्वरी

आबादी के मामले में दुनिया के दूसरे सबसे बड़े देश में 1 अप्रैल 2026 से 'जनगणना 2027' के पहले चरण की शुरुआत हो गई है. यह भारत की 16वीं और आजादी के बाद की 8वीं जनगणना है. साल 1872 में पहली व्यापक जनगणना से शुरू होने वाली हर दस वर्षीय जनगणना का मकसद विकसित होते सामाजिक ताने बाने को समझना रहा है. सालों से जैसे-जैसे देश बदल रहा है, वैसे-वैसे जनगणना करने तरीके और दायरा भी बदल रहा है. जनगणना इसलिए कराई जाती है ताकि सरकार को यह पता चल सके कि देश में कितने लोग हैं, वे कहां रहते हैं, क्या काम करते हैं और किस भाषा में बात करते हैं. हालांकि जनगणना सिर्फ लोगों की गिनती नहीं होती, यह देश की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक तस्वीर दिखाती है. इससे सरकार को नीतियां बनाने, संसाधनों का वितरण और योजनाओं की दिशा तय करने में मदद मिलती है. भारत में सदियों पुराने ग्रंथ ऋग्वेद में भारत में 800-600 ईसा पूर्व में एक प्रकार की जनसंख्या गणना का उल्लेख मिलता है. इसके अलावा कौटिल्य के अर्थशास्त्र और मुगल काल में आइन-ए-अकबरी में भी जनगणना कराने के बारे में जिक्र किया गया है. आधुनिक काल में जनगणना का इतिहास 1800 से शुरू होता है जब इंग्लैंड ने अपनी जनगणना कराई थी. ब्रिटिश काल में भारत के अंदर जेम्स प्रिंसेप द्वारा इलाहाबाद (वर्ष 1824) और बनारस (वर्ष 1827-28) में जनगणना कराई थी. एक भारतीय शहर की पहली पूर्ण जनगणना वर्ष 1830 में हेनरी वाल्टर द्वारा ढाका (आज का बांग्लादेश) में करवाई थी. भारत में पहली बार आधिकारिक जनगणना सन 1872 में ब्रिटिश शासन के दौरान कराई गई थी. हालांकि यह जनगणना पूरे देश में एक साथ नहीं हुई थी, बल्कि अलग-अलग क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से कराई गई थी. 1881 में भारत में पहली बार संपूर्ण और व्यवस्थित जनगणना कराई गई, जिसे 'पहली आधुनिक जनगणना' माना जाता है. तब से हर 10 साल में जनगणना कराई जा रही है. भारत की जनगणना दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक जनगणना मानी जाती है. आजाद भारत की पहली जनगणना का कार्य 1951 में हुआ था. उस समय देश की आबादी महज 36 करोड़ थी, जबकि 2011 में हुई आखिरी जनगणना में देश की आबादी 1.21 अरब हो चुकी थी. भारत में प्रत्येक दस वर्ष के अंतराल पर नियमित जनगणना का कार्य किया जाता है. दशकीय (10 साल में होने वाली) जनगणना का संचालन गृह मंत्रालय के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त का कार्यालय की ओर से किया जाता है. साल 1951 तक प्रत्येक जनगणना के लिए तदर्थ आधार पर जनगणना संगठन की स्थापना की गई थी. भारत में जनगणना का काम संविधान के जनगणना अधिनियम, 1948 के प्रावधानों के तहत किया जाता है. इस कानून को बनाने का विधेयक भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की ओर से पेश किया गया था. भारत के संविधान के अनुच्छेद 246 के तहत जनगणना संघ का विषय है. यह संविधान की सातवीं अनुसूची के क्रमांक 69 में सूचीबद्ध है. जनगणना अधिनियम, 1948 में गोपनीयता की गारंटी भी दी जाती है. जनगणना के दौरान एकत्र की गई जानकारी इतनी गोपनीय होती है कि यह न्यायालयों के लिये भी सुलभ नहीं होती है. गोपनीयता के उल्लंघन पर दंड का भी प्रावधान है. साल 2011 में हुई जनगणना में 29 सवाल पूछ गए थे . इनमें सामान्य सवालों के अलावा मातृभाषा,अन्य भाषाओं की जानकारी, माइग्रेशन, रोजगार और पलायन से जुड़ी वजह से संबंधित सवाल किए गए थे. जनगणना 2021 को कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण स्थगित कर दिया गया था. हालांकि यह पहली डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें स्व-गणना का भी प्रावधान होगा. यह पहली बार है कि ऐसे परिवार और परिवारों में रहने वाले सदस्यों की जानकारी एकत्र की जाएगी, जिसका मुखिया कोई ट्रांसजेंडर हो. पहले केवल पुरुष और महिला के लिये एक कॉलम था. जनगणना के पहले चरण (मकान सूचीकरण और आवास) में कुल 33 सवाल पूछे जाएंगे. ये सवाल मकान की स्थिति, परिवार की सुख-सुविधाओं, पीने के पानी, शौचालय, बिजली, ईंधन और मुख्य रूप से खाए जाने वाले अनाज से संबंधित होंगे. इस बार की जनगणना कई मायनों में ऐतिहासिक साबित होने वाली है. यह पहली बार होगा जब जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से संपन्न की जाएगी, जिससे न केवल प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बनेगी, बल्कि आंकड़ों की गुणवत्ता भी बेहतर होगी. पारंपरिक कागज आधारित प्रणाली के स्थान पर अब मोबाइल एप, वेब पोर्टल और रियल-टाइम डेटा मॉनिटरिंग का उपयोग किया जाएगा. इससे जनगणना कर्मचारियों द्वारा एकत्रित जानकारी सीधे सर्वर पर पहुंचेगी, जिससे डेटा प्रोसेसिंग में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा. इस डिजिटल जनगणना की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसे दो चरणों में आयोजित किया जाएगा. इससे डेटा अधिक व्यवस्थित और विश्लेषण योग्य बनेगा. इस बार सरकार ने एक बहुत बड़ी सुविधा दी है. इस सुविधा का नाम है सेल्फ-इन्यूमरेशन. इसका सीधा सा मतलब यह है कि अब आपको जनगणना वाले बाबू के घर आने का इंतजार करने की जरूरत नहीं है. आप खुद ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं. यह पोर्टल हिंदी और अंग्रेजी समेत 16 भाषाओं में उपलब्ध है. जनगणना से जुड़ी जानकारी की सुरक्षा को लेकर भी सरकार ने खास इंतजाम किए हैं. डेटा को उसी स्तर की सुरक्षा दी जाएगी जो परमाणु ऊर्जा केंद्रों, नेशनल पावर ग्रिड या सैन्य नेटवर्क को दी जाती है. इसकी निगरानी नेशनल क्रिटिकल इंफॉर्मेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर के तहत होगी. सरकार ने जनगणना के आंकड़ों को अति संवेदनशील सूचना बुनियादी ढांचा यानी सीआईआई की श्रेणी में रखा है. इसका मतलब है कि डेटा पूरी तरह गोपनीय रहेगा और आरटीआई के दायरे से भी बाहर होगा. इसे किसी सरकारी योजना या अदालत में साक्ष्य के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा. साथ ही डेटा लीक करने पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी धाराओं के तहत कार्रवाई का प्रावधान भी रखा गया है. जनगणना का आधिकारिक आंकड़ा 1 मार्च 2027 की मध्यरात्रि के आधार पर तय माना जाएगा. इस पूरे अभियान को सही ढंग से चलाने के लिए सरकार ने करीब 11,718.24 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट रखा है. देशभर में लगभग 30 लाख कर्मचारियों और अधिकारियों को इस काम में लगाया गया है. खास बात यह है कि अब सारा डेटा मोबाइल ऐप के जरिए तुरंत सर्वर पर चला जाएगा, जिससे गलती होने की गुंजाइश कम होगी और जनगणना के नतीजे भी पहले के मुकाबले जल्दी आ पाएंगे. जनगणना का दूसरा सबसे बड़ा हिस्सा फरवरी 2027 में शुरू होगा, जिसमें लोगों की गिनती की जाएगी. उसी दौरान जाति आधारित गणना भी होगी. 1 मार्च 2027 की रात 12 बजे के वक्त को इस पूरी गिनती का मुख्य आधार माना जाएगा. इस डिजिटल बदलाव से न केवल काम आसान होगा, बल्कि आपका डेटा भी पहले से ज्यादा सुरक्षित रहेगा. निश्चित रूप से, जनगणना केवल जनसंख्या की गिनती नहीं है, बल्कि देश के भविष्य का ब्लूप्रिंट है. इससे सरकार को पता चलता है कि किन क्षेत्रों में स्कूल, अस्पताल और बुनियादी सुविधाओं की सबसे ज्यादा जरूरत है. इससे बजट और विकास कार्यों का पैसा सही जगह और सही लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलती है. शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य से जुड़ी नीतियां वास्तविक डेटा के आधार पर बनाई जा सकती हैं. पिछड़े और वंचित वर्गों की सटीक स्थिति जानकर उनके उत्थान के लिए विशेष कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं. अगर जनगणना के आंकड़ों का उपयोग ईमानदारी और कुशलता से किया जाए, तो यह जन-कल्याण का सबसे सशक्त माध्यम साबित हो सकती है. *(राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार)*

महुआ मोइत्रा के बयान पर शुभेंदु अधिकारी की कड़ी प्रतिक्रिया

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर तृणमूल कांग्रेस और उसकी सांसद महुआ मोइत्रा की कड़ी आलोचना की. अधिकारी ने अपने पोस्ट में आरोप लगाया कि तृणमूल की राजनीति अब नफरत फैलाने और समाज को बांटने के निम्नतम स्तर पर पहुंच गई है. उन्होंने कहा कि महुआ मोइत्रा ने न केवल गुजराती समाज का अपमान किया है, बल्कि भारत की आत्मा को भी आहत किया है. उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में गुजरात वासियों के योगदान पर सवाल उठाना केवल एक राज्य या समुदाय का अपमान नहीं, बल्कि महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल की विरासत पर सीधा प्रहार है. सरदार पटेल की भूमिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी दृढ़ता और

तृणमूल पर विभाजन की राजनीति का आरोप

दूरदृष्टि के बिना 562 रियासतों का एकीकरण संभव नहीं होता और अखंड भारत का निर्माण नहीं हो पाता. उन्होंने तृणमूल पर फूट डालो और राज करो की नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सिद्धांत में विश्वास करती है. उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बंगाली और गुजराती सहित सभी समुदायों के लोग एकजुट होकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़े थे और उनकी पहचान केवल 'भारतीय' थी. अधिकारी ने आरोप लगाया कि तृणमूल अपनी राजनीतिक जमीन खिसकने के कारण समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है. उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों ने बंगाल को भ्रष्टाचार और सिंडिकेट राज का केंद्र बना दिया है, उन्हें देशभक्ति पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है. अपने पोस्ट में उन्होंने भवानीपुर में रहने वाले गुजराती समुदाय से अपील की कि वे इस बयान को गंभीरता से लें. साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि बंगाली समाज हर भारतीय समुदाय-चाहे वह मारवाड़ी हो, बिहारी हो या पंजाबी-को अपना मानता है और इस तरह की टिप्पणियां इस भावना को बदल नहीं सकतीं.

तमाम राजनीतिक पार्टियों ने मुसलमानों का केवल वोट के लिए इस्तेमाल किया: ओवैसी

हुमायूं-ओवैसी ने किया संयुक्त घोषणा पत्र जारी

मुर्शिदाबाद/कोलकाताः 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख हुमायूं कबीर और एआईएमआईएम सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी ने संयुक्त रूप से अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया, जिसका शीर्षक है जनता का विकास, सभी के अधिकार. वहीं असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों ने मुसलमानों का केवल वोट के लिए इस्तेमाल किया, लेकिन उनके विकास के लिए ठोस काम नहीं किया. ओवैसी ने मुर्शिदाबाद जिले के नोवादा में हुमायूं कबीर के नेतृत्व वाले आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) उम्मीदवारों के समर्थन में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह दावा किया. उन्होंने कहा कि पिछले 50 वर्षों में मुस्लिम समुदाय ने कांग्रेस, वाम मोर्चा और तृणमूल कांग्रेस को वोट दिया, लेकिन उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ. ओवैसी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मुसलमानों को राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रतिनिधित्व दिलाने और उनके वास्तविक विकास के लिए हमने कबीर के साथ हाथ मिलाया है. हम मिलकर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी को झटका देंगे. उपरोक्त दोनों नोताओं ने यह घोषणापत्र मुर्शिदाबाद के नौदा स्थित दुबापाड़ा मैदान में आयोजित एक विशाल जनसभा में जारी किया गया. घोषणापत्र में राज्य के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर जोर दिया गया है, साथ ही क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने के लिए मुर्शिदाबाद जिले में एक समर्पित हवाई अड्डे के निर्माण का विशेष वादा किया गया है. तृणमूल के पूर्व नेता हुमायूं कबीर, जिन्होंने हाल ही में अलग होकर एजेयूपी का गठन किया है, ने स्थापित राजनीतिक व्यवस्था को चुनौती देने के लिए ओवैसी की एआईएमआईएम के साथ रणनीतिक गठबंधन किया है. इस गठबंधन ने पश्चिम बंगाल की 197 सीटों पर उम्मीदवार उतारकर अपनी व्यापकता का प्रदर्शन किया है. उनका चुनावी एजेंडा रोजगार सृजन, कृषि सुधार, नागरिक अधिकारों की रक्षा और कानून व्यवस्था जैसे व्यापक आर्थिक लक्ष्यों के साथ-साथ अल्पसंख्यक और सांस्कृतिक विकास पर भी विशेष ध्यान केंद्रित करता है. जनसभा को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों पर सीधा निशाना साधा. उन्होंने मौजूदा सरकार के तहत बंगाल में भाजपा के बढ़ते प्रभाव पर सवाल उठाया. उन्होंने जोर देकर कहा कि गठबंधन मुस्लिम अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए लड़ रहा है, लेकिन उसका संघर्ष किसी भी हिंदू नागरिक के खिलाफ नहीं है. ओवैसी ने दृढ़ निश्चय के साथ घोषणा की कि गठबंधन न तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने झुकेगा और न ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से डरेगा.

बंगाल की स्थिति चिंताजनक, हिंदुओं को निडर होकर मतदान करना होगा : मिलिंद परांडे

कोलकाताः विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय संगठन सचिव मिलिंद परांडे ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए हिंदू मतदाताओं से बिना किसी डर के अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की. एक संगठनात्मक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों के अपने दौरे के दौरान उन्होंने देखा कि देश के कई हिस्सों में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो रही है, लेकिन बंगाल की स्थिति चिंताजनक दिखाई देती है. उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश और म्यांमार से अवैध घुसपैठ बढ़ रही है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकती है. उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया. परांडे ने यह भी कहा कि सीमा सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों द्वारा जमीन की मांग की गई है और इस संबंध में शीघ्र कार्रवाई की जरूरत है. विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह कार्य भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग, उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय निष्पक्ष रूप से कार्य कर रहे हैं तथा इसके लिए उन्होंने संबंधित संस्थाओं का आभार भी जताया. बंगाली हिंदू समाज से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि मतदान लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है और लोगों को बिना भय के लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संस्कृति और देश के भविष्य के हित में जागरूक मतदान आवश्यक है.

प्रत्याशी चयन को लेकर पश्चिम बंगाल में कांग्रेस मुख्यालय में हिंसा, पार्टी कार्यकर्ता घायल

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर बुधवार को यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई, जिसमें कम से कम एक पार्टी कार्यकर्ता घायल हो गया. पुलिस ने यह जानकारी दी. यह सब तब शुरू हुआ जब नाराज पार्टी कार्यकर्ताओं ने 'बाहरी' उम्मीदवारों की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया, जो जल्द ही प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच झड़प में बदल गया. उनकी मुख्य शिकायत पूर्व प्रदेश पार्टी अध्यक्ष सोमेन मित्रा के बेटे रोहन मित्रा को बल्लीगंज विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाये जाने को लेकर थी. प्रदर्शनकारियों का दावा था कि जायद हुसैन को पहले इस सीट से टिकट का आश्वासन दिया गया था, लेकिन बाद में उन्हें टिकट नहीं दिया गया. उत्तेजित कार्यकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने विधानसभा चुनाव के लिए टिकट बेचे हैं. इस आरोप वाले पोस्टर पार्टी मुख्यालय में लगाए गए. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पुलिस के सामने ही तीखी बहस हाथापाई में तब्दील हो गई और कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए. इस झड़प के दौरान कथित तौर पर एक रॉड से हमला किए जाने पर एक कांग्रेस कार्यकर्ता के सिर में चोट आई. कुछ प्रदर्शनकारी सड़क पर धरने पर बैठ गये और उन्होंने नारे लगाते हुए हिंसा में शामिल लोगों की गिरफ्तारी की मांग की. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पार्टी कार्यकर्ताओं के एक वर्ग ने युवा कांग्रेस नेता काशिफ रजा पर अशांति फैलाने का आरोप लगाया है. उनका आरोप है कि रजा ने अपने समर्थकों को भेजा था जिन्होंने मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमला किया. झड़प के दौरान महिला पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ दुर्व्यवहार के आरोप भी लगे. बताया जाता है कि एक महिला कार्यकर्ता हाथापाई के दौरान बेहोश हो गई. पुलिस की मौजूदगी के बावजूद स्थिति तनावपूर्ण बनी रही और सुरक्षाकर्मियों के सामने झड़पें और बहसें जारी रहीं. कांग्रेस द्वारा रविवार को 284 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा किये जाने के बाद से कई जिलों में प्रत्याशी चयन को लेकर असंतोष सामने आया है. अमता, बागनान, श्यामपुर, उलुबेरिया दक्षिण और उलुबेरिया पूर्व जैसे निर्वाचन क्षेत्रों से विरोध प्रदर्शन की खबरें आ रही हैं. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक असित मित्रा ने भी उम्मीदवार चयन पर असंतोष व्यक्त किया. उन्होंने कहा, उम्मीदवार का चयन स्थानीय कार्यकर्ताओं को रास नहीं आया है. उनकी भावनाओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए था. उम्मीदवारों का चयन करते समय जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की अनदेखी करने से संगठन कमजोर होगा और चुनाव में पार्टी की संभावनाओं पर असर पड़ेगा. पूर्व बर्धमान जिले में, आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ की और इसी तरह की शिकायतों को लेकर जिला कांग्रेस कार्यालय के ताले तोड़ दिए. फलकाता में 'बाहरी' उम्मीदवारों को बदलने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में तोड़फोड़ की.

न्यायिक जांच के लंबित मामले घटकर 13 लाख, एसआईआर इस सप्ताह पूरी होने की संभावना

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से जुड़े तार्किक विसंगति श्रेणी के मामलों की न्यायिक जांच प्रक्रिया में तेजी आई है. अब तक 78 प्रतिशत से अधिक मामलों की जांच पूरी हो चुकी है, जबकि लगभग 13 लाख मामलों का निपटारा अभी बाकी है. बुधवार को अधिकारियों ने बताया कि 700 से अधिक न्यायिक अधिकारी इस प्रक्रिया में लगे हुए हैं, जिनमें झारखंड और ओडिशा से आए लगभग 100-100 अधिकारी भी शामिल हैं. मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के एक सूत्र के अनुसार, जिस गति से जांच चल रही है, उससे उम्मीद है कि शेष प्रक्रिया भी इसी सप्ताह पूरी कर ली जाएगी. सूत्रों ने बताया कि मंगलवार रात तक जिन 47 लाख मामलों की जांच पूरी हो चुकी है, उनमें से कितने नाम हटाए जाएंगे, इसकी सटीक संख्या अभी स्पष्ट नहीं की गई है. हालांकि प्रतिदिन जिन मामलों की जांच पूरी हो रही है, उनमें औसतन लगभग 40 प्रतिशत नाम हटाए जा रहे हैं. जिन मतदाताओं के नाम इस प्रक्रिया में हटाए जाएंगे, उन्हें इसके खिलाफ अपील करने का अधिकार होगा. इसके लिए 19 अपीलीय न्यायाधिकरण बनाए गए हैं, जहां प्रभावित मतदाता अपनी अपील दायर कर सकते हैं. उल्लेखनीय है कि न्यायिक जांच के लिए भेजे गए 60 लाख 675 मामलों को अलग रखते हुए राज्य की अंतिम मतदाता सूची 28 फरवरी को प्रकाशित की गई थी. सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर जांच की प्रगति के अनुसार पूरक मतदाता सूची समय-समय पर जारी की जानी है. इस बीच भारत निर्वाचन आयोग ने नदिया जिले के हंसखाली के प्रखंड विकास अधिकारी सायंतन भट्टाचार्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है. यह कार्रवाई चुनाव प्रशिक्षण केंद्र में हुई हिंसा की घटना के बाद की गई. बताया गया है कि चुनाव प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एक शिक्षक और निर्वाचन अधिकारी सैकत चटर्जी के साथ कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने मारपीट की. आरोप है कि प्रशिक्षण के दौरान एक राजनीतिक प्रचार वीडियो चलाए जाने का विरोध करने पर उनके साथ यह घटना हुई. निर्वाचन आयोग ने मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी.

तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी ने मोदी सरकार को लोगों को चूस लेने का लगाया आरोप

सीतलकुची/कोलकाताः वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को दावा किया कि जहां ममता बनर्जी सरकार लोगों को राहत प्रदान कर रहा है, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाला केंद्र उन्हें चूस रहा है. तृणमूल सांसद बनर्जी ने बांग्लादेश सीमा के पास सीतलकुची में चुनावी रैली को संबोधित करते आरोप लगाया कि सब्जियों और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने लोगों को गंभीर संकट में डाल दिया है. बनर्जी ने कहा, एक तरफ मोदी जनता को चूस रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ममता बनर्जी उन्हें राहत प्रदान कर रही हैं. पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण वैश्विक तेल मूल्यों में उछाल के अनुरूप, वाणिज्यिक एलपीजी की दरों में 195.50 रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई. तृणमूल नेता बनर्जी ने दावा किया कि केंद्र द्वारा विभिन्न केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए धनराशि जारी नहीं किये जाने के बावजूद, ममता बनर्जी सरकार आवास, रोजगार गारंटी कार्यक्रमों, सड़कों और जल आपूर्ति परियोजनाओं के लिए अपने संसाधनों का उपयोग कर रही है. उन्होंने कहा, मैंने सुना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच अप्रैल को कूच बिहार आएंगे. मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वह एक श्वेत पत्र जारी करें जिसमें यह बताया जाए कि क्या जिले से एक भी व्यक्ति को केंद्र की आवास योजना के तहत धनराशि प्राप्त हुई है. उन्होंने कहा कि अगर मोदी एक श्वेत पत्र जारी करते हैं जिसमें यह कहा गया हो कि उन्होंने 100 दिन की रोजगार गारंटी योजना के तहत किसी भी लाभार्थी को दस पैसे भी दिए हैं, तो वह राजनीतिक मैदान छोड़ देंगे. उन्होंने सीतलकुची के लोगों से भाजपा को वोट न देने का आह्वान करते हुए कहा कि 2021 में मतदान के दिन केंद्रीय बलों की गोलीबारी में कई लोग मारे गए थे. खबरों के मुताबिक, कुछ प्रदर्शनकारियों को शांत करने के बार-बार प्रयास विफल होने के बाद सीआईएसएफ कर्मियों ने गोलीबारी का सहारा लिया था.

चुनाव आयोग कार्यालय के सामने दूसरे दिन भी तनातनी

मध्य कोलकाता में यातायात घंटों तक बाधित, धारा 163 लागू

कोलकाताः महानगर कोलकाता में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के बाहर आज दोपहर एक बार फिर तनावपूर्ण स्थिति देखने को मिली. एसयूसीआई के कार्यकर्ता और समर्थकों ने सीईओ दफ्तर के सामने विरोध प्रदर्शन किया. इसी दौरान जब सीईओ मनोज अग्रवाल कार्यालय में प्रवेश कर रहे थे, तब वहां मौजूद तृणमूल समर्थक बीएलओ कर्मियों ने उनके खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी. इस घटनाक्रम के चलते स्ट्रैंड रोड पर भारी जाम लग गया और यातायात पूरी तरह ठप होकर एक घंटे तक बाधित रहा. बाबूघाट से हावड़ा जाने वाली बसें रास्ते में ही रुक गईं, जिससे कई यात्रियों को पैदल ही अपने गंतव्य तक जाना पड़ा. दरअसल, मंगलवार दोपहर को भी स्थिति अचानक बिगड़ गई थी. तृणमूल समर्थक कुछ बीएलओ कर्मी नए सीईओ कार्यालय के सामने इकट्ठा हुए थे. उनका आरोप था कि कुछ लोग बैग भरकर फॉर्म-6 (जिसके जरिए मतदाता सूची में नया नाम जोड़ा जाता है) जमा करने आए हैं. इसी मुद्दे को लेकर उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. इसी बीच वहां भाजपा कार्यकर्ता भी पहुंच गए, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी नारेबाजी शुरू हो गई. स्थिति को नियंत्रित करने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी. दोनों पक्षों के बीच बैरिकेडिंग की गई और केंद्रीय बलों की भी मदद ली गई. समय बीतने के साथ तनाव बढ़ता गया और देर रात तक इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बनी रही. हालांकि बुधवार सुबह हालात कुछ सामान्य दिखे, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ा, तृणमूल समर्थक बीएलओ और एसयूसीआई कार्यकर्ता फिर से जुटने लगे और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया. उक्त हालात के कारण स्ट्रैंड रोड पर धारा 163 लागू कर दी गई है.

भाजपा उम्मीदवारों ने विभिन्न जिलों में दाखिल किया नामांकन

कोलकाताः आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों ने बुधवार को राज्य के विभिन्न जिलों में संबंधित एसडीओ और डीएम कार्यालयों में वरिष्ठ पार्टी नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक भी मौजूद रहे. अलीपुरद्वार एसडीओ कार्यालय में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुकांत मजूमदार की उपस्थिति में कई उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया. इनमें तुफानगंज विधानसभा क्षेत्र से मालती रावा राय, कुमारग्राम से मनोज कुमार उरांव, कालचीनी से बिशाल लामा, अलीपुरद्वार से परितोष दास, फालाकाटा से दीपक बर्मन और मदारीहाट से लक्ष्मण लिम्बू शामिल हैं. जलपाईगुड़ी डीएम कार्यालय में जलपाईगुड़ी सीट से आनंद देव अधिकारी, राजगंज से दिनेश सरकार तथा डाबग्राम-फुलबाड़ी से शिखा चटर्जी ने अपना नामांकन दाखिल किया. चांचल एसडीओ कार्यालय में चांचल विधानसभा क्षेत्र से रतन दास ने नामांकन पत्र जमा किया, जबकि लालबाग एसडीओ कार्यालय में लालगोला से अनार कुमार दास और मुर्शिदाबाद से गौरी शंकर घोष ने नामांकन दाखिल किया. कांदी एसडीओ कार्यालय में बुरवान से सुखेन कुमार बागड़ी, कांदी से गौरी दास घोष और भरतपुर से अनामिका घोष ने नामांकन पत्र दाखिल किया. वहीं बहरमपुर डीएम कार्यालय में हरिहरपाड़ा से तन्मय विश्वास ने नामांकन किया. तमलुक एसडीओ कार्यालय में पांसकुड़ा पूर्व विधानसभा क्षेत्र से सुव्रत माइती ने नामांकन पत्र जमा किया. इसी क्रम में पुरुलिया एसडीओ कार्यालय में सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो की उपस्थिति में बंदवान से लबसेन बास्के, बलरामपुर से जादव महतो और पुरुलिया से सुदीप कुमार मुखर्जी ने नामांकन दाखिल किया. मानबाजार एसडीओ कार्यालय में मानबाजार सीट से मोयना मुर्मू ने नामांकन किया. दुर्गापुर एसडीओ कार्यालय में पांडवेश्वर से जितेंद्र तिवारी ने अपना नामांकन दाखिल किया. वहीं आसनसोल एसडीओ कार्यालय में भाजपा नेता शमिक भट्टाचार्य की मौजूदगी में जामुड़िया से डॉ. बिजन मुखर्जी, आसनसोल दक्षिण से अग्निमित्रा पाल, कुल्टी से डॉ. अजय कुमार पोद्दार और बाराबनी से अरिजीत राय ने नामांकन पत्र जमा किया. नामांकन दाखिल करने के दौरान बड़ी संख्या में वरिष्ठ पार्टी नेता, जिला नेतृत्व और कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

पश्चिम बंगाल में 'सांस्कृतिक आपातकाल', मुझे प्रस्तुति की अनुमति नहीं दी गई: हेमा मालिनी

नई दिल्ली/कोलकाताः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद और फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी ने पश्चिम बंगाल में 'सांस्कृतिक आपातकाल' लागू होने का आरोप लगाते हुए बुधवार को दावा किया कि राज्य में उनकी पहले से निर्धारित नृत्य प्रस्तुति को राज्य सरकार ने बहाने बनाकर आयोजित नहीं होने दिया. शास्त्रीय नृत्यांगना हेमा मालिनी ने लोकसभा में शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा, मुझे अपनी नृत्य नाटिकाओं से संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहरों को समाज के कोने-कोने तक पहुंचाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, जिसे सभी ने राजनीति से उठकर सराहा है. उन्होंने कहा, लेकिन देश की सांस्कृतिक दूत होने के नाते आज मैं बहुत दुखी, असहाय महसूस कर रही हूं और नाराज भी हूं कि पश्चिम बंगाल जिसे कला और संस्कृति की राजधानी कहा जाता था, वहां आज राजनीतिक नियंत्रण की छाया है. ऐसा वह सरकार कर रही है जिसे जनता ने अपनी कला, साहित्य और संस्कृति को बचाने के लिए चुना था. उन्होंने आरोप लगाया कि गत 15 मार्च को कोलकाता में उनकी एक नृत्य प्रस्तुति 'द्रौपदी बैले' को आयोजन से दस दिन पहले निरस्त कर दिया गया और उसके लिए कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया, बल्कि तरह-तरह के बहाने बनाए गए. हेमा मालिनी ने कहा कि जब दूसरे सभागार में कार्यक्रम का प्रयास किया गया तो यह कहकर अनुमति नहीं दी गई कि वहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी कार्यक्रम है, लेकिन जब पता किया तो प्रधानमंत्री का कार्यक्रम स्थल कहीं और था. भाजपा सांसद ने कहा, पिछले आठ-नौ साल से मेरे साथ ऐसा हो रहा है. जब भी कोलकाता में मेरा कार्यक्रम होता है तो कोई बहाना बनाकर रोक दिया जाता है. कहा जाता है कि बहुत भीड़ आएगी और सुरक्षा व्यवस्था नहीं की जा सकती. हम वहां सुरक्षा के बिना प्रस्तुति दे भी नहीं सकते, ऐसा हाल है. उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार को लगता है कि मैं भाजपा की सांसद हूं तो हमारे कार्यक्रम का भी राजनीतिक मकसद होगा. यह सोचकर कभी आने नहीं दिया आज तक. इस बार भी ऐसा ही किया गया. मेरा कार्यक्रम बिल्कुल राजनीतिक नहीं, बल्कि पूरी तरह आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश वाला था. हेमा मालिनी ने कहा कि एक सांसद होने के नाते उन्हें सुरक्षा मिलने का अधिकार है और इस बात का अनुमान लगाया जा सकता है कि जब पांच बार की सांसद को इस तरह की परिस्थिति का सामना करना पड़ता है तो राजनीतिक दलों से जुड़े अन्य कलाकारों के साथ क्या होता होगा. उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि बंगाल में राजनीतिक आपातकाल लगा है. केंद्र और उत्तर प्रदेश की सरकार कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठा रही हैं, वहीं बंगाल सरकार कलाकारों को दबा रही है. भाजपा सांसद ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार को राजनीति को संस्कृति के साथ नहीं जोड़ना चाहिए.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

पूर्व रेलवे
बिड संख्याः जीईएम/2026/बी/7398053, दिनांकः 30.03.2026, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/बीजीबी, कैरिज एवं वैगन वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा-711204 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए बोली आमंत्रित की जाती है: **वस्तु श्रेणीः** पूर्व-स्वामित्व वाले उत्पादों के लिए अनुकूलित एएमसी/सीएमसी - कैरिज एवं वैगन वर्कशॉप, लिलुआ में रेलनेट इंटरनेट नेटवर्क का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध; जैसा कि उत्पाद उपकरण के विवरण में उल्लेख किया गया है; व्यापक रखरखाव अनुबंध (सीएमसी); जैसा कि कार्य के दायरे में उल्लेख किया गया है; हाँ... **अनुमानित बिड मूल्य** : रु.15,11,042.4, **ईएमडी विवरणः एडवाइजरी बैंकः** स्टेट बैंक ऑफ इंडिया। **ईएमडी राशि :** रु.30,220/-, **अनुबंध अवधिः** 2 वर्ष 1 दिन। **बिड पेशकश वैधता (बंद होने की तारीख से) :** 90 दिन। **बिड बंद होने की तारीख/समयः** दिनांक 20.04.2026 को 17.00 बजे। **बिड खुलने की तारीख/समयः** दिनांक 20.04.2026 को 17.30 बजे। **बिडर का न्यूनतम औसत वार्षिक टर्नओवर (3 वर्षों का):** रु.8 लाख। **उन्हीं/समान सेवाओं के लिए अपेक्षित विगत अनुभव के वर्ष :** 1 वर्ष। **इसी तरह की सेवाओं का पिछला आवश्यक अनुभव है :** हाँ। **एमएसएमई के लिए अनुभव के वर्षों और टर्नओवर से छूट प्रदान की गई हैः** नहीं। **स्टार्टअप के लिए अनुभव के वर्षों और टर्नओवर से छूट प्रदान की गई है :** नहीं। **विक्रेता से मांगे गए दस्तावेज़ :** अनुभव मापदंड, बिडर टर्नओवर, प्रमाणपत्र (एटीसी में अनुरोध किया गया), *यदि कोई बिडर अनुभव/टर्नओवर के मानदंड से छूट चाहता है, तो ऐसी छूट के लिए उनकी पात्रता को प्रमाणित करने वाले समर्थित दस्तावेज क्रेता द्वारा अवश्य ही मूल्यांकन के लिए अपलोड किए जाएं। **क्या आप निविदाकारों द्वारा अपलोड किए गए दस्तावेज़ों को निविदा में भाग लेने वाले सभी निविदाकारों को दिखाना चाहते हैं?:** हाँ (निविदा/बोली प्रक्रिया के दौरान स्पष्टीकरण/प्रतिनिधित्व के अंश के तौर पर जमा किए गए दस्तावेज़ लॉगिन के बाद भाग लेने वाले अन्य निविदाकारों को भी प्रदर्शित किए जाएंगे)। **बिड से रिवर्स नीलामी सक्रिय किया:** नहीं। **बिड का प्रकार :** एकल पैकेट बिड। **तकनीकी मूल्यांकन के दौरान तकनीकी स्पष्टीकरण हेतु अनुमत समय :** 2 दिन। **मूल्यांकन पद्धति :** कुल मूल्यवार मूल्यांकन। **मध्यस्थता खंड :** नहीं। **सुलह खंड :** नहीं। **ईपीबीजी विवरण :** एडवाइजरी बैंक : स्टेट बैंक ऑफ इंडिया। **ईपीबीजी प्रतिशत (%) :** 5.00, **ईपीजी की आवश्यक अवधि (माह):** 26
MISC-01/2026-27
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

न्यूज़ीलैंड ने महिला वनडे में रचा इतिहास, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे बड़ा लक्ष्य किया हासिल

अमेलिया केर ने ठोके 179 रन, टीम इंडिया का वर्ल्ड रिकॉर्ड ध्वस्त

वेलिंग्टन: अमेलिया केर की कप्तानी में न्यूजीलैंड महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है. तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. पहले बैटिंग करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने निर्धारित 50 ओवर के खेल में 6 विकेट के नुकसान पर 346 रन बनाए. इसके जवाब में 2 गेंद बाकी रहते हुए न्यूजीलैंड महिला टीम ने लक्ष्य हासिल किया और दो विकेट से ये मैच अपने नाम भी. इस मैच में मिली जीत के साथ ही न्यूजीलैंड महिला टीम ने इतिहास रच दिया. ये महिला क्रिकेट टीम के वनडे इतिहास की सबसे सफल रन चेज का रिकॉर्ड बन गया है, जो न्यूजीलैंड ने अपने नाम किया. इस दौरान भारतीय महिला टीम का रिकॉर्ड धवस्त हो गया है. दरअसल, पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीका महिला टीम की ओर से कप्तान लॉरा वोलवार्ड्ट ने 74 गेंद पर 8 चौके और 1 छक्के की मदद से 69 रन बनाए. उनके अलावा ऐनी बॉश ने 90 गेंद पर 91 रन की पारी खेली. सूने लूस ने 40 रन, जबकि विकेटकीपर सिनालो जाफ्टा ने 37 रन और क्लो ट्राईऑन ने 52 रन की नाबाद पारी खेली. इन पारियों के दम पर न्यूजीलैंड को जीत के लिए 347 रन का लक्ष्य मिला. कीवी टीम की ओर से ब्रियरने इलिंग ने 3 विकेट, जबकि केले नाइट ने दो विकेट लिए. एक विकेट जेस केर के नाम भी रहा. इसके जवाब में न्यूजीलैंड की महिला टीम की ओर से कप्तान अमेलिया केर ने 139 गेंद पर 23 चौके और 1 छक्का लगाया और 179 रन की नाबाद पारी खेली. उनकी पारी के दम पर टीम को 8 विकेट के नुकसान पर 350 रन का स्कोर खड़ा करने में मदद मिली. कीवी टीम ने दो गेंद बाकी रहते हुए ये लक्ष्य हासिल किया. इस जीत के बाद न्यूजीलैंड ने वनडे इतिहास के सबसे सफल रन चेज में से एक को अंजाम दिया. इस दौरान उन्होंने भारतीय महिला टीम के रिकॉर्ड को उन्होंने धराशायी किया. इससे पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में पिछले साल अक्तूबर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला विश्व कप के सेमीफाइनल मैच में 339 रन चेज किए थे. वहीं, इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज को 1-1 की बराबरी पर पहुंचा दिया है. अब 4 अप्रैल को तीसरा और आखिरी वनडे मैच खेला जाना है, जो कि दोनों टीमों के लिए करो या मरो मैच रहेगा. अगर मैच की बात करें तो न्यूजीलैंड की पारी के आखिरी ओवर में टीम को जीत के लिए 11 रन की दरकार थी. अमेलिया कैर, जिन्हें हाल ही में आईसीसी महिला टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में नंबर-1 ऑलराउंडर का टैग मिला था, उन्होंने नदीन डी क्लर्क की धुनाई करते हुए 3 चौके लगाए और टीम को ये जीत दिलाई. नंबर-3 पर बैटिंग करते हुए अमेलिया ने 90 गेंद पर अपने करियर का पांचवां शतक जड़ा और अंत तक वह नाबाद रहीं.

अंडर-20 एशियाई कप फुटबॉल में जापान के खिलाफ अभियान शुरू करेगा भारत

पाथुम थानी (थाईलैंड): भारतीय अंडर-20 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम बृहस्पतिवार को एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप थाईलैंड 2026 में अपना अभियान जापान की मजबूत टीम के खिलाफ शुरू करेगी और इस टूर्नामेंट में खेलने के 20 साल के इंतजार को खत्म करेगी. भारत के लिए यह एक मैच से कहीं अधिक है क्योंकि टीम ने दो दशक में पहली बार इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है. मुख्य कोच जोकिम एलेक्जेंडरसन ने शुरुआती मैच से पहले वास्तविकता और महत्वाकांक्षा दोनों पर जोर दिया. स्वीडन के कोच एलेक्जेंडरसन ने कहा, ''हमें अच्छी तरह पता है कि भारतीय टीम के साथ हम अभी इस माहौल में नए हैं. हम जानते हैं कि हमारा सामना मजबूत विरोधियों से है और हम उनका सम्मान करते हैं.'' उन्होंने कहा, ''लेकिन साथ ही हमारी सोच यह है कि हम इस ग्रुप से आगे बढ़ें और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करें. यह पूरे देश के लिए बहुत शानदार होगा.'' इस टूर्नामेंट के लिए भारत की तैयारी बहुत विस्तृत और व्यवस्थित तरीके से हुई है. कजाखस्तान में खेले गए मैत्री मुकाबलों से लेकर स्वीडन में एक महीने तक चले ट्रेनिंग शिवर तक पूरा ध्यान एक ऐसी टीम बनाने पर रहा है जो बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो. कोच ने कहा, ''हम पिछले तीन महीने से लगातार एक साथ हैं.'' एलेक्जेंडरसन ने कहा, ''हमने कजाखस्तान में कुछ मैत्री मैच खेले. हम एक महीने के शिविर के लिए स्वीडन भी गए और हमने उज्बेकिस्तान की टीम को भी भारत में आमंत्रित किया था.'' उन्होंने कहा, ''तो हमारी तैयारी काफी अच्छी रही है. मुझे लगता है कि हम इस टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. म्यांमार में हुए क्वालीफायर मुकाबलों के बाद से हमने बहुत ही एकाग्र होकर काम किया है. हमने तकनीकी, रणनीतिक और मानसिक हर तरह से एक टीम के तौर पर काफी सुधार किया है. हमें पूरा भरोसा है कि हमारी तैयारी ने हमें सबसे अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया है.'' प्रतियोगिता के पहले मैच में भारत के सामने दुनिया की सबसे मजबूत टीम में से एक की चुनौती है. अंडर-20 एशियाई कप की रिकॉर्ड छह बार की चैंपियन जापान की टीम इस बार भी प्रबल दावेदार के तौर पर आई है और 2018 में विश्व चैंपियन भी बनी थी. मुख्य कोच अकीरा इजिरी ने अपनी टीम के इरादे साफ किए. उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य साफ है. हम ग्रुप चरण से आगे बढ़कर विश्व कप जीतना चाहते हैं. इस लक्ष्य को पाने के लिए हम अपनी पूरी जान लगा देंगे.'' जापान, ऑस्ट्रेलिया (पांच अप्रैल) और चीनी ताइपे (आठ अप्रैल) के साथ कड़े ग्रुप सी में होने की वजह से भारत का नॉकआउट चरण में जगह बनाना मुश्किल लग रहा है. तीनों ग्रुप में से शीर्ष दो टीम और तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी. इस टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीम फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप पोलैंड 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगी. यह मैच थम्मासैट स्टेडियम में शाम 6.30 बजे (भारतीय समयानुसार) से खेला जाएगा.

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ केकेआर के स्पिनरों को दिखाना होगा दम

मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा

कोलकाता: अपने पहले मैच में हार का सामना करने वाली कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के गुरुवार को यहां होने वाले मैच में अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेंगी. इन दोनों टीम की बल्लेबाजी काफी मजबूत है और ऐसे में गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन निर्णायक साबित हो सकता है. केकेआर की टीम अपने स्पिनरों की फॉर्म में वापसी को लेकर उत्सुक होगा जबकि सनराइजर्स को भी अपने गेंदबाजी विभाग में काफी सुधार करना होगा. यह मुकाबला तीन बार के चैंपियन केकेआर के लिए घरेलू मैदान पर होने वाले महत्वपूर्ण दौर की शुरुआत भी है, जिसे आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए यहां सात दिन में तीन मैच और फिर 19 अप्रैल को एक और मैच खेलना है. विधानसभा चुनाव के कारण कोलकाता में लगभग एक महीने तक कोई मैच नहीं खेला जाएगा. केकेआर को इसके बाद चार मैच दूसरी टीमों के घरेलू मैदान पर खेलने हैं. उसका अपने घरेलू मैदान पर अगला मैच 16 मई को होगा और ऐसे में उसकी टीम इस चरण में लय हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी. ईडन गार्डन्स केकेआर का गढ़ रहा है, जिसने 2008 से यहां खेले गए 95 मैचों में से 54 मैच जीते हैं. कुछ प्रमुख गेंदबाजों के चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने से केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है. हर्षित राणा और आकाश दीप बाहर हो चुके हैं जबकि मथीशा पथिराना को अभी श्रीलंका क्रिकेट से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिलना बाकी है. इसके अलावा 25.20 करोड़ रुपये में खरीदे गए कैमरन ग्रीन फिलहाल केवल बल्लेबाज के रूप में उपलब्ध हैं. केकेआर के गेंदबाजी आक्रमण की कमजोरी मुंबई इंडियंस के खिलाफ पहले मैच में स्पष्ट तौर पर नजर आई जहां उसकी टीम 220 रन का बचाव नहीं कर सकी थी. रोहित शर्मा और रयान रिकेल्टन ने केवल 72 गेंद पर 148 रन की साझेदारी की. इस मैच में केकेआर के मुख्य स्पिनरों सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती को संघर्ष करना पड़ा था जो उनकी टीम के लिए चिंता का विषय होगा. ग्रीन ने पहले मैच में 10 गेंद पर 18 रन बनाए. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजी प्रबंधन के निर्देशों के कारण उन्होंने गेंदबाजी नहीं की. ग्रीन के गेंदबाजी नहीं करने के कारण केकेआर उनकी जगह पर वेस्टइंडीज के रोवमैन पॉवेल को अंतिम एकादश में शामिल करने के बारे में सोच सकता है. पॉवेल ने टी20 विश्व कप में 147.52 के स्ट्राइक रेट से 149 रन बनाए. उन्होंने भारत के खिलाफ इसी मैदान पर सुपर आठ के मैच में 19 गेंदों पर नाबाद 34 रन बनाए थे. केकेआर इस मैच के लिए टर्निंग विकेट तैयार करने के बारे में सोच रहा है लेकिन तब भी 200 का स्कोर औसत माना जाएगा. केकेआर का कप्तान अजिंक्य रहाणे की अच्छी शुरुआत से हौसला बढ़ा होगा लेकिन उनका बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाना चिंता का विषय होगा. मुंबई इंडियंस के खिलाफ रहाणे ने पावर प्ले में 18 गेंदों में 36 रन बनाए, लेकिन उसके बाद अगली 22 गेंदों में केवल 31 रन ही बना सके. ऐसा पहली बार नहीं हुआ है क्योंकि 2023 से ही रहाणे पावर प्ले में अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं लेकिन इसके बाद उनका स्ट्राइक रेट तेजी से गिर जाता है. सनराइजर्स भी इसी तरह की स्थिति में हैं, क्योंकि उसने अपने अभियान की शुरुआत मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार के साथ की थी. सनराइजर्स के शीर्ष क्रम में अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और ट्रैविस हेड जैसे धाकड़ बल्लेबाज शामिल हैं. लेकिन नियमित कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में उसका गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नजर आता है. उसके गेंदबाज आरसीबी के खिलाफ 201 रन का बचाव नहीं कर पाए थे. कमिंस ने नेट में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है और वह कुछ सप्ताह बाद टीम से जुड़ सकते हैं. उनकी अनुपस्थिति में नीतीश कुमार रेड्डी, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल और ईशान मलिंगा को अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभानी होगी.

टीम इस प्रकार है: (कोलकाता नाइट राइडर्स) : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह (उप-कप्तान), फिन एलन, तेजस्वी दहिया, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, सार्थक रंजन, टिम सीफर्ट, राहुल त्रिपाठी, दक्ष कामरा, कैमरन ग्रीन, सुनील नारायण, रचिन रवींद्र, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, ब्लेसिंग मुजाराबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी और उमरान मलिक. **(सनराइजर्स हैदराबाद) :** ईशान किशन (कप्तान), ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, अनिकेत वर्मा, आर. स्मरण, हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, कामिंदु मेंडिस, हर्षल पटेल, ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा, जीशान अंसारी, लियाम लिविंगस्टोन, शिवम मावी, सलिल अरोड़ा, शिवांग कुमार, ओंकार टारमाले, क्रेन्स फुलेट्रा, प्रफुल्ल हिंगे, अमित कुमार, साकिब हुसैन, जैक एडवर्ड्स और पैट कमिंस.

डीपी वर्ल्ड इंडिया चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने को विश्व के शीर्ष गोल्फर मैकइलरॉय तैयार

दिल्ली गोल्फ क्लब में 15 से 18 अक्टूबर तक होगी यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता

नयी दिल्ली: विश्व के शीर्ष गोल्फ खिलाड़ियों में शामिल रोरी मैकइलरॉय एक बार फिर डीपी वर्ल्ड इंडिया चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं. यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 15 से 18 अक्टूबर तक दिल्ली गोल्फ क्लब में आयोजित की जाएगी. आयोजकों ने दर्शकों के लिए टिकट पंजीकरण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है. दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी और करियर ग्रैंड स्लैम विजेता मैकइलरॉय ने पिछले सत्र में भारत में अपने पहले प्रदर्शन से दर्शकों को काफी प्रभावित किया था. अब वे 40 लाख अमेरिकी डॉलर की इस बहुप्रतीक्षित प्रतियोगिता में लगातार दूसरी बार भाग लेंगे. मैकइलरॉय ने पिछले वर्ष ऑगस्टा नेशनल गोल्फ क्लब में यादगार जीत के साथ करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था. इससे पहले वे 2011 के यूएस ओपन, 2012 और 2014 की पीजीए चैम्पियनशिप और 2014 के द ओपन में जीत दर्ज कर चुके हैं. उत्तरी आयरलैंड के इस स्टार खिलाड़ी का 2025 सत्र भी शानदार रहा, जिसमें उन्होंने आयरिश ओपन का खिताब दोबारा जीता और पीजीए टूर पर दो और जीत हासिल की. इसके अलावा उन्होंने यूरोप को राइडर कप में 2012 के बाद पहली बार विदेशी धरती पर जीत दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई. उन्होंने सातवीं बार रेस टू दुबई का खिताब भी अपने नाम किया. इस प्रतियोगिता में मैकइलरॉय के साथ दुनिया के अन्य शीर्ष खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे. 2025 के विजेता टॉमी फ्लीटवुड भी दिल्ली में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे. डीपी वर्ल्ड और डीपी वर्ल्ड टूर ने इस प्रतियोगिता की शुरुआत 2025 में की थी. यह टूर्नामेंट प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया जाता है और भारत में आयोजित डीपी वर्ल्ड टूर के किसी भी आयोजन का अब तक का सबसे बड़ा पुरस्कार धनराशि प्रदान करता है. मैकइलरॉय ने कहा कि उन्हें वैश्विक स्तर पर खेलने में हमेशा आनंद आता है और भारत में पिछले अनुभव को वे यादगार मानते हैं. उन्होंने भारतीय दर्शकों की सराहना करते हुए अक्टूबर में फिर से दिल्ली लौटने पर खुशी जताई. यह प्रतियोगिता भारत में गोल्फ के बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है और देश को वैश्विक खेल मानचित्र पर और मजबूत बनाती है. टूर्नामेंट रेस टू दुबई के अंतिम चरण का अहम हिस्सा होगा, जिसका समापन नवंबर में दुबई में होगा.

तीन टी20 मैच की श्रृंखला के लिए जिम्बाब्वे का दौरा करेगा भारत

मुंबई: विश्व चैंपियन भारत इस साल जुलाई में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलने के लिए जिम्बाब्वे का दौरा करेगा. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को एक बयान में बताया कि भारतीय पुरुष टीम 23, 25 और 26 जुलाई को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे की टीम के खिलाफ तीन मैच खेलेगी. यह भारत और जिम्बाब्वे के बीच 2026-27 सत्र के लिए निर्धारित की गई दो द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में से पहली श्रृंखला होगी. जिम्बाब्वे अगले साल के शुरू में तीन वनडे मैच की श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगा. यह मैच तीन, छह और नौ जनवरी को क्रमशः कोलकाता, हैदराबाद और मुंबई में खेले जाएंगे. भारत ने पिछले महीने अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप जीता था. इससे पहले भारत 2024 और 2007 में भी टी20 विश्व कप जीत चुका है.

वेदरल्ड और डॉगेट को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का अनुबंध, मैक्सवेल और कॉन्स्टास बाहर

मेलबर्न: क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बुधवार को सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड और तेज गेंदबाज ब्रेंडन डॉगेट को पहली बार केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया लेकिन ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और सलामी बल्लेबाज सैम कॉन्स्टास को 2026-2027 के सत्र के लिए इस सूची से बाहर कर दिया गया. वेदरल्ड और डॉगेट ने एशेज के दौरान टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था. इन दोनों खिलाड़ियों को उनके अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है जबकि तेज गेंदबाज माइकल नेसर ने श्रृंखला में उपयोगी योगदान के कारण सूची में अपनी जगह बरकरार रखी है. अगले साल की शुरुआत में भारत में होने वाले पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला को देखते हुए ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी को भी अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है. नाथन लियोन की चोट के कारण एशेज के दौरान मर्फी को टेस्ट टीम में शामिल किया गया था, लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला. चयनकर्ताओं ने अनुबंध सूची में 21 खिलाड़ियों के नाम शामिल किए हैं, जो उपलब्ध 24 स्थानों से तीन कम हैं. पिछले साल 23 खिलाड़ियों को इस सूची में जगह मिली थी. युवा सलामी बल्लेबाज सैम कॉन्स्टास और मैक्सवेल के अलावा बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ, तेज गेंदबाज झाई रिचर्डसन, लांस मॉरिस और मैथ्यू शॉर्ट को भी अनुबंध नहीं मिला है.

वैश्विक सुस्ती के बावजूद 2025 में भारत में उद्यम पूंजी निवेश बढ़कर 16 अरब डॉलर पर

नयी दिल्ली: निजी पूंजी बाजारों में व्यापक वैश्विक सुस्ती के विपरीत भारत में उद्यम पूंजी (वीसी) निवेश 2025 में बढ़कर लगभग 16 अरब डॉलर तक पहुंच गया. एक रिपोर्ट के अनुसार इसमें लगातार दूसरे साल वृद्धि हुई. वैश्विक परामर्शदाता फर्म बेन एंड कंपनी और इंडियन वेंचर एंड अल्टरनेट कैपिटल एसोसिएशन (आईवीसीए) की एक रिपोर्ट में बताया गया कि कुल सौदों की गतिविधियों में सालाना आधार पर लगभग 18 प्रतिशत की तेजी आई है. विभिन्न चरणों में कुल लेनदेन की संख्या 1,300 से अधिक रही. यह वृद्धि वैश्विक व्यापक आर्थिक प्रतिकूल स्थिति, भू-राजनीतिक तनाव और नकदी की सख्त स्थिति के बावजूद हुई. यह वृद्धि व्यापक स्तर पर रही, जिसे पांच करोड़ डॉलर से कम मूल्य के सौदों से बल मिला. बड़े लेनदेन की गति भी बढ़ी और 25 करोड़ डॉलर से अधिक के सौदों की संख्या चार से बढ़कर आठ हो गई. निवेशकों ने उन कंपनियों को प्राथमिकता देना जारी रखा जो मौद्रीकरण के स्पष्ट रास्ते दिखा रही हैं. यह बाजार के उस बदलाव को दर्शाता है, जहां अनियंत्रित विस्तार के बजाय व्यापार की गुणवत्ता को महत्व दिया जा रहा है. उपभोक्ता प्रौद्योगिकी वित्तपोषण में कुछ नरमी रही, हालांकि इसमें दीर्घकालिक मजबूती बनी हुई है और यह खंड 2023 से सालाना आधार पर लगभग 25 प्रतिशत बढ़ा है. सामान्य वस्तुओं के बजाय विशिष्ट उत्पाद श्रेणियों की त्वरित आपूर्ति पर आधारित खंड भी तेजी से उभरा है. बेन एंड कंपनी के एसोसिएट भागीदार आदित्य मुरलीधर ने कहा, ''2023 के सुधार के बाद भारतीय उद्यम परिवेश वृद्धि की राह पर लौट आया है और इस बार इसमें परिपक्वता के स्पष्ट संकेत हैं. 2021 और 2022 के वित्तपोषण उछाल को छोड़कर, भारत अब तक के अपने उच्चतम स्तर को देख रहा है.'' आईवीसीए के अध्यक्ष रजत टंडन ने कहा कि इस साल वृद्धि अधिक संतुलित है. साथ ही आईपीओ आधारित नकदी में तेजी निवेशकों के भरोसे को मजबूत कर रही है.

अब तक वापस आ चुके हैं 2,000 रुपये के 98.45 प्रतिशत नोट: आरबीआई

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि 2,000 रुपये मूल्य वर्ग के चलन में मौजूद 98.45 प्रतिशत बैंक नोट अब तक वापस आ चुके हैं. केंद्रीय बैंक ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये मूल्यवर्ग के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी. आरबीआई ने एक बयान में कहा कि 19 मई, 2023 को कारोबार समाप्ति के समय चलन में मौजूद 2,000 रुपये के नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था, जो 31 मार्च 2026 को घटकर 5,501 करोड़ रुपये रह गया है. आरबीआई ने कहा, इस तरह 19 मई 2023 तक चलन में मौजूद 2,000 रुपये के नोट में से 98.45 प्रतिशत अब तक वापस आ चुका है. केंद्रीय बैंक ने बताया कि 2,000 रुपये के नोटों को बदलने की सुविधा उसके 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है. ये कार्यालय व्यक्तियों और इकाइयों के बैंक खातों में जमा के लिए भी ऐसे नोट स्वीकार कर रहे हैं. इसके अलावा, आम लोग देश के किसी भी डाकघर से भारतीय डाक के जरिये 2,000 रुपये के नोट आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय को भेजकर अपने बैंक खाते में जमा करा सकते हैं. इसके साथ ही आरबीआई ने यह स्पष्ट किया कि 2,000 रुपये के नोट अभी भी वैध मुद्रा बने हुए हैं.

कारोबार

वित्त वर्ष के पहले दिन शेयर बाजार में तेजी; सेंसेक्स 1,187 अंक चढ़ा, निफ्टी भी मजबूत

मुंबई: चालू वित्त वर्ष के पहले दिन स्थानीय शेयर बाजार में तेजी रही और बीएसई सेंसक्स 1,187 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 348 अंक की बढ़त में रहा. पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ घरेलू बाजार में मजबूती आई. तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,186.77 अंक यानी 1.65 प्रतिशत बढ़कर 73,134.32 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान, एक समय इसमें 2,017.03 अंक की तेजी दर्ज की गई और यह 73,964.58 अंक पर पहुंच गया था. पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 348 अंक यानी 1.56 प्रतिशत चढ़कर 22,679.40 अंक पर बंद हुआ. कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने भी बाजार की धारणा को मजबूती दी. सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से ट्रेंट, इंटरग्लोब एविएशन, अदाणी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय स्टेट बैंक और इटर्नल प्रमुख रूप से लाभ में रहीं. दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में एनटीपीसी, सन फार्मा, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारती एयरटेल शामिल हैं. बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में 3,828 शेयर लाभ में रहे, जबकि 508 में गिरावट आई. वहीं 101 के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ. जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पश्चिम एशिया संघर्ष के संभावित समाधान के संकेत वाले बयान के बाद जोखिम लेने की प्रवृत्ति में सुधार हुआ है. इसके कारण भारतीय शेयर बाजारों ने वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूत शुरुआत की.'' एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त में रहे. यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में सकारात्मक रुख था. अमेरिकी बाजारों में मंगलवार को तेजी थी. ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, ''भारतीय शेयर बाजारों ने नए वित्त वर्ष में सकारात्मक शुरुआत की. पश्चिम एशिया में संघर्ष में कमी आने और ऊर्जा आपूर्ति में समस्या कम होने की उम्मीदों के कारण शेयर बाजारों में तेजी आई.'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणी ने बाजारों में तेजी लाने का काम किया. ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ समझौता हो या नहीं, अमेरिका, ईरान से दो से तीन सप्ताह में बाहर निकल सकता है. इससे वैश्विक जोखिम वाली परिसंपत्तियों में व्यापक राहत मिली. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.22 प्रतिशत टूटकर 103.7 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया. 'महावीर जयंती' के मौके पर मंगलवार को शेयर बाजार बंद रहे थे. शेयर बाजार आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 11,163.06 करोड़ रुपये के शेयर बेचे. हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 14,894.72 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे. सेंसेक्स सोमवार को 1,635.67 अंक टूटा था जबकि निफ्टी में 488.20 अंक की गिरावट आई थी.

शेयर बाजार में तेजी से निवेशकों की संपत्ति 9.60 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

नयी दिल्ली: शेयर बाजार में बुधवार को आई तेजी से निवेशकों की संपत्ति 9.60 लाख करोड़ रुपये बढ़ गयी. पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त होने के संकेतों के बीच बाजार में तेजी आई. वैश्विक बाजारों में तेजी और कच्चे तेल के दाम में नरमी से भी कारोबारी धारणा मजबूत हुई. बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,186.77 अंक यानी 1.65 प्रतिशत बढ़कर 73,134.32 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 2,017.03 अंक चढ़कर 73,964.58 अंक पर पहुंच गया था. शेयर बाजार में आई इस तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार 9,60,261 करोड़ रुपये बढ़कर 4,22,01,433.48 करोड़ रुपये (4,460 अरब डॉलर) हो गया.

चांदी 9,000 रुपये मजबूत, सोना 3,500 रुपये चढ़ा

नयी दिल्ली: मजबूत वैश्विक रूख के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को चांदी की कीमत 9,000 रुपये बढ़कर 2.46 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जबकि सोना 3,500 रुपये उछलकर 1.55 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया. अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत 9,000 रुपये यानी 3.8 प्रतिशत बढ़कर 2,46,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई. सोमवार को बाजार बंद होने के समय इसकी कीमत 2,37,000 रुपये प्रति किलोग्राम थी. सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 3,500 रुपये यानी 2.3 प्रतिशत बढ़कर 1,55,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई. पिछले बाजार सत्र में सोने की कीमत 1,51,500 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी. महावीर जयंती के अवसर पर मंगलवार को सर्राफा बाजार बंद रहे. एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने बताया कि बुधवार को भी सोने की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रही. इस तेजी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेत हैं. इससे आगे और तनाव बढ़ने या ऊर्जा बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने का जोखिम कम होने की उम्मीद है. उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम से तेल की कीमतें नरम रहने की उम्मीद है. इससे महंगाई को लेकर चिंता कम हुई है और केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में और बढ़ोतरी की संभावना भी कम हो जाती है.

जीएसटी संग्रह मार्च में करीब नौ प्रतिशत बढ़कर दो लाख करोड़ रुपये से अधिक

नयी दिल्ली: सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में आयात के साथ-साथ घरेलू बिक्री एवं खरीद से प्राप्त राजस्व में वृद्धि के दम पर मार्च में करीब नौ प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह कर कटौती से पहले के स्तर दो लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया. यह वित्त वर्ष 2025-26 में तीसरा सबसे अधिक मासिक संग्रह है. सरकार द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, घरेलू सकल राजस्व में 5.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया. वहीं आयात से प्राप्त राजस्व में 17.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 53,861 करोड़ रुपये तक पहुंच गया. मार्च, 2025 में सकल जीएसटी संग्रह 1.83 लाख करोड़ रुपये था. वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल-मार्च) में मार्च, 2026 में तीसरा सबसे अधिक संग्रह दर्ज किया गया. इससे पहले अप्रैल, 2025 में 2.36 लाख करोड़ रुपये से अधिक का अब तक का सबसे अधिक जीएसटी राजस्व दर्ज किया गया. वहीं मई में 2.01 लाख करोड़ रुपये से अधिक का संग्रह हुआ था. पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में सकल जीएसटी राजस्व 8.3 प्रतिशत बढ़कर 22.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया.

बीते वित्त वर्ष में कोल इंडिया का उत्पादन करीब दो प्रतिशत घटकर 76.81 करोड़ टन

नयी दिल्ली: कोल इंडिया लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि बीते वित्त वर्ष 2025-26 में उसका उत्पादन 1.7 प्रतिशत घटकर 76.81 करोड़ टन रहा है. घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाली इस कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में 78.11 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था. कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, मार्च महीने में उत्पादन पिछले साल की समान अवधि के 8.58 करोड़ टन से घटकर 8.45 करोड़ टन रह गया. वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी का कोयला उठाव यानी खदानों से उपभोक्ताओं को भेजे जाने वाले कोयले की मात्रा में भी 2.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई.

न्यूज कॉर्नर

कांग्रेस ने जालना में भाजपा की मदद करने के आरोप में सात पार्षदों को निलंबित किया

मुंबई : कांग्रेस ने मध्य महाराष्ट्र के जालना शहर महानगरपालिका में मनोनीत सदस्यों की नियुक्ति करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मदद करने के आरोप में अपने सात पार्षदों को निलंबित कर दिया. कांग्रेस की प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष (संगठन और प्रशासन) गणेश पाटिल ने बताया कि पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने पार्टी अनुशासन के उल्लंघन के लिए पार्षदों के खिलाफ कार्रवाई की. निलंबित पार्षदों में फारुख सादिक तुंडीवाले, इमरान खान अमानुल्लाह खान, फरहाना ए रऊफ अंसारी, सुनील अशोक बोरडे, मयूरी दिनेश देने, रूबीना माजिद पठान और अनिल अशोक तिरुखे हैं.

नीतीश के बेटे निशांत ने किया भावुक पोस्ट, कहा- 'ऐसे दूरदर्शी नेता का पुत्र होने पर गर्व'

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता निशांत कुमार ने बुधवार को पिता के कामकाज और नेतृत्व शैली की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें उस महान व्यक्ति का पुत्र होने पर गर्व है, जिसने कभी बदहाल माने जाने वाले बिहार को विकास की नयी दिशा दी. पिछले महीने जदयू की सदस्यता लेने वाले निशांत ने कहा कि उनके पिता ने ऐसे समय में राज्य की बागडोर संभाली थी, जब बिहार विकास और बुनियादी सुविधाओं के मामले में काफी पीछे था. निशांत ने कहा कि लेकिन अपने संकल्प, दूरदर्शिता और मजबूत इच्छाशक्ति के दम पर कुमार ने राज्य की तस्वीर बदल दी. निशांत के अनुसार, कभी अंधेरे में डूबे रहने वाले गांवों तक बिजली पहुंचाना, जर्जर स्कूलों को नए भवन देना और सड़क-विहीन गांवों तक सड़कें पहुंचाना आसान काम नहीं था, लेकिन उनके पिता ने इसे संभव कर दिखाया. उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि वह ऐसे दूरदर्शी नेता के पुत्र हैं, जिन्होंने बिहार को खस्ताहाल स्थिति से निकालकर खुशहाल बनाने का सपना साकार किया. निशांत के मुताबिक, राज्य में शिक्षा, सड़क, बिजली और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में जो बदलाव हुए हैं, वे किसी बड़े परिवर्तन से कम नहीं हैं. निशांत ने कहा कि उनके पिता ने अपने संकल्प और दूरदर्शिता के बल पर एक उन्नत और आधुनिक बिहार की नींव रखी. उन्होंने कहा कि कभी गड्ढों से भरी सड़कों वाले राज्य में अब विकास की नई राह दिखाई दे रही है. निशांत ने कहा कि स्कूलों के नए भवन बने, गांव-गांव बिजली पहुंची और अपराध के दौर की जगह कानून के राज की स्थापना हुई. निशांत ने यह पोस्ट ऐसे समय में की है, जब बिहार की राजनीति में उनकी आगामी भूमिका को लेकर चर्चाएं तेज हैं.

कैथल के स्पा सेंटर पर पुलिस की रेड, सात युवतियां व दो युवक पकड़े

कैथल: शहर के पुराने बस स्टैंड के पास स्थित एक स्पा सेंटर पर पुलिस ने छापा मारकर कथित अनैतिक गतिविधियों का खुलासा किया है. कार्रवाई के दौरान मौके से सात युवतियों और दो युवकों को काबू किया गया. पुलिस टीम को देखकर मौके पर लोगों की भीड़ भी जमा हो गई. जानकारी के अनुसार डीएसपी हेडक्वार्टर बीर भान के नेतृत्व में दुर्गा शक्ति टीम और पुलिस बल ने बुधवार को संयुक्त रूप से कार्रवाई की. टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर स्पा सेंटर पर रेड की, जहां मसाज की आड़ में देह व्यापार करवाए जाने की बात सामने आई. सिविल लाइन थाना प्रभारी रामनिवास ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पुराने बस स्टैंड के पास स्थित एक मसाज सेंटर में अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं. इसी सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छापा मारा. रेड के दौरान केंद्र में सात युवतियां और दो युवक मिले, जिन्हें पकड़कर थाने ले जाया गया. पुलिस के अनुसार सेंटर का संचालक मौके से फरार मिला. सभी पकड़े गए युवतियों और युवकों से सिविल लाइन थाने में ले जाया गया और पूछताछ की गई. एसएचओ ने बताया कि मामले की जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी.

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में अपराधों पर अंकुश के लिए 'ऑपरेशन प्रहार'

देहरादून: उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में हाल में हत्याओं समेत अनेक आपराधिक घटनाओं पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कड़ा रुख अपनाए जाने के बाद अवांछित, हुड़दंगी तत्वों तथा देर रात तक जारी रहने वाली अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए 'ऑपरेशन प्रहार' शुरू किया गया है. मुख्यमंत्री के इस संबंध में कड़े निर्देशों के बाद प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दीपम सेठ ने मंगलवार रात यहां पुलिस मुख्यालय में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक की तथा अधिकारियों के साथ 'ऑपरेशन प्रहार' की रणनीति तय की. गढ़वाल के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) राजीव स्वरूप, एसटीएफ आईजी नीलेश आनन्द भरणे, देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रमेंद्र सिंह डोबाल तथा एसटीएफ के एसएसपी अजय सिंह सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक में डीजीपी ने सभी स्तरों पर स्पष्ट रूप से जिम्मेदारियां निर्धारित कीं. बैठक में गढ़वाल आईजी को दैनिक रूप से देहरादून की कानून-व्यवस्था की निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए जबकि देहरादून एसएसपी को अपने अधीनस्थ अधिकारियों को अपने क्षेत्र में प्रभावी पुलिसिंग करने तथा उनमें स्पष्ट रूप से काम बांटते हुए उनकी जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा गया है. देहरादून जिले के पुलिस क्षेत्राधिकारियों (सीओ) एवं थाना प्रभारियों (एसओ) को स्वयं फील्ड में सक्रिय रहकर अपराध के चिह्नित 'हॉटस्पॉट' में खास तौर से सुबह के समय पुलिस बल की मौजूदगी (विजिबिलिटी) बढ़ाए जाने तथा नाकों पर सघन तलाशी सुनिश्चित करने को कहा गया है.

आईजी एवं एसएसपी एसटीएफ को देहरादून में सक्रिय आपराधिक तत्वों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं. निर्धारित समय के बाद देर रात तक संचालित हो रहे बार एवं पब पर सख्त कार्रवाई करने को कहा गया है. डीजीपी ने देहरादून में 'पेईंग गेस्ट' तथा किराएदारों का सघन सत्यापन कराने तथा होम-स्टे में संचालित गतिविधियों की नियमित निगरानी करने के भी निर्देश दिए हैं . सेठ ने कहा, देहरादून में आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु एक विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाए और सभी अधिकारी पूरी मुस्तैदी, सतर्कता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करें. देहरादून में पिछले दो-तीन महीने में हत्या, गोलीबारी, झगड़ा-मारपीट जैसी अनेक आपराधिक घटनाएं सामने आयी हैं. इनमें से गुंजन श्रीवास्तव हत्याकांड, अर्जुन शर्मा हत्याकांड और विक्रम शर्मा हत्याकांड जैसी घटनाओं को शहर के बीचोंबीच दिन दहाड़े अंजाम दिया गया. देहरादून में मसूरी रोड पर 30 मार्च को दो कार में सवार लोगों के बीच हुई गोलीबारी की चपेट में आकर सुबह की सैर पर निकले एक सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर की मौत ने राज्य की राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था पर फिर एक गंभीर प्रश्नचिन्ह लगा दिया.

उत्तर प्रदेश सरकार के कार्यक्रमों में नहीं बुलाए जा रहे विपक्षी सांसद : जावेद अली खान

नई दिल्ली: समाजवादी पार्टी के सांसद जावेद अली खान ने बुधवार को राज्यसभा में आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के आधिकारिक कार्यक्रमों और योजनाओं की शुरुआत से जुड़े आयोजनों में विपक्षी सांसदों तथा विधायकों को आमंत्रित नहीं किया जा रहा है. शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए जावेद अली खान ने कहा कि केंद्र के दिशा-निर्देशों के तहत संबंधित क्षेत्र के निर्वाचित प्रतिनिधियों को ऐसे आयोजनों में आमंत्रित किया जाना अनिवार्य है, इसके बावजूद विपक्षी सांसदों, विधायकों, खास तौर पर समाजवादी पार्टी के सदस्यों को नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि भाजपा पदाधिकारी इनमें शामिल हो रहे हैं. उन्होंने कई उदाहरण देते हुए कहा कि संभल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के उद्घाटन के दौरान वहां के चार निर्वाचित प्रतिनिधियों में से समाजवादी पार्टी के तीन प्रतिनिधियों को आमंत्रित नहीं किया गया. खान ने कहा कि मुरादाबाद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक ऐसे हवाईअड्डे का उद्घाटन किया जो अभी तक चालू नहीं हुआ है, लेकिन वहां मंडल के छह में से पांच समाजवादी पार्टी सांसदों को आमंत्रित नहीं किया गया. जावेद अली खान ने कहा कि कासगंज जिले में भी समाजवादी पार्टी के सांसदों और विधायकों को कार्यक्रमों से बाहर रखा गया और प्रयागराज में 5,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान भी किसी विपक्षी सांसद को आमंत्रित नहीं किया गया. उन्होंने अपने निजी अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार उनके जिले में एक सरकारी कार्यक्रम में शामिल हुए थे, लेकिन उन्हें और उनकी पार्टी के विधायक को आमंत्रित नहीं किया गया. खान

कांग्रेस असम में घुसपैठियों की रक्षा के लिए कानून लाने की कोशिश कर रही: प्रधानमंत्री

गोगामुख (असम): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को आरोप लगाया कि अगर कांग्रेस असम में सत्ता में आई तो वह घुसपैठियों की रक्षा के लिए कानून लाएगी लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी ऐसा नहीं होने देंगे. मोदी ने धेमाजी जिले के गोगामुख में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस का मकसद ''बहुसंख्यक समुदाय को अल्पसंख्यक में बदलना और घुसपैठियों का एक स्थायी वोट बैंक बनाना है. प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस नेता खुलेआम कह रहे हैं कि वे घुसपैठियों की रक्षा के लिए असम में नया कानून लाएंगे और वे उनका खुलकर समर्थन कर रहे हैं. उन्होंने कांग्रेस पर देश को उसी तरह बांटने का आरोप लगाया जैसा विभाजन के दौरान मुस्लिम लीग ने किया था. मोदी ने कहा, कांग्रेस ने बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान पर भी छुरा घोंपा है. प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर भाजपा फिर सत्ता में आई तो वह ''असम की पहचान की रक्षा के लिए समान

नागरिक संहिता लागू करेगी और छठी अनुसूची के तहत जनजातीय समुदायों की सुरक्षा करेगी. उन्होंने कहा, भाजपा के 10 साल के शासन ने असम में 'सेवा' और 'सुशासन' के नए दौर की शुरुआत की है. प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी लोग कह रहे हैं कि केवल भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ही असम में आधुनिक बुनियादी ढांचा तैयार कर सकता है. उन्होंने कहा, भाजपा लोगों के आशीर्वाद से असम चुनाव में 'हैट्रिक' लगाएगी जबकि कांग्रेस चुनावों में हार का शतक लगाएगी. प्रधानमंत्री ने असम के बिस्वनाथ जिले में अपनी दूसरी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर विकास विरोधी, भ्रष्टाचार की जननी और राज्य की पहचान, सुरक्षा तथा सांस्कृतिक विरासत से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता के लिए असमिया अस्मिता को दांव पर लगाया और घुसपैठियों को मुख्यधारा में शामिल कर राज्य को नुकसान पहुंचाया.

प्रधानमंत्री ने असम में चाय बागान का दौरा किया, महिला श्रमिकों से बात

गुवाहाटी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को असम के डिब्रूगढ़ में एक चाय बागान का दौरा किया और वहां चाय की पत्तियां तोड़ीं. उन्होंने मनोहारी टी एस्टेट में काम करने वाली महिला श्रमिकों से बातचीत भी की. मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, हम चाय बागान में काम करने वाले हर परिवार के प्रयासों पर अत्यंत गर्व महसूस करते हैं. उनकी कड़ी मेहनत और लगन ने असम के गौरव को बढ़ाया है. मोदी को वहां 19 महिलाओं के समूह के साथ चाय की पत्तियां तोड़ते और उन्हें एक पारंपरिक टोकरी में रखते हुए भी देखा गया.

प्रधानमंत्री करीब आधा घंटा इन महिला श्रमिकों के साथ रहे, जिन्होंने सफेद और लाल बॉर्डर वाली पारंपरिक साड़ियां पहनी हुई थीं. उन्होंने चाय बागान श्रमिकों की चिंताओं को भी सुना और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा एवं मजदूरी जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की. उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर एक अन्य पोस्ट में कहा, चाय की पत्तियां तोड़ने के बाद महिलाओं ने अपनी संस्कृति के बारे में बात की और अंत में एक सेल्फी भी ली. प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि ये डिब्रूगढ़ के एक चाय बागान की कुछ झलकियां हैं. प्रधानमंत्री ने श्रमिकों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक झुमुर नृत्य का भी आनंद लिया.

आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता एच.एस. फूलका भाजपा में शामिल

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील और आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता एच.एस. फूलका अब भाजपा में शामिल हो गए हैं. उनकी पहचान 1984 के सिख विरोधी दंगों के वकील के तौर पर रही है. वह लंबे समय तक इस मामले में केस लड़ते रहे हैं. उन्होंने 2019 के आम चुनाव में आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन पराजय हो गई थी. फूलका ने दिल्ली में भाजपा की सदस्यता ली. इस मौके पर भाजपा की ओर से कई सिख चेहरे मौजूद थे. इनमें सीनियर नेता और मंत्री हरदीप सिंह पुरी शामिल थे. इसके अलावा दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ इस मौके पर मौजूद थे. यही नहीं पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ और प्रवक्ता अनिल बलूनी भी उपस्थित थे.

फूलका को पार्टी में शामिल कराने के पीछे अगले साल होने वाले पंजाब चुनाव को देखा जा रहा है. माना जा रहा है कि एक सिख चेहरा और वह भी

दंगों के वकील रहे नेता को एंट्री देने से भाजपा को फायदा मिल सकता है. भाजपा बीते कई दशकों से राज्य में सिखों के बीच पैठ बनाने की कोशिश कर रही है. अकाली दल के साथ सालों तक गठबंधन में रही भाजपा अब सूबे में अकेली है. ऐसे में हिंदू वोटरों की पार्टी का तमगा मिले रहने से ही भाजपा खुश नहीं होगी. इसीलिए वह चाहती है कि सिखों के बीच भी पैठ बने. उनका स्वागत करते हुए हरदीप सिंह पुरी ने अपने इरादे भी स्पष्ट कर दिए और कहा कि इससे भाजपा को पंजाब में ताकत मिलेगी. उनका कहना था कि इससे पंजाब में संगठन भी मजबूत होगा. पहले भी भाजपा ने कई सिख चेहरों को एंट्री दी थी, लेकिन बहुत सफलता अब तक नहीं मिली है.

इन नेताओं में कैप्टन अमरिंदर सिंह, नवजोत सिंह सिद्धू, रवनीत सिंह बिट्टू आदि प्रमुख हैं. हालांकि अब सिद्धू बाहर हैं. इस मौके पर फूलका ने भी बात की और कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार की लीडरशिप में जिस तरह के हालात हैं. उनसे निपटने का दम सिर्फ पीएम नरेंद्र मोदी ही रखते हैं.

फूलका ने कहा, सिखों के मुद्दों पर पीएम मोदी ने निजी तौर पर रुचि दिखाई है. 1984 के दंगों को लेकर मेरे काम की उन्होंने सराहना की है. उन्होंने कहा कि भाजपा ने मदन लाल खुराना, सुषमा स्वराज और विजय कुमार मल्होत्रा जैसे नेताओं को आगे बढ़ाया. उन्होंने कहा कि सिखों के मसले पर भाजपा ने काफी काम किया था. इसलिए अब मैं उसमें शामिल हो रहा हूं. फूलका ने 2019 का चुनाव लुधियाना से रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ लड़ा था और हार गए थे. अब रवनीत सिंह बिट्टू भाजपा के राज्यसभा सांसद हैं और केंद्र में मंत्री हैं.

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ बने सेना के उप प्रमुख, संभाली नई जिम्मेदारी

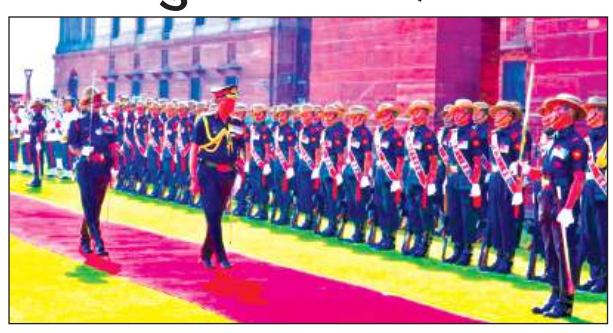

नई दिल्ली: लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने बुधवार को भारतीय सेना के उप प्रमुख (वीसीओएएस) का पदभार ग्रहण कर लिया. वे खड़कवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र हैं और दिसंबर 1986 में बख्तरबंद कोर में कमीशन प्राप्त किया था. करीब चार दशकों के सैन्य करियर में उन्होंने विभिन्न भू-भागों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सेवा दी है. इसमें आतंकवाद-रोधी अभियानों का भी व्यापक अनुभव शामिल है, खासकर जम्मू-कश्मीर में. उन्होंने रेगिस्तानी क्षेत्र में बख्तरबंद रेजिमेंट, विकसित क्षेत्र में बख्तरबंद ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-रोधी बल की कमान संभाली है. लेफ्टिनेंट जनरल बनने के बाद उन्होंने सुदर्शन चक्र कोर का नेतृत्व किया और बाद में दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग रहे.

सेना कमांडर के रूप में उन्होंने दक्षिण पश्चिमी कमान और दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्य किया. पश्चिमी मोर्चे पर दो ऑपरेशनल कमांड की जिम्मेदारी संभालना उनके करियर की विशेष उपलब्धि रही है. लेफ्टिनेंट जनरल सेठ ने कई महत्वपूर्ण स्टाफ पदों पर भी काम किया, जिनमें अंगोला में संयुक्त राष्ट्र मिशन के साथ सेवा और सेना मुख्यालय में अहम जिम्मेदारियां शामिल हैं. उन्होंने क्षमता विकास और आधुनिकीकरण से जुड़े कई प्रमुख पदों पर भी योगदान दिया.

क्रीमिया में रूसी सेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त, 29 लोगों की मौत

मॉस्को : रूस का एक सैन्य विमान उसके कब्जे वाले क्रीमिया में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार चालक दल के छह सदस्य और 23 यात्री मारे गए. रूसी समाचार एजेंसियों ने देश के रक्षा मंत्रालय के हवाले से बुधवार तड़के यह जानकारी दी. खबरों के अनुसार, एएन-26 सैन्य परिवहन विमान क्रीमिया प्रायद्वीप के ऊपर एक निर्धारित उड़ान पर था और मंगलवार शाम करीब छह बजे सेना का विमान से संपर्क टूट गया. क्रीमिया को रूस ने 2014 में यूक्रेन से अपने कब्जे में ले लिया था. रूसी समाचार एजेंसी 'इंटरफैक्स' ने रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि प्रारंभिक तौर पर दुर्घटना का कारण तकनीकी खराबी माना जा रहा है.

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बीजू पटनायक पर टिप्पणी के लिए माफी मांगी

भुवनेश्वर: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को अपने उस दावे के लिए बिना शर्त माफी मांगी कि ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक 1960 के दशक में चीन के खिलाफ युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और सीआईए के बीच की कड़ी थे. इस टिप्पणी के लिए भाजपा के अंदर और बाहर दोनों जगह उनकी आलोचना हुई. भाजपा सांसद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पिछले सप्ताह मीडिया से बात करते समय नेहरू-गांधी परिवार के कारनामों के संबंध में विशेष रूप से पूर्व मुख्यमंत्री और भारत के अग्रणी नेताओं में से एक माननीय बीजू पटनायक के संदर्भ में मेरी टिप्पणियों का गलत अर्थ

निकाला गया. दुबे ने कहा कि यह उनका निजी विचार था. उन्होंने कहा, नेहरू जी के बारे में मेरे विचारों को बीजू बाबू के बारे में समझा गया. बीजू बाबू हमेशा से हमारे लिए एक महान नेता रहे हैं और रहेंगे. अगर मेरे बयान से किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो मैं बिना शर्त माफी मांगता हूं. उन्होंने उत्कल दिवस पर ओडिशा के लोगों को शुभकामनाएं भी दीं.

अमरावती को आंध्र की स्थायी राजधानी के रूप में मान्यता देने वाला विधेयक लोकसभा में पारित

नई दिल्ली: लोकसभा ने अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र और स्थायी राजधानी के रूप में मान्यता देने संबंधी विधेयक बुधवार को पारित कर दिया. गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें यह कहने में खुशी हो रही है कि इस संबंध में आंध्र प्रदेश विधानसभा से आए संकल्प पर लोकसभा में सभी ने सहमति व्यक्त की है. मंत्री के जवाब के बाद, सदन ने विधेयक को ध्वनि मत से पारित कर दिया. हालांकि, चर्चा के दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्य विपक्षी दल वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने विधेयक के विरोध में सदन से बहिर्गमन किया. वाईएसआर पार्टी के नेता मिथुन रेड्डी का कहना था कि उनकी पार्टी विधेयक के वर्तमान स्वरूप को प्रदेश के हित के खिलाफ मानती है. मंत्री ने अपने जवाब में कहा कि आंध्र प्रदेश विधानसभा के 28 मार्च 2026 के संकल्प को प्रभावी बनाने के लिए और आंध्र प्रदेश राज्य की राजधानी (अमरावती) के संबंध में वैधानिक स्पष्टता लाने के उद्देश्य से संशोधन का प्रस्ताव किया गया. इससे पहले, राय ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026 को सदन में चर्चा और पारित किये जाने के लिए पेश किया. सरकार ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रमुख घटक दल तेलुगु देसम पार्टी (तेदेपा) और राज्य के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की महत्वाकांक्षी परियोजना को साकार करने की दिशा में यह कदम उठाया है. यह प्रस्तावित कानून अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र और स्थायी राजधानी बनाने के निर्णय को भविष्य में बदल दिए जाने के किसी भी ऐसे प्रयास को रोक देगा, जैसा कि वाईएसआर कांग्रेस अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पिछली सरकार द्वारा किया गया था. बीते 28 मार्च को राज्य विधानसभा ने भी एक प्रस्ताव पारित किया जिसमें आंध्र प्रदेश की नयी राजधानी के रूप में अमरावती का नाम शामिल करने के मकसद से आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा पांच में संशोधन के लिए केंद्र से अनुरोध किया गया.

ईरान को व्यवस्थित तरीके से कुचला जा रहा है और देर-सवेर उसका ढहना तय : नेतन्याहू

यरुशलम: ईरान के खिलाफ युद्ध में बड़ी उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार शाम कहा कि इजराइल-अमेरिका का संयुक्त अभियान इस्लामी शासन को व्यवस्थित तरीके से कुचल रहा है और इस यहूदी राष्ट्र के सामने मौजूद अस्तित्वगत खतरों को खत्म कर रहा है. यहूदी पर्व 'पेसाच' (पासओवर) से पहले हिब्रू में राष्ट्र को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि देर-सवेर ईरानी शासन गिर जाएगा और इजराइल, तेहरान से उत्पन्न साझा खतरे के खिलाफ क्षेत्र के महत्वपूर्ण देशों के साथ नए गठबंधन बना रहा है. इजराइली प्रधानमंत्री ने किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन संक्षेप में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही मैं आपको इन महत्वपूर्ण गठबंधनों के बारे में और बता पाऊंगा. नेतन्याहू ने कहा, स्वतंत्रता पर्व की पूर्व संध्या पर इजराइल पहले से कहीं अधिक मजबूत है. पूरी दुनिया ईरान के दुष्ट शासन के खिलाफ हमारी लड़ाई में हमारी दहाड़ सुन रही है, एक ऐसी लड़ाई जिसमें हमने अपार उपलब्धियां हासिल की हैं. यह संबोधन ऐसे समय में आया जब देश लेबनान में जमीनी अभियान के दौरान चार सैनिकों की मौत पर शोक मना रहा है. उन्होंने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ये उपलब्धियां कष्टदायक कीमत चुकाकर हासिल हुई हैं.

उन्होंने कहा, अमेरिका के साथ हमारे संयुक्त

अभियान का एक महीना पूरा होने पर हम उस आतंकवादी शासन को व्यवस्थित रूप से कुचल रहे हैं, जिसने दशकों तक 'अमेरिका की मौत, इजराइल की मौत' के नारे लगाएअयातुल्लाओं के शासन ने हमें नष्ट करने, पूरे पश्चिम एशिया पर कब्जा करने और पूरी दुनिया को खतरे में डालने की बड़ी कोशिश की. नेतन्याहू ने कहा, इसने इन घातक महत्वाकांक्षाओं को परमाणु कार्यक्रम और बैलिस्टिक मिसाइलों के विकास, हमारे चारों ओर आतंकी संगठनों को वित्त और हथियार देने तथा उस पर लगे कड़े प्रतिबंधों को झेलकर आगे बढ़ाने की कोशिश की. उन्होंने कहा, अब मैं आपको बताना चाहता हूं: इतने वर्षों में इस सब पर ईरान ने लगभग एक हजार अरब डॉलर खर्च किए. और अब कहा जा सकता है कि यह पूरी राशि व्यर्थ चली गई.

ईरान पर किए गए प्रहारों में नेतन्याहू ने उनके परमाणु कार्यक्रम, उनकी मिसाइलों, शासन के ढांचे, उसकी दमनकारी ताकतों और शीर्ष नेतृत्व पर प्रहार को गिनाया. उन्होंने सात अक्टूबर 2023 के बाद से इजराइल द्वारा मारे गए ईरान, हिजबुल्ला और हमास के नेताओं के नाम गिनाते हुए कहा, तानाशाह खामेनेई से लेकर परमाणु वैज्ञानिकों तक और रिवोल्यूशनरी गार्ड व बासिज के हत्यारे नेताओं तक, इसके अलावा नसरल्लाह, हनियेह, डेइफ, सिनवार और भी कई अन्य. नेतन्याहू ने दावा किया कि ईरान पहले से कहीं कमजोर और इजराइल पहले से कहीं मजबूत है और इस्लामी गणराज्य के खिलाफ अभियान अभी समाप्त नहीं हुआ है. उन्होंने यह भी कहा कि इजराइल ने दुनिया को ईरान से उत्पन्न खतरे के प्रति जागरूक किया है, जहां अधिकांश नेता इसे चुपचाप स्वीकार कर रहे हैं और कुछ इसके खिलाफ कदम भी उठा रहे हैं.

उन्होंने कहा, मैंने पश्चिम एशिया के नेताओं से गुप्त और सार्वजनिक बैठकों में बात की. मैंने यूरोप के नेताओं से बात की. मैंने अमेरिका के नेताओं और राष्ट्रपति से भी बात की. उन्होंने खतरे को पूरी तरह नहीं समझा था. आज ऐसा कोई नहीं है जो इस खतरे की गंभीरता को न समझता हो. कुछ लोग निजी बातचीत में मुझसे कहते हैं- प्रधानमंत्री, हम समझते हैं, हम इसे खुलकर कहने से डरते हैं, लेकिन हम समझते हैं. और कुछ कहते हैं- हम समझते हैं और ईश्वर का शुक्र है कि वे कार्रवाई भी कर रहे हैं.

अचानक हुए झगड़े में बिना किसी इरादे के किया हमला हत्या नहीं: राजस्थान हाईकोर्ट

जोधपुर: राजस्थान उच्च न्यायालय की जोधपुर मुख्यपीठ ने पत्नी की हत्या के एक महत्वपूर्ण मामले में ट्रायल कोर्ट के फैसले में बड़ा बदलाव करते हुए रिपोर्टेबल आदेश दिया है. जस्टिस फरजंद अली और जस्टिस संदीप शाह की खंडपीठ ने साफ कहा कि अचानक हुए झगड़े में बिना किसी पहले से बने इरादे के किया गया हमला हत्या की श्रेणी में नहीं आता. कोर्ट ने दोनों अपीलों पर अंतिम फैसला सुनाते हुए आरोपित पिंटू उर्फ प्रवीण सिंह की दोषसिद्धि को आईपीसी की धारा 304 भाग-प्रथम से बदलकर धारा 304 भाग-द्वितीय कर दिया और उसे सात वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई.

दरअसल 23 जुलाई 2005 को परिवादी उम्मेद सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी. उन्होंने बताया कि उनकी बेटी किरण, की 8-9 साल पहले पिंटू उर्फ प्रवीण सिंह से शादी हुई थी और दो नाबालिग बच्चे थे. वह ससुराल में गंभीर रूप से घायल और बेहोश हालत में मिली. पूछताछ पर एक नाबालिग बच्चे ने बताया कि पिता ने मां के सिर पर फावड़े से वार किया था. शुरू में केस धारा 307 के तहत दर्ज हुआ, लेकिन किरण की इलाज के दौरान मौत हो जाने पर इसे धारा 302 में बदल दिया गया.अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक) प्रतापगढ़ ने इस केस में आठ मार्च 2007 को फैसला सुनाया. ट्रायल कोर्ट ने आरोपित को धारा 302 (हत्या) और धारा 498-ए (क्रूरता) के आरोपों से बरी कर दिया, लेकिन धारा 304 भाग-प्रथम (मारने के इरादे से की गई गैर-इरादतन हत्या) के तहत दोषी ठहराया. इस फैसले के खिलाफ राज्य सरकार और आरोपित ने हाईकोर्ट में अलग-अलग अपील दायर की थी.

दोनों पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने पूरे रिकॉर्ड का गहन अध्ययन किया. कोर्ट ने पाया कि यह घटना पति-पत्नी के बीच अचानक हुए सामान्य विवाद का नतीजा थी. कोई पूर्व नियोजन नहीं था, और न ही आरोपित कोई हथियार लेकर आया था. उसने मौके पर पड़े फावड़े से केवल एक ही वार किया और उसके बाद भी उसने अपनी हावी होने की स्थिति का फायदा उठाते हुए कोई दूसरा वार नहीं किया. कोर्ट ने कानून की व्याख्या करते हुए कहा कि हत्या के लिए इरादा जरूरी है, जो इस मामले में मौजूद नहीं था.

संस्कृति संनाद : कोलकाता में सजी राजस्थान की जीवंत सांस्कृतिक छटा

जयपुर की मधु भट के लोक गीतों से भाव विभोर हुए श्रोता

वरिष्ठ साहित्यकार नथमल केडिया का अभिनंदन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: राजस्थान दिवस के पावन मौके पर अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं समर्पण ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संस्कृति संनाद सांस्कृतिक संध्या अत्यंत भव्य एवं अविस्मरणीय रूप में संपन्न हुई. विधान गार्डन, कोलकाता में यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राजस्थान की समृद्ध परंपराओं, लोकजीवन और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उत्सव बन गया-मानो पूरा राजस्थान ही कोलकाता की धरती पर साकार हो उठा हो. राजस्थान दिवस, गणगौर पूजा, हिन्दू नववर्ष एवं राम नवमी जैसे पावन अवसरों की गरिमा से ओतप्रोत इस संध्या में संस्कृति, संगीत और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला. कार्यक्रम का शुभारंभ सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री श्यामलाल अग्रवाल के करकमलों से हुआ, वहीं ख्यातिलब्ध उद्योगपति श्री आदित्य पोद्दार की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की प्रतिष्ठा को और ऊँचाई प्रदान की. कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण रही जयपुर से पधारीं प्रसिद्ध राजस्थानी लोक कलाकार मधु भट्ट, जिन्होंने अपने सुरों और नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों से समूचे वातावरण को मंत्रमुग्ध कर दिया. उनके गीतों की मधुरता और नृत्य की लयात्मकता ने दर्शकों को राजस्थान की मिट्टी की सौंधी खुशबू का अनुभव कराया. केसरिया बालम..., धरती धोरा री..., घूमर समेत हर प्रकार के

लोकगीत और राष्ट्र भक्ति से सराबोर प्रस्तुति पर तालियों की गड़गड़ाहट और दर्शकों का उत्साह यह सिद्ध कर रहा था कि कला की कोई सीमा नहीं होती-वह सीधे हृदय को स्पर्श करती है. इस सांस्कृतिक संध्या में समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तित्वों की उपस्थिति ने आयोजन को और गरिमामयी बना दिया. सुसज्जित मंच, पारंपरिक सजावट, और राजस्थानी लोक रंगों से सजी संध्या ने उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जड़ों से जुड़ने का भावपूर्ण अवसर प्रदान किया. इस मौके पर राजस्थानी भाषा साहित्य और संस्कृति के श्रीवृद्धि में योगदान देने वाले साहित्यकार स्व. नथमल केडिया को उनके साहित्यिक योगदान के लिए उनके पुत्र श्री शरद केडिया को अभिनंदन पत्र देकर विशेष तौर पर सम्मानित किया. अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं समर्पण ट्रस्ट के सभापति श्री दिनेश बजाज ने कहा कि संस्कृति संनाद हमारी परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक सशक्त प्रयास है. यह आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का माध्यम बन रहा है. वहीं कार्यकारी अध्यक्ष श्री निरंजन अग्रवाल ने कहा, हमारा उद्देश्य समाज में सांस्कृतिक एकता और समरसता को बढ़ावा देना है. इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से हम अपनी लोक कलाओं को जीवंत बनाए रखने का सतत प्रयास कर रहे हैं. समर्पण ट्रस्ट के सलाहकार व पत्रकार डॉ. जयप्रकाश मिश्र ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि राजस्थानी संस्कृति की संरक्षण और युवाओं के बीच इसके प्रसार को ट्रस्ट प्रतिबद्ध है. समर्पण ट्रस्ट के ट्रस्टी प्रदीप ढेडिया ने अपने धन्यवाद ज्ञापन दिया. उन्होंने सबके प्रति आभार जताया. उन्होंने कहा कि ट्रस्ट संस्कृति संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है. आगामी दिनों में इस तरह के और कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे. कार्यक्रम का कुशल संचालन महावीर प्रसाद रावत ने किया. कार्यक्रम का मीडिया पार्टनर छपते छपते हिंदी दैनिक था तो वही कार्यक्रम का प्रबंधन आनंद इवेंट्स द्वारा किया गया था. कार्यक्रम में नाईजर के काउंसल राजेंद्र खंडेलवाल, मालदीव के काउंसल रामकृष्ण जायसवाल, विश्वंभर नेवर, संतोष लाहोटी, चेतन होरा, विप्र फाउंडेशन के अध्यक्ष किशन गोस्वामी, पवन पाटोदिया, रश्मि बिहानी, देविका जैन, आदित्य सुराना, श्याम सुन्दर अग्रवाल, आचार्य राकेश पांडेय, रतनलाल अग्रवाल, भगवती प्रसाद सराफ, दीपू शर्मा, इंद्रनील चौधरी, प्रकाश पारख, रमेश बाजोड़िया, विजय दर्क, सुशील कोठारी, लोकगायक मधु भट, प्रदीप निर्मल व टीम को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में किरण तुलसियन, अक्षय बिन्जराजका, अमन ढेडिया, अनिल मलावत, अनिल निगमिया, अशोक ढेडिया, भागचंद मुंधड़ा, बिमल बेंगानी, हरि राम अग्रवाल, हर्ष पोद्दार, किशन डागा, के. एल. लालानी, ओ. पी. कनोडिया, प्रदीप मस्करा, रवि वर्मा, संतोष सराफ समेत अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही. कार्यक्रम को सफल बनाने में अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन की मनीषा बजाज, पद्मश्री पोद्दार, राजित भुतोड़िया तथा सुशील तुलस्यान तथा समर्पण ट्रस्ट के अभिषेक डोकानिया, गणेश अग्रवाल, महेश भुवालका, पंकज भालोटिया, पवन बंसल, संजय जैन, संजय रुंगटा, सोमनाथ अडूकिया का विशेष योगदान रहा.

श्री ठाकुर बाल गोविन्दा भक्तवृंद द्वारा नवम् आदर्श सामूहिक विवाह का 29 मार्च को आयोजन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: श्री ठाकुर बाल गोविन्दा भक्तवृंद, लव इंडिया फाउंडेशन और श्रीभारतवर्षीय मारवाड़ी समाज के संयुक्त तत्वावधान में 5 जोड़ों का भव्य और अद्भूत नवम् आदर्श सामूहिक विवाह रविवार, 29 मार्च 2026 को खिदिरपुर/अलीपुर स्थित श्री ठाकुर श्याम धाम में आयोजित हुआ. बंगाल के सूदूर क्षेत्रों से आए 5 जोड़ों का विवाह संपूर्ण व्यवस्था, साजो-सामान, और सम्मानजनक वैदिक रीति-रिवाज एवं धूमधाम से संपन्न हुआ. बाहर से आए वर-वधु और उनके परिवार वालों को ठहराने की व्यवस्था भी श्री ठाकुर श्याम धाम में की गई. मेंहदी और हल्दी की रस्म के पश्चात सुबह ब्यूटीशियन द्वारा सभी वधूओं के मनमोहक श्रृंगार, सुंदर बनारसी साडी और चुनडी में सभी दूल्हनें लक्ष्मी स्वरूपा प्रतीत हो रही थी. सभी दूल्हे भी सिल्क के कुर्ते, बंगाली लाल धोती और दुपट्टा पहने हुए किसी राजकुमार से कम नहीं लग रहे थे. सभी वर ने श्री ठाकुर श्याम धाम में आशीर्वाद प्राप्त किया, और मनमोहन गाडोदिया तथा अन्य स्वजनों द्वारा सभी दूल्हों का तिलक करते हुए मुंह मीठा करके बारात की अगवानी की गई. उसी भव्यता से सुंदर वरमाला का अभूतपूर्व और अविस्मरणीय कार्यक्रम संपन्न हुआ. तत्पश्चात अलग अलग 5 विवाह वेदी, नयी चौकीयां, नये आसन्न और अलग अलग पूजा सामग्री और अलग अलग पंडितों के द्वारा वैदिक रीति-रिवाज और मंत्रोच्चार से अविस्मरणीय और अवर्णनीय विवाह का आयोजन संपन्न हुआ. सामूहिक मंत्रोच्चार की ध्वनी और भव्यता, लगता था संपूर्ण देवलोक साक्षात प्रकट होकर आशीर्वाद देने वहां पंहुच गये थे. तत्पश्चात स्वादिष्ट और भाँति भाँति के लजीज व्यंजन का सभी ने आनंद लिया. 5 बजे से 9 बजे तक भजनसंध्या (एक शाम ठाकुर जी के नाम) कार्यक्रम में कोलकत्ता के प्रसिद्ध भजन प्रवाहकों जैसे नवीन गोयल, दीप्ती गोयल, ज्योति गुप्ता, ज्योति खेमका, सरोज शर्मा, कविता अग्रवाल, बद्री झुनझुनवाला आदि ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति नृत्य नाटिका के साथ की. तत्पश्चात स्वरुचि भोजन के पश्चात सभी वर-वधुओं की भावपूर्ण विदाई हुई. विदाई में उपहार स्वरूप स्वर्ण, चांदी सहित नाना प्रकार के उत्तम क्वालिटी एवं ब्रांडेड लगभग 165 (311 की संख्या) सामान भेंट किये गए, जिसमें पाउडर कोटेड फुल साईज की 20 गेज की आलमारी, स्टील का 7/6 साईज का बेड, बिस्तर, तकिये, मिक्सर ग्राइंडर, आइरन, इमरशन रोड, दिवाल और हाथ घडी, चांदी की चैन/अंगुठीयां/पाजेब/बिछिया आदि, ब्रीफकेस, बैग, सिलिंग फैन, इमीटेशन ज्वैलरी सेट, सभी तरह के कपडे व बर्तन, कूकर, केतली, कप प्लेट, कबंल, शाल एवं गर्म कपडे, प्रसाधन सामग्री, ग्रॉसरी सामग्री, रसोई और गृहस्थ जीवन के लिए उपयोगी अनेक सामान प्रदान किए गए. अंत में सभी वधुओं को आशीर्वाद स्वरूप सुहाग बीडा, फलों की टोकरी और मिठाई का डब्बा भेंट किया गया. सभी विवाह की तैयारी वैसी ही थी, जैसे हमारी अपनी बेटियों का विवाह हो. और थी भी तो हमारी बेटियां ही. संस्था के वरिष्ठ सदस्य मनमोहन गाडोदिया ने एक कन्या का कन्यादान अपनी बेटी समझते हुए किया. ढ्ढक्र समूह द्वारा इस तरह का अद्भुत और अनूठा संपूर्ण सुविधा और उपहार सामग्री सहित यह नवम् विवाह था. इस तरह के सामूहिक विवाह से अनेक फायदे भी समाज को प्रेरित करने के लिए होते हैं, जैसे: अभावग्रस्त माता-पिता की बेटी का विवाह भव्यता और इज्जत के साथ होना; भाषा, क्षेत्रीयता और जातिगत भेदभाव से परे एकात्मकता के साथ विवाह संपन्न होना; अन्य भजन संध्याओं में लाखों रुपए खर्च करने के बजाय इतनी ही राशि में भव्य भजनसंध्या भी और 5 कन्याओं का विवाह भी और सबसे प्रमुख सनातन धर्म और संस्कृति को संगठित और मजबूत करने का प्रयास भी. इवेंट का कार्य नवीन गोयल के नेतृत्व में टीबीजी इवेंट द्वारा और मीडिया का कार्य पूजा बजाज के नेतृत्व में टीबीजी मिडिया द्वारा संपन्न किया गया. श्री ठाकुर श्याम धाम के महंत श्री वृंदावन दास जी महाराज एवं मंदिर के सहयोगियों ने व्यवस्था में अद्भुत सहयोग प्रदान किया. लोकप्रिय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र सन्मार्ग कार्यक्रम के मीडिया पार्टनर थे, तथा उनके सौजन्य से 28 मार्च के प्रकाशन में कार्यक्रम का विज्ञापन प्रकाशित हुआ. श्री ठाकुर बाल गोविन्दा के आशीर्वाद, डॉ मनमोहन अंजुमन गाडोदिया के अद्भुत, अद्वितीय और कुशल नेतृत्व और बैंकुठवासी अंजना गाडोदिया की प्रेरणा से यह ऐतिहासिक और अविस्मरणीय कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. कार्यक्रम के चेयरमैन लोकप्रिय विधायक श्री विवेक गुप्ता के मार्गदर्शन ने कार्यक्रम को व्यवस्थित बनाया. सौरभ बगडीया, आलोक झुनझुनवाला, मयंक गाडोदिया और कृष्णा भिवानीवाला जैसे कर्मठ कार्यकर्ता की मेहनत से ही ऐसा विराट कार्यक्रम संपन्न हो पाया, इसके अलावा बृजमोहन नांगलिया, गणेश कालुका, निकिता गाडोदिया, प्रदीप गाडोदिया, उमा अग्रवाल, कुसुम वर्मा, कृष्ण अवतार झुनझुनवाला, सुमन अग्रवाल, पुष्पा बगडिया, रितु अग्रवाल, नवरतन दास नांगलिया, बोबी अग्रवाल, राजेश निषा अग्रवाल, महेश अग्रवाल, महाबीर प्रसाद अग्रवाला, निर्मल मंजुला कसेरा, प्रमोद बजाज (Bajajco), किरण परसरामका, अमित राधा अग्रवाल, श्वेता बगडिया, किशन किल्ला, अधिवक्ता नारायण अग्रवाल आदि TBG Group of Associations के अंतर्गत विभिन्न संस्थान के अनेक सदस्यों के तन-मन-धन सहित अथक प्रयासों ने कार्यक्रम का सुंदर संपादन किया. लोकप्रिय विधायक श्री विवेक गुप्ता (सन्मार्ग), श्री मनोज खेमका, श्री पवन मंजु जालान, श्री गिरीश केडिया, श्री गीता देवी अग्रवाल, श्री अक्षय एकता अग्रवाल, श्री विजय चांडक, श्री शशिकांत गोयल, श्री बृजराज मधु राठी आदि सम्मानित समाज के प्रतिष्ठित स्वजनों के आर्थिक और मानसिक सहयोग के कारण ही कार्यक्रम की भव्यता को विस्तार प्राप्त हुआ. कार्यक्रम संयोजक मनमोहन गाडोदिया ने बताया कि अगला दशम आदर्श सामूहिक विवाह कोलकत्ता में दिसंबर माह में भजन-संध्या के साथ संपन्न होगा. निपुण युवती और निपुण गृहणी प्रतियोगिता का आयोजन भी संपन्न होगा. वियतनाम और गोवा का भ्रमण कार्यक्रम तथा वृंदावन और चारधाम का तीर्थाटन कार्यक्रम भी प्रस्तावित है.

श्री बड़ाबाजार लोहा पट्टी सेवा समिति ने पूर्णिमा पर लगाया सेवा कैंप

कांवड़ियों के लिए की गई चाय, बिस्कुट, खिचड़ी, प्रसाद की व्यवस्था

युवा शक्ति न्यूज

कोलताता: श्री बड़ाबाजार लोहा पट्टी सेवा समिति ने चेत्र पूर्णिमा के अवसर पर राज्य के प्रसिद्ध शिव मंदिर श्री तारकेश्वर धाम मार्ग के बीच समिति के विश्रामगृह में शिव भक्त कांवड़ियों के लिए अपना सेवा शिविर लगाया. समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार बिहानी ने बताया कि जामीर बेड़िया स्थित समिति के विश्रामगृह में कार्यक्रम के संयोजक सुशील अग्रवाल, के नेतृत्व में व्यापक सेवा कार्य किया जाता. आयुषी केडिया के सहयोग से शिविर का आयोजन हुआ. दूर दराज क्षेत्रों से बाबा ताड़कनाथ के दर्शन और पूजन अर्चन के लिए आने वाले कांवड़ियों के लिए शिविर में चाय, बिस्कुट और खिचड़ी की व्यवस्था रही. हज़ारों की संख्या में शिव भक्तों ने इस सेवा का लाभ उठाया. शिविर के संचालन में शिव कुमार अग्रवाल,योंगेदार पांडेय, अनंत बेरा,का सहयोग रहा सचिव गोविंद रांधड़, सह सचिव विजय दारूका व कोषाध्यक्ष विकास नेवटिया ने बताया कि पूरे श्रावण माह में संस्था प्रत्येक शनिवार-रविवार को ही यहां कांवड़ियों की सेवा में यहां संस्था की ओर से कैंप लगाया जाता है . इसके अलावा प्रत्येक माह ही पूर्णिमा को कांवड़ियों की जरुरत को समझते हुए यहां कैंप लगाया जाता है ताकि कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो.

हरिपाल ग्रामीण क्षेत्र में जरूरतमंदों के लिए चश्मों का नि:शुल्क वितरण

युवा शक्ति न्यूज/**कोलकाता:** राज्य की अति विशिष्ट सामाजिक सेवा संस्था सोसाइटी बेनिफिट सर्किल द्वारा हमीरागाछी स्थित हरिपाल अंचल में स्थापित, संस्था के चिकित्सालय से ग्रामीण छेत्र के जरूरतमंदों को चस्मों का निःशुल्क वितरण किया गया. यह वितरण संस्था के अध्यक्ष पवन बंसल के नेतृत्व एवं निर्देशानुसार किया गया. ज्ञात रहे कि संस्था प्रत्येक माह इसी स्थान पे चश्मों का निःशुल्क वितरण करती है, जो कि उनके नेत्र चिकित्सालय से जुड़ी एक निष्काम सेवा है. उनके साथ संस्था के चुन्नी लाल पटेल, सुमित झुनझुनवाला, अनु मिश्रा आदि की विशिष्ट भूमिका रही. डॉक्टर शमीम अहमद के नेतृत्व में चक्षु परीक्षण एवं चश्मे वितरण का कार्य किया गया. ज्ञात रहे की संस्था अपने चिकित्सा छेत्र में सेवा कार्य के तहत लगातार चक्षु परीक्षण, होम्योपैथी चिकित्सा का सेवा कार्य जारी है. इसी क्रम में 67 मरीजों को चश्मा वितरण हुआ. संस्था के अध्यक्ष पवन बंसल ने सभी को धन्यवाद दिया एवं कहा कि सभी के संयुक्त प्रयासों से ही कोई भी सेवा कार्य संपन्न होता है.

तृणमूल विधायक सोहम चक्रवर्ती पर कर्ज विवाद का मामला, हाई कोर्ट में याचिका दायर

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले तृणमूल कांग्रेस के विधायक और बांग्ला फिल्म अभिनेता सोहम चक्रवर्ती कर्ज विवाद के मामले में कानूनी मुश्किलों में घिर गए हैं. उनके खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है. यह याचिका हुगली के एक व्यवसायी शाहिद इमाम ने दायर की है. न्यायालय सूत्रों के अनुसार, मामले की सुनवाई गुरुवार को होने की संभावना है. अदालत ने इस मामले में सोहम चक्रवर्ती या उनके प्रतिनिधि को अगली सुनवाई में उपस्थित रहने का निर्देश दिया है. याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2021 में सोहम चक्रवर्ती से जुड़ी एक बांग्ला फिल्म के निर्माण के लिए उन्होंने निवेश किया था. उनके अनुसार, उन्होंने कुल 68 लाख रुपये दिए थे, जिसमें से 25 लाख रुपये वापस मिल चुके हैं, जबकि लगभग 43 लाख रुपये अभी तक नहीं लौटाए गए हैं. याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि बकाया राशि की मांग करने पर उन्हें धमकी भी दी गई. इस संबंध में कोलकाता के चारू मार्केट थाने में शिकायत भी दर्ज कराई गई है.

आलू किसानों की आत्महत्या और कृषि संकट पर भाजपा का राज्य सरकार पर निशाना

कोलकाताः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पश्चिम बंगाल मुख्यालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में पार्टी के राज्य मुख्य प्रवक्ता अधिवक्ता देबजीत सरकार ने राज्य की कृषि स्थिति, विशेषकर आलू किसानों की समस्याओं तथा मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की. उन्होंने दावा किया कि पिछले कुछ सप्ताह में पश्चिम मेदिनीपुर जिले में कई आलू किसानों ने आत्महत्या की है. उनका यह भी कहना था कि पिछले लगभग 15 वर्षों में कुल 136 आलू किसानों ने आत्महत्या की है. उनके अनुसार उत्पादन लागत की तुलना में बाजार में उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण किसान गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि आलू के अंतरराज्यीय निर्यात पर रोक से किसानों को नुकसान हुआ है और इससे बिचौलियों का प्रभाव बढ़ा है. उनका कहना था कि किसानों से सीधे खरीद की व्यवस्था के बजाय बाजार को बिचौलियों और संगठित समूहों के माध्यम से नियंत्रित किया जा रहा है. देबजीत सरकार ने कहा कि किसानों को शीतगृहों में अपनी उपज रखने में भी कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और कई मामलों में आलू खराब हो रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक और परिवहन व्यवस्था की कमियों के कारण किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है और वे कर्ज के जाल में फंसते जा रहे हैं. उन्होंने किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू करने, फसल बीमा योजना को प्रभावी बनाने तथा प्रभावित किसानों को तत्काल आर्थिक सहायता देने की मांग की. साथ ही प्राकृतिक आपदाओं से फसल नष्ट होने पर उचित मुआवजा देने की भी मांग की. उन्होंने कहा कि राज्य में दीर्घकालिक कृषि नीति के अभाव और कुप्रबंधन के कारण किसान संकट में हैं. उनके अनुसार आलू, प्याज, धान और जूट सहित कई कृषि क्षेत्रों में इसी प्रकार की समस्याएं देखी जा रही हैं. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मत्स्य पालन और पशुपालन क्षेत्र भी उचित नीति के अभाव में उत्पादन और विपणन से जुड़ी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं तथा राज्य के किसान और मछुआरे केंद्र सरकार की योजनाओं का पूरा लाभ नहीं ले पा रहे हैं. मतदाता सूची से जुड़े प्रपत्र-6 के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है और इसमें किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए. उन्होंने चुनाव प्रबंधन से जुड़े प्राधिकरण से यह सुनिश्चित करने की मांग की कि सभी पात्र मतदाताओं के नाम सही तरीके से मतदाता सूची में शामिल हों. उन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए. पत्रकारों के सवालों के जवाब में उन्होंने कानून-व्यवस्था, राजनीतिक हिंसा, केंद्रीय जांच एजेंसियों की भूमिका और आगामी विधानसभा चुनावों पर भी अपनी बात रखी. अंत में उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता बदलाव चाहती है और आने वाले समय में इसका प्रभाव दिखाई देगा.

पार्क स्ट्रीट से 4.54 करोड़ की विदेशी मुद्रा जब्त, तीन लोग हिरासत में

कोलकाताः बंगाल में विधानसभा चुनाव से पूर्व बड़े पैमाने पर केंद्रीय एजेंसियां भी अलर्ट है. इसी क्रम में महानगर कोलकाता में आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 4.54 करोड़ मूल्य की अमेरिकी और थाई मुद्रा जब्त की है. इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पार्क स्ट्रीट थाना क्षेत्र में छापेमारी के दौरान यह कार्रवाई की गई. आयकर विभाग को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर अधिकारियों ने अभियान चलाया. इस दौरान चार लाख 75 हजार अमेरिकी डॉलर और तीन लाख थाई बहत बरामद किए गए. भारतीय मुद्रा में इनकी कुल कीमत चार करोड़ 54 लाख 82 हजार 500 रुपये आंकी गई है. जांच अधिकारियों के अनुसार, जिन तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है, वे इतनी बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा रखने के संबंध में संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके. इसके बाद विभाग ने नियमानुसार मामला दर्ज कर उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया. उल्लेखनीय है कि, विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले चुनाव आयोग ने आयकर विभाग सहित केंद्र सरकार की विभिन्न जांच एजेंसियों के साथ बैठक की थी. इन बैठकों में संदिग्ध वित्तीय लेनदेन और अवैध धन के प्रवाह पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए थे. इसके बाद से ही केंद्रीय और राज्य स्तर की एजेंसियां लगातार सक्रिय हैं. विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कोलकाता के प्रमुख इलाके से इतनी बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा की बरामदगी को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

कोलकाता में ईडी का छापा, कारोबारी 'सोना पप्पू' के ठिकानों पर कार्रवाई

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बार फिर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है. बुधवार सुबह कोलकाता के कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी अभियान चलाया गया. इनमें दक्षिण कोलकाता के कसबा इलाके के कारोबारी विश्वजीत पोद्दार उर्फ सोना पप्पू का आवास भी शामिल है. इसके अलावा बालीगंज स्थित एक कंपनी के कार्यालय सहित कई जगहों पर भी तलाशी ली गई. ईडी सूत्रों के अनुसार सोना पप्पू के खिलाफ पहले से ही कई प्राथमिकी दर्ज हैं. उन पर वसूली, धमकी और अन्य आपराधिक गतिविधियों के आरोप हैं. इनमें से चार-पांच मामलों पर पिछले कुछ दिनों से जांच चल रही थी, जिसके बाद बुधवार को यह कार्रवाई की गई. जानकारी के मुताबिक सुबह लगभग सात बजे ईडी अधिकारी फर्न रोड स्थित उनके घर पहुंचे. इस दौरान केंद्रीय बल के जवान भी मौजूद रहे. ईडी के अनुसार, कसबा और बालीगंज क्षेत्रों में कई सिंडिकेट पर सोना पप्पू का नियंत्रण होने के आरोप हैं. जांच में यह भी सामने आया है कि वह कथित तौर पर विभिन्न निर्माण कंपनियों से करोड़ों रुपये की वसूली करता था और यह रकम प्रभावशाली लोगों तक पहुंचाई जाती थी. इन्हीं आरोपों की जांच के सिलसिले में यह छापेमारी की गई है. सोना पप्पू के आवास के अलावा दक्षिण कोलकाता के अन्य कई स्थानों पर भी ईडी की कार्रवाई जारी है.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा-प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट- सलप, थाना-डोमजूर, जिला-हावड़ा-711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : सुधांशु शेखर,
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई-मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन

न्यूज कॉर्नर

नाव से जान जोखिम में डालकर सफर को मजबूर यात्री

साहिबगंज : गंगा नदी के रास्ते झारखंड के साहिबगंज और बिहार के मनिहारी के बीच चलने वाली फेरी सेवा मंगलवार से पूरी तरह ठप हो गई है. फेरी सेवा बंद होने से दोनों राज्यों के बीच रोजाना आवागमन करने वाले यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. मजबूरी में लोग अब नाव के सहारे सफर कर रहे हैं, जिससे उनकी जान जोखिम में पड़ रही है.बताया जा रहा है कि झारखंड और बिहार के बीच हुए समझौते के तहत फेरी सेवा के संचालन के लिए रोटेशन सिस्टम लागू है, जिसमें दो वर्ष तक झारखंड और दो वर्ष तक बिहार को टेंडर प्रक्रिया संचालित करनी होती है. 31 मार्च 2026 को झारखंड की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और अब इसकी जिम्मेदारी बिहार सरकार के हिस्से में आ गई है.हालांकि, बिहार की ओर से टेंडर प्रक्रिया तो शुरू की गई, लेकिन अधिक बोली दर के कारण किसी भी इच्छुक ठेकेदार ने इसमें भाग नहीं लिया. परिणामस्वरूप अब तक टेंडर प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है, जिसके कारण फेरी सेवा का संचालन बंद कर दिया गया है.फेरी सेवा बंद होने से व्यापार, शिक्षा और दैनिक आवागमन प्रभावित हो रहा है. स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द समाधान निकालने और फेरी सेवा बहाल करने की मांग की है, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके.

रक्तदान शिविर रेड क्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित

साहिबगंज : बुधवार को सदर अस्पताल, साहिबगंज स्थित रक्त केंद्र में रक्तदान शिविर रेड क्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसका विधिवत उद्घाटन रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ. विजय कुमार, संयुक्त सचिव चंद्रेश्वर प्रसाद सिन्हा एवं सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया.इस अवसर पर उपायुक्त सह-अध्यक्ष, रेड क्रॉस सोसाइटी, साहिबगंज ने शिविर में पहुंचकर कार्यक्रम का निरीक्षण किया. उन्होंने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला.उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महान सेवा है, जिससे किसी भी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है. सभी लोगों को समय-समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए.साथ ही उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मियों एवं आमजनों को रक्तदान हेतु प्रेरित किया तथा इस पहल की सराहना की. बुधवार के शिविर में कुल 21 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया गया, जिसकी उपायुक्त हेमंत सती ने प्रशंसा की. उन्होंने सभी रक्तदाताओं को इस पुण्य एवं मानवतावादी कार्य के लिए धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया तथा आगे भी इस प्रकार के कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया.मौके पर मौजूद डॉक्टर किरण माला, ओर अन्य लोग मौजूद थे.

असम चुनाव में झामुमो सक्रिय, हेमंत सोरेन की सभा की तैयारियों का लिया जायजा

साहिबगंज : असम विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने अपनी सक्रियता तेज कर दी है. इसी क्रम में पार्टी के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा बुधवार को असम के चुनावी दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने खूंटई विधानसभा क्षेत्र के पूरा बंगला में आयोजित होने वाली जनसभा स्थल का निरीक्षण किया. इस जनसभा को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन संबोधित करेंगे.निरीक्षण के दौरान पंकज मिश्रा ने सभा स्थल की तैयारियों का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए, ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके. इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान, पतना प्रखंड अध्यक्ष गुरु हेंब्रम सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे.

फतेहपुर शेखावाटी प्रगति संघ के सेवा कार्यों की सराहना

कोलकाता : फतेहपुर शेखावाटी प्रगति संघ द्वारा नागरिक स्वास्थ्य संघ के सहयोग से सारंगा उतरपाड़ा प्राइमरी स्कूल में स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविर में चयन किये गये नागरिकों के नेत्र में मोतियाबिंद का ऑपरेशन संघ नेत्रालय में किया गया . संस्था के सचिव काशी प्रसाद धेलिया ने बताया 217 नागरिकों का नेत्र परीक्षण, 147 नागरिकों को चश्मे एवं सेवा शिविर में नागरिकों का ईसीजी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर परीक्षण कर दवा प्रदान की गई . संस्था के सेवा कार्यों की जानकारी देते हुये राजेश ढांढनिया, मनोज गोयनका ने बताया सोदपुर, कलकत्ता पिंजरापोल सोसायटी की गौशाला, वृन्दावन स्थित गौशाला एवं फतेहपुर शेखावाटी स्थित फतेहपुर (राज0) पिंजरापोल सोसाइटी की गौ माताओं हेतु आर्थिक अनुदान, गुड़, रोटी, तथा हरे चारे प्रदान कर सेवा कार्य किये जाते हैं . ग्रीष्म ऋतु (गर्मी) में राहगीरों को राहत प्रदान करने हेतु दो माह तक विभिन्न प्रकार के शीतल पेय, शर्बत, कैरी पोदिना जल जीरा, दही की नमकीन छाछ, दही की मिठी लस्सी एवं खट्टी-मिठी नीम्बू की शिंकजी से सेवा कार्य किये जाते हैं . निम्न आय वाले माता-पिता की कन्याओं का विवाह करवाया जाता है . ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविर लगाकर डॉक्टर के परामर्श के अनुसार नि:शुल्क दवा, चश्मा एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन करवाकर सेवा कार्य किये जाते हैं . दृष्टिहीन, विकलांग एवं अनाथ बालक-बालिकाओं के निवास स्थान पर हमारे कार्यकर्ता पहुंच कर उन्हें मिठाई संग भोजन तथा समय-समय पर वस्त्र एवं फलों का वितरण करते हैं . शरद ऋतु में विभिन्न गांवों कस्बों में संघ के कार्यकर्ता जाकर कम्बल एवं गरम वस्त्र वितरण करते हैं . मकर संक्रांति एवं दुर्गा पूजा तथा धार्मिक आयोजनों में श्रद्धालु भक्तों की सेवा की जाती है . समाजसेवी अजय सराफ, राजेश ढ़ांढनिया, कमल सराफ, काशी प्रसाद धेलिया, ब्रह्मदत्त बरवाड़िया, पंकज देवड़ा, प्रकाश गोयनका, रामअवतार शर्मा, विश्वनाथ देवड़ा एवं कार्यकर्ता सेवाकार्यों में सक्रिय हैं .

सोनारडीह में तीन घर जमींदोज, तीन की मौत से ग्रामीणों में आक्रोश

धनबाद : कतरास के सोनारडीह ओपी क्षेत्र अंतर्गत टंडाबार बस्ती में भू-धंसान के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए. हादसे के अगले दिन स्थिति और बिगड़ गई, जब बीसीसीएल अधिकारियों की टीम स्थानीय लोगों को समझाने के लिए मौके पर पहुंची. टीम को देखते ही गुस्साए लोगों ने अचानक पथराव शुरू कर दिया. स्थिति इतनी उग्र हो गई कि अधिकारियों को अपनी जान बचाकर मौके से भागना पड़ा. इस दौरान पथराव में टीम के वाहनों के शीशे भी टूट गए. घटना के बाद इलाके में भारी तनाव और आक्रोश का माहौल बना हुआ है.दरअसल, मंगलवार को टंडाबार बस्ती में अचानक भू-धंसान की घटना घटी थी, जिसमें तीन घर पूरी तरह जमींदोज हो गए थे. इस दर्दनाक हादसे में मलबे में दबकर तीन लोगों की मौत हो गई.. तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेजा गया है, जहां प्रक्रिया जारी है. स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश घटना को लेकर स्थानीय लोगों का गुस्सा अभी शांत नहीं हुआ है. लोगों में बीसीसीएल प्रबंधन के प्रति गहरी नाराजगी देखी जा रही है. वे इस हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. प्रशासन को आशंका है कि पोस्टमार्टम के बाद जब शव बस्ती में लाए जाएंगे, तब स्थिति और बिगड़ सकती है. ऐसे में इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई

है और हालात पर नजर रखी जा रही है.वही बीडीओ ने बताया की स्थिति नियंत्रण में हैं बाघमारा बीडीओ लक्ष्मण यादव रात से रेस्क्यू कार्य में लगे हुए थे. बातचीत के क्रम में उन्होंने कहा कि लोग आक्रोशित हैं, जिसके कारण थोड़ी कठिनाई हो रही है. लोगों को समझाने की कोशिश की जा रही है. बीसीसीएल की टीम को लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा है. लेकिन स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है. फिलहाल टंडाबार बस्ती में तनाव कायम है और प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सतर्क है.
वहीं, उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने बुधवार को संबंधित अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक कर पूरे मामले की समीक्षा की और राहत एवं पुनर्वास कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने के सख्त निर्देश दिए.प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर किया गया शिफ्टसमीक्षा के दौरान डीडीसी ने बताया कि प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया गया है. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन परिवारों के लिए भोजन, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित की जाए. उन्होंने स्पष्ट कहा कि खाने-पीने जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर किसी प्रकार की शिकायत सामने नहीं आनी चाहिए.मुआवजा देने की तैयारी डीडीसी ने राज्य सरकार द्वारा दिए जाने वाले मुआवजे को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक प्रशासनिक तैयारी रखने का निर्देश दिया.

इसके साथ ही उन्होंने घटना स्थल पर अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर राहत, सुरक्षा और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करने तथा समय-समय पर रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा.भू-धंसान और अग्नि प्रभावित क्षेत्रों को लेकर भी उन्होंने गंभीरता दिखाई. डीडीसी ने जेआरडीए को निर्देश दिया कि प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर परिवारों का सर्वे किया जाए और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया तेज की जाए.डीडीसी ने दिए सख्त निर्देश बैठक में डीडीसी ने सख्त लहजे में कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, जो अधिकारी अपने दायित्वों का सही तरीके से निर्वहन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. इस ऑनलाइन समीक्षा बैठक में अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, जिला खनन पदाधिकारी, डीआरडीबी के निदेशक, बाघमारा के डीएसपी, एसडीपीओ, अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, जेआरडीए एवं जिला जनसंपर्क विभाग के पदाधिकारी मौजूद रहे

खनन विभाग ने किया 2,137.43 करोड रुपए की रिकॉर्ड तोड़ वसूली

पाकुड़:जिला खनन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1,770.12 करोड रुपए का रिकॉर्ड तोड़ राजस्व संग्रह कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है. जो निर्धारित लक्ष्य 2,137.43 करोड़ रुपये के मुकाबले 120.75 प्रतिशत अधिक है.वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1,252.83 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध 1,240.44 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था, जो 99.01 प्रतिशत रहा था. राज्य स्तर पर इस वर्ष पाकुड़ को चौथा स्थान मिला है. हालांकि, अधिक राजस्व संग्रह के बावजूद रैंकिंग में गिरावट का कारण अन्य जिलों में कोयला, आयरन और बॉक्साइट जैसे बड़े खनन पट्टों की स्वीकृति को बताया गया है. जिससे वहां राजस्व अधिक रहा. जिला खनन पदाधिकारी राजेश कुमार ने इस सफलता का श्रेय उपायुक्त को देते हुए कहा कि उनके निर्देशन में पूरी टीम ने समन्वित प्रयास किया. उन्होंने बताया कि खान निरीक्षकों एवं खनन विभाग के सभी कर्मियों ने एकजुट होकर कार्य किया,जिला प्रशासन को उम्मीद है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में पाकुड़ और बेहतर प्रदर्शन करते हुए राज्य में शीर्ष स्थान हासिल करेगा.

वित्तीय वर्ष 2026-27 बीसीसीएल के लिए बेहद महत्वपूर्ण: मनोज अग्रवाल

धनबाद : बीसीसीएल के सीएमडी मनोज अग्रवाल ने पिछले वित्तीय वर्ष की समीक्षा करते हुए साफ कहा है कि बीता साल कई चुनौतियों से भरा रहा है. उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ अहम क्षेत्रों में प्रदर्शन अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा, लेकिन इन चुनौतियों ने संगठन को सीखने और खुद को बेहतर बनाने का अवसर भी दिया है.
किन कारणों से प्रभावित हुआ प्रदर्शन उन्होंने जोर देकर कहा कि अब वक्त है ईमानदारी से आत्ममंथन करने का, यह समझने का कि आखिर कहां कमी रह गई और किन कारणों ने प्रदर्शन को प्रभावित किया है. इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाला वित्तीय वर्ष 2026-27 बीसीसीएल के लिए बेहद महत्वपूर्ण होने जा रहा है, क्योंकि कोल इंडिया लिमिटेड ने इसे ईयर ऑफ रिफॉर्म एंड ट्रांसफॉर्मेशन

के रूप में घोषित किया है.हर स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की जरूरत सीएमडी ने कहा कि अब लक्ष्य सिर्फ तय टारगेट हासिल करना नहीं, बल्कि हर क्षेत्र में नए बेंचमार्क स्थापित करना है. चाहे वह उत्पादन हो, उत्पादकता, तकनीक का उपयोग, ऑपरेशनल दक्षता या कोयले की गुणवत्ता, हर स्तर पर बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करना होगा.
नया साल में नए संकल्प उन्होंने सबसे ज्यादा जोर सेफ्टी पर देते हुए कहा कि 'नया साल, नए संकल्प सुरक्षित काम, सफल परिणाम' के मंत्र के साथ आगे बढ़ना है. सेफ्टी के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं होगा और हर कर्मचारी का सुरक्षित घर लौटना ही सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी. कमियों में सुधार जरूरी
इसके साथ ही उन्होंने संगठन में अकाउंटेबिलिटी, ओनरशिप और टीम वर्क को कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने की बात कही है. उन्होंने विश्वास जताया है कि अब जब कमियों की पहचान हो चुकी है, तो सुधार और तेज प्रगति की दिशा में बीसीसीएल मजबूती से आगे बढ़ेगा.

परिवहन विभाग ने राजस्व उगाही में किया लक्ष्य पार, जुटाए 30.11 करोड़

पाकुड़: जिला परिवहन कार्यालय ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 31 मार्च तक रिकॉर्ड तोड़ कलेक्शन कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है. एक अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक विभाग ने 30 करोड़ 11 लाख रुपए से अधिक की वसूली की, जो निर्धारित लक्ष्य 25 करोड़ 20 लाख रुपए से करीब 5 करोड़ ज्यादा है. इस तरह विभाग ने 115 प्रतिशत से अधिक की उपलब्धि हासिल की है. इस कलेक्शन में वाहनों से वसूले गए फाइन, टैक्स, परमिट शुल्क, नाका चेकिंग और रोड सेफ्टी से जुड़े विभिन्न अभियानों से प्राप्त राशि शामिल है. जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी ने इस उपलब्धि का श्रेय जिले के उपायुक्त मनीष कुमार और पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी को दिया है. उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सहयोग और निरंतर मॉनिटरिंग के कारण ही यह संभव हो पाया है. इसके अलावा परिवहन कार्यालय और रोड सेफ्टी टीम के संयुक्त प्रयास से यह लक्ष्य पार किया जा सका. उन्होंने कहा कि पूरी टीम ने समन्वय के साथ लगातार मेहनत की, जिसका परिणाम यह ऐतिहासिक कलेक्शन के रूप में सामने आया है. पिछले वर्ष 96% के कलेक्शन के साथ अपने टारगेट से पीछे रह गई थी.

अनूठा पहल टमटम स्टैंड पर जमी 'सिविल सर्जन की चाय वाली चौपाल ,श्रमिकों के साथ हुई स्वास्थ्य चर्चा

साहिबगंज : बुधवार को जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से साहिबगंज के टमटम स्टैंड काली मंदिर स्थित पर एक बेहद सराहनीय और अभिनव कार्यक्रम प्रातः चौपाल: सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान की चाय पर श्रमिकों के बीच स्वास्थ्य चर्चा का सफल आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम प्रातः 6:00 बजे से 9:00 बजे तक सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान के प्रत्यक्ष नेतृत्व में संपन्न हुआ.मुख्य बिंदु सीधा संवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के उस वर्ग श्रमिकों तक पहुँचना था जो अपनी व्यस्त दिनचर्या के कारण अक्सर स्वास्थ्य जांच और परामर्श से वंचित रह जाते हैं.सहभागिता इस चौपाल में सिविल सर्जन कार्यालय, सदर प्रखंड सीएचसी अस्पताल साहिबगंज और सदर प्रखंड शहरी एवं ग्रामीण की स्वास्थ्य टीमों ने सक्रिय रूप से भाग लिया.स्वास्थ्य परामर्श चाय बिस्कुट की चुस्कियों के साथ अनौपचारिक माहौल में श्रमिकों को मौसमी बीमारियों, स्वच्छता के महत्व और नियमित जांच के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई.सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान का संबोधन इस अवसर पर सिविल सर्जन ने कहा हमारा लक्ष्य स्वास्थ्य सेवाओं को केवल अस्पताल की दीवारों तक सीमित रखना नहीं है .बल्कि उन्हें सीधे उन लोगों तक पहुँचाना है जो राष्ट्र निर्माण में अपना पसीना बहाते हैं. यह चौपाल एक संवाद का माध्यम है ताकि हम उनकी समस्याओं को करीब से समझ सकें. इस निःशुल्क जांच: चौपाल के दौरान कई श्रमिकों की बुनियादी स्वास्थ्य जांच बीपी, शुगर, खकार,एक्सरे,आदि भी की गई और उन्हें आवश्यक परामर्श भी दिए गए.ओर इस चाय वाली चौपाल में स्वास्थ्य विभाग की ओर से श्रमिकों को निःशुल्क दवाइयां वितरण किया.इस चाय चौपाल में डॉक्टर मुकेश कुमार,डॉक्टर अमित कुमार,डॉक्टर राजेश कुमार साह,ने सभी श्रमिकों को निःशुल्क जांच किया.इस मौके पर मौजूद श्रमिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे विभाग की एक मानवीय और संवेदनशील सोच बताया. इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सती बाबू डवडा, स्वास्थ विभाग हेड क्लर्क,अश्वनी कुमार सिन्हा,डेम अमितकुमार,डीपीएम,रविकुमार,बी पीएम मनोज यादव,कंप्यूटर ऑपरेटर सोमनाथ,बीटीटी मुनीजी पांडे, सीएचओ राजा शिवम, लेब टेक्नीशियन सच्चिदानंदन पांडे ,एमपीडब्लू नासिक, एनामुल, एएनएम भवानी कुमारी, खुशबू कुमारी, रीता कुमारी, मधुर लता कुमारी,निखत आरा,सिलवृती सोरेन,फर्मासिस्ट मोनू मैथ्यू मुर्मू,रेणु सिंह,कर्मचारी ललित कुमार सिंह सहित स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे.

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मियों के वेतन में 8% की वृद्धि

पाकुड़: उपायुक्त के नेतृत्व में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत कर्मियों के वार्षिक अप्रेजल को लेकर विस्तृत चर्चा की गई. बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 में कर्मियों के कार्य निष्पादन की गहन समीक्षा की गई. उपायुक्त द्वारा प्रत्येक कर्मी के कार्यों का क्रमवार मूल्यांकन करते हुए उनके प्रदर्शन प्रतिवेदन के आधार पर निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से अप्रेजल प्रदान किया गया. निर्णय लिया गया कि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को 8 प्रतिशत वेतन वृद्धि प्रदान की जाएगी. वहीं अच्छा कार्य करने वाले कर्मियों को 7 प्रतिशत एवं 6 प्रतिशत की वेतन वृद्धि दी गई. जिन कर्मियों का प्रदर्शन औसत उपायुक्त ने सभी कर्मियों को अपने कार्य में और अधिक सुधार लाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने है .

शव बरामद मामले में फरार दामाद गिरफ्तार

जलपाईगुड़ी : जिले के बहादुर ग्राम पंचायत के चेओरचंडी कामात इलाके में वृद्ध महिला समिजा खातून की सिर कटा शव मिलने के मामले में पुलिस ने उसके फरार दामाद को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपित का नाम आलमीन हक़ है जो वृद्ध मृतका के मंझली बेटी का पति है.अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शौभनिक मुख़र्जी ने बुधवार को पत्रकार सम्मेलन कर इसकी जानकारी दी. शौभनिक मुख़र्जी ने बताया कि आरोपित को सिलीगुड़ी से गिरफ्तार किया गया है. हत्या के पीछे पारिवारिक जमीन विवाद मुख्य कारण हो सकता है.बताया जा रहा है कि समिजा खातून अपनी एक बीघा जमीन अपने दो नातियों के नाम करना चाहती थी, जिसको लेकर आरोपित के साथ विवाद चल रहा था. हालांकि, हत्या की बर्बरता और सिर गायब होने के कारण पुलिस 'काला जादू' के पहलू को भी नजरअंदाज नहीं कर रही है. इस संबंध में एक तांत्रिक से जुड़े पहलुओं की भी जांच की जा रही है.
हत्या में इस्तेमाल हथियार और गायब सिर की तलाश जारी है.उल्लेखनीय है कि जिले के बहादुर ग्राम पंचायत के चेओरचंडी कामात इलाके में शनिवार को वृद्ध महिला समिजा खातून की सिर कटा शव घर के पीछे से बरामद हुई थी.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

पाकुड़: जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्री मनीष कुमार ने ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया. निरीक्षण क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार ने ईवीएम वेयर हाउस के विधि व्यवस्था से संबंधित आवश्यक पहलुओं की जांच की. ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली. उन्होंने वहां रखे ईवीएम मशीन, सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य उपकरणों की स्थिति तथा रख रखाव का जायजा लिया.उल्लेखनीय हो कि, जिला निर्वाचन पदाधिकारी को प्रत्येक माह (बाहर) एवं त्री - मासिक (अंदर) वेयर हाउस की स्थिति का निरीक्षण करना होता है एवं रखरखाव एवं तकनीकी उपकरणों की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट मंत्रीमंडल निर्वाचन विभाग रांची को समर्पित करना होता है.इसी संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निरीक्षण करते हुए निर्वाचन विभाग के कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया तथा प्रतिवेदन मंत्रीमंडल निर्वाचन विभाग रांची को भेजने का निर्देश दिया गया.

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार में झिकरहट्टी पूर्वी पंचायत को द्वितीय स्थान, सम्मान समारोह आयोजित

पाकुड़:जिले के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि झिकरहाटी पूर्वी पंचायत को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार में महिला हितैषी पंचायत श्रेणी में पूरे भारतवर्ष में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है. इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में झिकरहट्टी पूर्वी पंचायत में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जहां उपायुक्त श्री मनीष कुमार ने इस उत्कृष्ट कार्य में योगदान देने वाले पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, पंचायत कर्मियों, प्रतिनिधियों एवं सक्रिय नागरिकों को सम्मानित किया.
उपायुक्त ने कहा कि यह सम्मान जिले के सभी पदाधिकारियों एवं आमजन की सामूहिक मेहनत, समर्पण एवं समन्वित प्रयासों का परिणाम है. उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन एवं राज्य सरकार के निर्देशानुसार पंचायतों को सुदृढ़ एवं सशक्त बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है, जिसका यह सुखद परिणाम है. उन्होंने बताया कि पुरस्कार स्वरूप प्राप्त होने वाली लगभग 75 लाख की राशि का उपयोग पंचायत के समग्र विकास एवं जनहितकारी योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने में किया जाएगा. उपायुक्त ने पदाधिकारियों, पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव, पंचायत समिति सदस्यों, वार्ड सदस्यों, स्वयं सहायता समूह (गडडझड) के सदस्यों, सक्रिय महिलाओं एवं सभी स्थानीय नागरिकों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं. उपायुक्त ने कहा कि यह सफलता एक नई शुरुआत है और अब हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि इस उपलब्धि को और आगे बढ़ाते हुए जिले के अन्य पंचायतों को भी मॉडल पंचायत के रूप में विकसित किया जाए. सामूहिक प्रयास से निश्चित रूप से पूरे जिले में सुदृढ़, समग्र एवं सुव्यवस्थित विकास सुनिश्चित किया जा सकेगा.

तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर निकला 80 छात्रों का दल, उपायुक्त ने दिखाई हरी झंडी

पाकुड़:राष्ट्रीय आविष्कार अभियान अंतर्गत प्रोजेक्ट परख के तहत प्रारंभिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ने के उद्देश्य से तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया.
इस अवसर पर उपायुक्त श्री मनीष कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी श्री त्रिभुवन कुमार सिंह, जिला शिक्षा अधीक्षक श्री नयन कुमार एवं एडीपीओ श्री पीयूष कुमार द्वारा परिसदन, पाकुड़ से 80 छात्र-छात्राओं के दल को 3 बसों के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया.**जिले के तीन प्रखंडों से चयनित विद्यार्थी**यह शैक्षणिक भ्रमण पाकुड़िया, अमड़ापाड़ा एवं महेशपुर प्रखंड के कक्षा 06 से 08 तक के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित किया गया है. विद्यार्थियों का चयन जिले के विभिन्न प्रखंडों से किया गया है, ताकि अधिक से अधिक बच्चों को इस पहल का लाभ मिल सके.**प्रकृति विज्ञान एवं इतिहास से होगा सीधा**

परिचय:इस शैक्षणिक यात्रा के दौरान छात्र-छात्राओं को मधुवन पारसनाथ एवं पीरटांड़ (जिला गिरिडीह), सर जे.सी. बसु स्मारक स्थल, चिड़ियाघर, ओरमांझी स्थित मछली घर सहित अन्य दर्शनीय एवं ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा.
इससे विद्यार्थियों को प्रकृति, विज्ञान, इतिहास एवं संस्कृति से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां व्यावहारिक रूप से प्राप्त होंगी.**अनुभव आधारित शिक्षा पर जोर:-डीसी**उपायुक्त ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों को कक्षा के बाहर सीखने का अवसर मिलता है,
जिससे उनकी समझ और दृष्टिकोण दोनों का विस्तार होता है. उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में जिज्ञासा, आत्मविश्वास एवं नई चीजों को सीखने की प्रेरणा विकसित करते हैं.
साथ ही यह उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.**सुरक्षा एवं व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम:**छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उनके साथ सुरक्षा बल एवं मेडिकल टीम की व्यवस्था की गई है, ताकि यात्रा के दौरान किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके.

माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी का प्रचार तेज, किया जीत का दावा

सिलीगुड़ी : माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी अमिताभ सरकार ने चुनाव प्रचार तेज कर दिया है. बुधवार को बागडोगरा के बिहार मोड़ पर उन्होंने प्रचार किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि सुबह से ही वे इलाके में जनसम्पर्क कर रहे हैं. उन्हें अच्छा समर्थन मिल रहा है.
उन्होंने माना कि मुकाबला कड़ा है, एक ओर तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी शंकर मालाकार और दूसरी ओर भाजपा प्रत्याशी आनंदमय बर्मन मैदान में है.इसके बावजूद उन्होंने विश्वास जताया कि जनता के उत्साह को देखकर उनकी जीत तय है.उन्होंने आरोप लगाया कि सांसद फंड से पैसे मिलने के बावजूद इलाके में विकास कार्य नहीं हुआ है. कांग्रेस प्रत्याशी ने वादा किया कि जीतने पर वे क्षेत्र के विकास के लिए ठोस काम करेंगे.

सुसंस्कार शिक्षा निकेतन विद्यालय में हुआ अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी

तेघड़ा/बेगूसराय (युवा शक्ति): तेघड़ा प्रखंड के सुसंस्कार शिक्षा निकेतन विद्यालय में बुधवार को अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया. संगोष्ठी में शिक्षक और अभिभावक मिलकर बच्चों की शैक्षणिक प्रगति ,व्यवहार, स्वास्थ्य और रुचियां पर चर्चा किये यह सार्थक संवाद बच्चों की प्रतिभा को निखारने चुनौतियों को हल करने और उनकी सफलता सुनिश्चित करने में मदद करता है. शिक्षक संगोष्ठी में शामिल अभिभावकों शिक्षकों और बच्चों की भागीदारी अपने आप में शानदार रही जिसमें वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों के बीच पुरस्कार वितरण किया गया. जिसमें दिव्यांशु कुमार (99.25 प्रतिशत),

आरुषि कुमारी (99.25 प्रतिशत),अमर अहमद (92.50 प्रतिशत),पूजा कुमारी (98.40 प्रतिशत), साहिल कुमार (98 प्रतिशत), प्रिया कुमारी (95 प्रतिशत), साक्षी कुमारी(93.92 प्रतिशत), संजना कुमारी (90.98 प्रतिशत),विराज कुमार (89.92 प्रतिशत), राबिया अक्सा (89.75 प्रतिशत) अंक प्राप्त किये विद्यालय के प्रधानाध्यापक डा. रणधीर कुमार बच्चों को शुभकामना व्यक्त किये एवं उन्होंने कहा कि जब शिक्षक और अभिभावक साथ-साथ चलते हैं तभी बच्चे सफलता की नई ऊंचाइयों को छूते है. उन्होंने कहा कि अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी बच्चों के शारीरिक विकास के लिये अनिवार्य मंच है जो घर और स्कूल के बीच विश्वास एवं सहयोग बढ़ाता है. इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक मंजेश कुमार, आदर्श राज, साहिल कुमार, अभिषेक कुमार, रोहन कुमार, सोनी कुमारी, प्रमिला कुमारी, अनामिका कुमारी, नगमा परवीन, सुमन कुमारी, अर्चना कुमारी, चंदा कुमारी उपस्थित थे.

भाजपा प्रत्याशी डॉ. अजय कुमार पोद्दार ने जनसमर्थन के बीच नामांकन पत्र दाखिल किया

कुल्टी: भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉ. अजय कुमार पोद्दार ने आज कुल्टी विधानसभा क्षेत्र (282) से भारी जनसमर्थन के बीच अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. इस अवसर पर आयोजित 'महा नामांकन रैली' ने एक विजय शोभा यात्रा का रूप ले लिया, जिसमें हजारों की संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए.रैली की मुख्य झलकियाँ:अपार जनशक्ति: रैली में महिलाओं, बच्चों और पुरुषों की भारी भागीदारी देखी गई. कार्यकर्ताओं का जोश और जनता का हुजूम 'लाखों की संख्या' जैसा प्रतीत हो रहा था.भव्य स्वागत: पूरी रैली के दौरान कुल्टी की जनता ने डॉ. पोद्दार का फूलों और पुष्पवर्षा के साथ आत्मीय स्वागत किया.शोभा यात्रा जैसा माहौल: समर्थकों के हाथ में भाजपा के झंडे और जय श्री राम के नारों के साथ माहौल पूरी तरह उत्सव जैसा बना रहा.जनता का भरोसा और संकल्प:नामांकन के दौरान उपस्थित. जनता का कहना था कि डॉ. अजय पोद्दार ने क्षेत्र में जो विश्वास कमाया है, उसका परिणाम इस बार की जीत में दिखेगा. स्थानीय लोगों में यह स्पष्ट संदेश था कि वे डॉ. पोद्दार को दोबारा विधायक के रूप में चुनने के लिए पूरी तरह तैयार है.डॉ. अजय कुमार पोद्दार ने इस प्रेम और समर्थन के लिए कुल्टी की जनता का आभार व्यक्त किया. और क्षेत्र के निरंतर विकास का संकल्प दोहराया.

मतदाता सूची से नाम कटने को लेकर कालियाचक में तृणमूल का धरना

मालदा : . मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाए जाने के आरोपों को लेकर बुधवार सुबह से मालदा जिले के विभिन्न इलाकों में अवरोध और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया. इसी क्रम में दोपहर के समय कालियाचक-एक बीडीओ कार्यालय के सामने सुजापुर विधानसभा क्षेत्र की तृणमूल प्रत्याशी सबीना यास्मीन धरने पर बैठ गईं.उनके साथ तृणमूल कांग्रेस के ब्लॉक स्तर के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक भी मौजूद थे. सबीना यासमीन ने कहा कि पहले मतदाता, उसके बाद मतदान की मांग को लेकर ही वे लोग आंदोलन कर रहे हैं.उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के बाद से ही तृणमूल सड़क पर उतरकर आंदोलन कर रही है. सुजापुर विधानसभा क्षेत्र के कई बूथों में वैध मतदाताओं के नाम अनैतिक तरीके से मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं.उन्होंने यह भी कहा कि कालियाचक-1 ब्लॉक कार्यालय के सामने किया गया यह विरोध प्रदर्शन केवल एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि बंगाल के प्रत्येक नागरिक के मतदान अधिकार को बचाने की लड़ाई है. भाजपा की साजिश के खिलाफ हम सब एकजुट हैं और लोगों के साथ खड़े हैं. बंगाल कभी सिर नहीं झुकाता और न ही झुकाएगा.

शब्दवीणा ने डॉ विजय के निधन पर व्यक्त किया गहरा शोक

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ एवं राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था शब्दवीणा के राष्ट्रीय संरक्षक मंडल के सम्मानित सदस्य डॉ विजय करण के निधन पर शब्दवीणा परिवार ने गहरा शोक व्यक्त किया है. शब्दवीणा की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रश्मि प्रियदर्शनी ने डॉ करण के निधन को शब्दवीणा परिवार के लिए ही नहीं, अपितु सारे गयावासियों के लिए अत्यंत दुःखद बतलाया.
शब्दवीणा की ओर से शोक पत्र साझा करते हुए डॉ रश्मि ने कहा कि डॉ विजय करण का स्वभाव अत्यंत स्नेहिल एवं उत्साहवर्द्धक था.उनका निधन चिकित्सा जगत के साथ साहित्य जगत एवं पूरे समाज के लिए भी एक अपूरणीय क्षति है.डॉ करण गया जी में जन्मे शिशुओं एवं बच्चों के लिए वरदान जैसे ही थे.डॉ रश्मि ने गत वर्ष जीबीएम कॉलेज में एनएसएस इकाई द्वारा 8 अक्टूबर को आयोजित एक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे डॉ विजय करण की स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि इस क्षणभंगुर जीवन में हम किनसे, कब, और कहाँ अंतिम बार मिल रहे हैं, कहा नहीं जा सकता.डॉ विजय करण जी हम सबकी स्मृतियों में सदैव जीवित रहेंगे.
शब्दवीणा के राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक महावीर बजाज, राष्ट्रीय सचिव महावीर सिंह वीर, राष्ट्रीय संरक्षक मंडल के सदस्य प्रो डॉ शंभु कुशाग्र, प्यारचन्द कुमार मोहन, राष्ट्रीय परामर्शदाता अजीत अग्रवाल, पुरुषोत्तम तिवारी, डॉ राधानंद सिंह एवं राजन सिजुआर, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री डॉ रवि प्रकाश, राष्ट्रीय उप संगठन मंत्री पंकज मिश्र, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेश विद्यार्थी आदि ने भी डॉ विजय करण के अकस्मात निधन पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है.डॉ विजय करण को शब्दवीणा के सभी प्रदेश व जिला समितियों के पदाधिकारी व सदस्यगण भावसुमन अर्पित कर रहे हैं. गया से मैक्स अवस्थी, अजय कुमार, जैनेन्द्र कुमार मालवीय, रूपक सिन्हा, सक्सेना, गुजरात से नंदकिशोर जोशी सहित शब्दवीणा के विभिन्न प्रदेश एवं जिला समितियों के सदस्यों ने डॉ विजय करण को सादर श्रद्धांजलि अर्पित की. सभी ने परमपिता परमात्मा से दिवंगत

दीघा समुद्र में डूब रहे दो पर्यटकों को बचावकर्मियों ने बचाया

मेदिनीपुर : जिले के दीघा समुद्र तट पर बुधवार सुबह स्नान के दौरान एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया. समुद्र में नहाने उतरे दो पर्यटक तेज लहरों की चपेट में आकर डूबने लगे. मौके पर मौजूद बचावकर्मियों (समुद्र तट के लाइफगार्ड) ने तुरंत समुद्र में कूदकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया.जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह न्यू दीघा के क्षणिका घाट पर 48 वर्षीय सुनील मुखर्जी अपनी 16 वर्षीय नातिन सोयाना मुखर्जी के साथ समुद्र में स्नान करने उतरे थे.

आंदोलन की तैयारी में कांग्रेस:गैस किल्लत-महंगे पेट्रोल-डीजल पर सड़क पर उतरेगी पार्टी

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिले में घरेलू गैस की किल्लत और पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर कांग्रेस अब खुलकर विरोध में उतरने जा रही है.पार्टी ने 2 अप्रैल को जिले से लेकर प्रखंड मुख्यालय तक धरना-प्रदर्शन करने का फैसला लिया है.इसकी जानकारी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संतोष कुशवाहा ने दी.उन्होंने साफ कहा कि यह आंदोलन आम लोगों की परेशानी को आवाज देने के लिए किया जा रहा है.धरना के दौरान प्रधानमंत्री का पुतला दहन भी किया जाएगा.जिलाध्यक्ष ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में तैयारी शुरू हो गई है.बड़ी संख्या में कांग्रेसी इसमें शामिल होंगे.उन्होंने कहा कि महंगाई और गैस की किल्लत से आम लोग परेशान हैं, लेकिन सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है.संतोष कुशवाहा ने कांग्रेस के पुराने दौर का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होने के बावजूद जनता को राहत दी जाती थी.अब हालात उलट हैं. एक्साइज ड्यूटी में कमी के बाद भी पेट्रोल-डीजल के दाम आम आदमी की पहुंच से बाहर हैं.उन्होंने कहा कि घरेलू गैस की किल्लत भी गंभीर समस्या बनी हुई है.हर घर इससे प्रभावित है.

प्रभारी सचिव ने जनगणना के संबंध में की समीक्षा बैठक

युवा शक्ति न्यूज
गया : बिहार सरकार के भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग के प्रधान सचिव सह जिले के प्रभारी सचिव सीके अनिल द्वारा बुधवार को गया समाहरणालय में जनगणना के संबंध में समीक्षा बैठक की.उन्होंने कहा कि भारत की जनगणना विश्व की सबसे बडी प्रशासनिक गतिविधियों में से एक है जो हर 10 वर्ष में आयोजित की जाती है. जनगणना देश की जनसंख्या, सामाजिक स्थिति एवं आर्थिक स्थिति की जानकारी देती है.जनगणना का उल्लेख भारतीय संविधान की 7वीं अनुसूची के अनुच्छेद 246 में किया गया है तथा यह जनगणना अधिनियम 1948 के द्वारा संचालित है.भारत में पहली जनगणना 1872 में तथा 1881 से पहली नियमित जनगणना प्रारंभ की गयी.यह जनगणना देश 16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी. लेकिन यहाँ उल्लेखनीय है कि यह भारत की पहली जनगणना होगी जो पूर्णतः डिजिटल मोबाईल एप एवं डिजिटल उपकरणों के द्वारा कराई जाएगी.**जिला अन्तर्गत अब तक किये गये कार्यों की प्रगति**जिले के डीएम शशांक शुभंकर ने बताया कि जिला से 4 मास्टर ट्रेनरों द्वारा राज्य स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त किया गया.जिला द्वारा दो चरणों में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया.जिसमें प्रथम चरण प्रशिक्षण 12 मार्च से 14 मार्च तक जिलास्तरीय पदाधिकारी / सभी चार्ज पदाधिकारी / सभी अवर चार्ज पदाधिकारियों का प्रशिक्षणवदिया गया है.
15 मार्च से 17 मार्च तक सभी चार्ज स्तरीय सभी सहायक एवं सभी तकनीकी सहायकों का प्रशिक्षण दिया गया है.द्वितीय चरण प्रशिक्षणः- 23 मार्च से 28 मार्च तक जिला स्तर पर चार्ज स्तरीय फिल्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण चार बैंच में दिया गया.(फिल्ड ट्रेनरों की कुल संख्या-168) है.चार्ज स्तर पर किये जाने वाले कार्य में जिला में कुल चार्ज की संख्या-34, जिला में कुल प्रगणकों की संख्या-9475, जिला में कुल पर्यवेक्षकों की संख्या-1406 है.चार्ज स्तर पर जिला से सभी चार्ज पदाधिकारियों का यूजर आईडी बना दिया गया है तथा सभी चार्ज प्रदाधिकारियों को निदेशित किया गया है कि वे अपने-अपने यूजर आईडी से सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का यूजर आईडी बनायें तथा इसके बाद 06 अप्रैल से 17 अप्रैल तुर्क सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को जनगणना संबंधी प्रशिक्षण का कार्य प्रशिक्षित फिल्ड ट्रेनरों द्वारा बनी निगरानी में कराना सुनिश्चित करेगें.प्रभारी सचिव ने बताया कि भारत की जनगणना-2027 सरकारी गजट से विगत 16 जून 2025 को अधिसूचित की गई है एवं इसके साथ-साथ सेंसस एक्ट, 1948 एवं सेंसस रूल्स, 1990 लागू हो गई.
इसकी सफलता पूरी तरह से जन भागीदारी तथा प्रशासकीय सहभागिता पर निर्भर करती है.**जनगणना का प्रथम चरण अंतर्गत निम्न दो कार्य सम्पन्न किये जायेंगे.**स्वगणना (सेल्फ एनिमेरशन): 17 अप्रैल 2026 से 01 मई 2026 तक.इस अवधि में सभी नागरिकों को यह सुविधा दी गई है कि वेब पोर्टल शि.लशर्पीीी.सीं.ळप के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों का उत्तर स्वंय प्रविष्ट कर सकते हैं.मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणनाः 02 मई 2026 से 31 मई 2026 तक.इस अवधि में प्रगणक (एनिमेटर) हर घर में जाकर प्रत्येक परिवार से 33 प्रश्नों का उत्तर प्राप्त कर अपने मोबाईल ऐप के माध्यम से प्रविष्टि करेंगे.राज्य के सभी नागरिकों से यह अपील है कि राष्ट्रीय महत्व के इस अनिवार्य दायित्व में बढ़-चढ कर भाग लें एवं स्वगणना तथा मकान सूचीकरण में पूछे जाने वाले प्रश्नों का सही एवं स्पष्ट उत्तर दें तथा जनगणना प्रगणकों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें (ज्ञातव्य हो कि यह सेंसस एक्ट 1948 की धारा-8 में अनिवार्य है).राज्य के सभी पदाधिकारियो एवं कर्मियों से यह अपेक्षा की जाती है कि जनगणना हेतु आयोजित प्रशिक्षण में भाग लेंगे एवं राष्ट्रीय दायित्व के निर्वहन में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे (ज्ञातव्य हो कि जनगणना अधिनियम-1948 की धारा-11 के तहत निर्धारित कर्तव्य का अनुपालन नही करना दंडनीय अपराध है).जनगणना कार्यों की महत्ता के मद्देनजर किसी भी पदाधिकारी / कर्मी की सेवा कभी भी ली जा सकती है.अतः वैसे पदाधिकारियों एवं कर्मियों जो सामूहिक अवकाश / अन्य अवकाश में हैं, जिसके कारण जनगणना कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, से भी अपील की जाती है कि वे जनगणना जैसे अनिवार्य कार्य में अपनी अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित करें.

नाका चेकिंग के दौरान भारी मात्रा में नकद बरामद

आसनसोल : आसनसोल उत्तर थाना के कल्ला मोड़ इलाके में बुधवार को पुलिस ने नाका चेकिंग के दौरान एक बोलेरो वाहन से भारी मात्रा में नकदी बरामद की. पुलिस ने संदेह के आधार पर रानीगंज से आ रही इस गाड़ी को रोका और तलाशी ली, जिसमें बड़ी मात्रा में नकद राशि मिली. गाड़ी में मौजूद व्यक्ति से पैसे के स्रोत के बारे में पूछताछ की गई, लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया. इसके बाद पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर लिया और संबंधित व्यक्ति को हिरासत में ले लिया.पुलिस सूत्रों के अनुसार, बरामद राशि करीब 15 लाख रुपये है. फिलहाल पैसे की गिनती और जांच की प्रक्रिया खबर लिखने तक जारी थी. प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, यह वाहन रानीगंज से आ रहा था. और बताया जा रहा है कि गाड़ी बराकर की है. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है. और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है. कि इतनी बड़ी राशि कहां से लाई जा रही थी. और इसका उद्देश्य क्या था.क्या कोई बड़ा सर्यंत तो नहीं हो था था.सारे मामलों को पुलिस गंभीरता से देख रही है.

न्यूज कॉर्नर

विरोधी श्रम कानून के विरोध में इसीआरकेयू गया शाखा द्वारा विरोध प्रदर्शन किया

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी :अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन के तत्वाधान में संयुक्त गया जिला ट्रेड यूनियन कोऑर्डिनेशन कमिटी के आलोक में 1 अप्रैल 26 को चार मजदूर विरोधी श्रम कानून (काला कानून) जिसे भारत सरकार द्वारा लागू किया जा रहा है, के विरोध में ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन गया शाखा के अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद एवं उनकी पूरी टीम कामरेड मिथिलेश कुमार के नेतृत्व में बुधवार को अंबेडकर पार्क गया से संयुक्त रूप से रैली में भाग लेकर राय काशीनाथ मोड तक विरोध प्रदर्शन किया.रैली बाद में एक सभा में तब्दील हो गया जिसको सभी गया जिला ट्रेड यूनियन के नेताओं ने संबोधित किया.कामरेड मिथिलेश कुमार में सभा का संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा चार नए श्रम कानून (काला कानून) जो मजदूर विरोधी है जिसमें मजदूरों का शोषण निहित है का ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन विरोध करती है और जिला ट्रेड यूनियन कोऑर्डिनेशन कमिटी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इस लड़ाई को लड़ने के लिए भविष्य में भी तैयार है.शाखा अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद ने कहा कि ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मजदूरों के हित के लिए जो भी अच्छा होगा अपनी सहभागिता अवश्य निभाएगा.विरोध प्रदर्शन में इंटेक, एटक, सीटू, इक्टू एवं स्वतंत्र फेडरेशन शामिल हुए.ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन की ओर से कामरेड मिथिलेश कुमार, केंद्रीय कोषाध्यक्ष हाजीपुर सह केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन नई दिल्ली, अध्यक्ष शाखा कामरेड लक्ष्मण प्रसाद, श्रीनिवास सिंह, अजय कुमार सिंह, नित्यानंद कुमार, बबलू कुमार, अजय कुमार, अनोज कुमार एवं अभिनेश कुमार शामिल हुए.उक्त जानकारी उत्तम कुमार मीडिया प्रभारी, ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन शाखा गया ने साझा की.

डीएम के निर्देशानुसार उर्वरक प्रतिष्ठानों की जा रही लगातार छापामारी

युवा शक्ति न्यूज
गया : बिहार सरकार के भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग के प्रधान सचिव सह जिले के प्रभारी सचिव सीके अनिल की अध्यक्षता में बुधवार को कृषि विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई.बैठक में उर्वरकों की कालाबाजारी एवं कृत्रिम कमी को नियंत्रण करने के लिये उर्वरक प्रतिष्ठान पर लगातार छापामारी हेतु निर्देशित किया गया. उर्वरक के विपणन में किसी प्रकार के कमी पाये जाने पर सख्त कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया.जिले के डीएम शशांक शुभंकर के निदेशानुसार जिले के उर्वरक प्रतिष्ठानों का नियमित छापामारी कृषि एवं पुलिस पदाधिकारी के सहयोग से कराया जा रहा है. उर्वरक के कालाबाजारी एवं गंभीर मामले पाये जाने पर अविलम्ब प्राथमिकी दर्ज कराने का निदेश दिया गया.वहीं जिला कृषि पदाधिकारी (डीएओ) संजीव कुमार ने सभी किसान भाईयों / बहनों से अनुरोध किया है कि रसायनिक उर्वरकों का उपयोग अपने खेतों में संतुलित मात्रा में करें, बिना वजह उर्वरकों का क्रय कर अपने घरों में भंडारण नही करें.पुरानी परम्परा को अपनाते हुये अपने खेतों में जैविक खाद का अधिक से अधिक प्रयोग करें. उर्वरकों की कमी को लेकर किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं दें, जिलें में यूरिया सहित अन्य उर्वरकों का पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है.जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा किसानों के माँग अनुरुप जिले में उर्वरक लाने का अतिरिक्त प्रयास करेगी.डीएओ ने बताया कि उर्वरकों के अत्यधिक एवं अनियंत्रित उपयोग से मिट्टी की उर्वरता कम होती है, भूमि की संरचना बिगड़ती है तथा मिट्टी में उपस्थित लाभकारी सूक्ष्म जीव भी नष्ट होते है एवं जलस्त्रोत भी प्रदुषित होता है.परिणामस्वरुप उत्पादन घटता है एवं किसानों की लागत बढ़ जाती है.इन समस्याओं के समाधान के रुप में जैविक खेती सशक्त विकल्प बनकर उभर रही है.जैविक खेती से मिट्टी की सेहत बेहतर होती है.किसानों को आय बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करती है.सरकार द्वारा रसायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने एवं मृदा स्वास्थ्य में सुधार लाने हेतु परम्परागत कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन एवं वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन कार्यक्रम का कार्यान्वयन कराया जा रहा है.मे0 केडिया ट्रेडर्स, इमामगंज के विरुद्ध मार्च माह में 1711 बैग यूरिया की संदिग्ध बिक्री के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. मे0 अर्जुन इन्टरप्राईजेज, बाराचट्टी के विरुद्ध उर्वरक की कालाबाजारी के आरोप में उर्वरक अनुज्ञप्ति को रद्द कर दिया गया है.

पदाधिकारियों को उपभोक्ताओं की हर सुविधा का ख्याल रखना है : प्रभारी सचिव

युवा शक्ति न्यूज
गया: प्रभारी सचिव, गया जिला-सह-प्रधान सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग बिहार सरकार सीके अनिल द्वारा बुधवार को गया समाहरणालय में एलपीजी गैस की उपलब्धता, बुकिंग एवं आपूर्ति से संबंधित विषयों की समीक्षा की गई तथा अद्यतन स्थिति का जायजा लिया गया.एलपीजी गैस की आपूर्ति एवं वितरण की बेहतर स्थिति पर हर्ष व्यक्त करते हुए तथा जिला प्रशासन, गया के समेकित प्रयासों की सराहना करते हुए पदाधिकारियों को उपभोक्ताओं की हर सुविधा का ख्याल रखने का निदेश दिया गया.प्रभारी सचिव ने पदाधिकारियों को पारदर्शी तरीके से एलपीजी गैस की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा कालाबाजारी, होर्डिंग, ओवरप्राइसिंग एवं अवैध उपयोग की शिकायत आने पर विधि-सम्मत सख्त कार्रवाई करने का निदेश दिया.उन्होंने नियंत्रण कक्ष को सतत क्रियाशील रखने तथा प्राप्त शिकायतों का विधिवत एवं त्वरित गति से निष्पादित करने का निदेश दिया.प्रभारी सचिव ने कहा कि पब्लिक डोमेन में आने वाली अफवाहों का त्वरित खंडन करें.उन्होंने मिशन मोड में पीएनजी की सुविधा उपलब्ध कराने, आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने, प्रवासी श्रमिकों के हितों का संरक्षण करने के साथ अधिकारियों को उपभोक्ताओं, तेल विपणन कंपनियों, गैस एजेंसियों, माननीय जन-प्रतिनिधियों सहित सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ सतत सम्पर्क एवं संवाद स्थापित कर सुझाव तथा फीडबैक प्राप्त करने सहित सरकार के आदेशों का सम्यक अनुपालन सुनिश्चित करने का निदेश दिया.बैठक में डीएम द्वारा प्रभारी सचिव का स्वागत करते हुए पीपीटी के माध्यम से सभी तथ्यों पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई.उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक परिस्थितियों के आलोक में जिला प्रशासन, गया द्वारा सरकार के आदेशों के अनुरूप सभी कदम उठाया गया है ताकि आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता एवं प्रवासी श्रमिकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.प्रभारी सचिव के संज्ञान में लाया गया कि क्रायसिस मैनेजमेंट ग्रुप के तहत गठित 15-सदस्यीय जिला-स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक पूर्व में की गई है.जिला में एलपीजी गैस की कोई कमी नहीं है. इसकी आपूर्ति पूरी तरह सामान्य एवं सुचारू है.डीएम ने प्रभारी सचिव के संज्ञान में लाया कि उपभोक्ताओं को कोई समस्या न हो इसके लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों से लगातार निरीक्षण कराया जा रहा है तथा एलपीजी गैस के ब्लैकमार्केटिंग एवं अन्य अवैध कार्यों में लिप्त लोगों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है. सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत प्रखंड स्तरों पर घरेलू एलपीजी गैस से संबंधित शिकायतों के निवारण हेतु गठित धावा दलों/व्यवस्था के वरीय प्रभारी पदाधिकारी के तौर पर नामित करते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है.उपभोक्ताओं, जन प्रतिनिधियों एवं आम जनता से फीडबैक भी लिया जा रहा है.ब्लैकमार्केटिंग, होर्डिंग या अधिक दाम पर बिक्री की शिकायत आने पर अवैध कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध तुरत प्राथमिकी दर्ज करने एवं गिरफ्तार करने का निदेश दिया गया है.डीएम ने कहा कि लोगों में पैनिक की स्थिति नहीं है.उपभोक्ताओं द्वारा मेरिट के आधार पर ही बुकिंग की जा रही है अर्थात अनावश्यक बुकिंग नहीं की जा रही है.उपभोक्तागण आवश्यकता के अनुसार ही बुकिंग करने की ओर अग्रसर हो रहे हैं. अधिकारीगण उपभोक्ताओं, गैस एजेंसियों, माननीय जन प्रतिनिधियों सहित सभी हितधारकों के साथ लगातार संपर्क एवं संवाद स्थापित कर रहे हैं और फीडबैक एवं सुझाव भी प्राप्त कर रहे हैं. **जिला एलपीजी गैस हेल्पलाईन का भी समीक्षा किया गया.**प्रभारी सचिव द्वारा जिला एलपीजी गैस हेल्पलाईन का भी समीक्षा किया गया तथा प्राप्त शिकायतों पर की गई कार्रवाई की जानकारी लिया.डीएम ने कहा कि घरेलू एलपीजी गैस से संबंधित मामलों के अनुश्रवण हेतु जिला स्तर पर 4 हंटिंग लाइन के साथ 247 हेल्पलाईन/जिला नियंत्रण कक्ष (दूरभाष संख्या 0631 2222253) क्रियाशील है.उपभोक्ताओं द्वारा इस नंबर पर कॉल कर जानकारी दी जा रही है.जिला प्रशासन द्वारा इन सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई की जाती है.प्रभारी सचिव ने नियंत्रण कक्ष के बेहतर ढंग से संचालन पर हर्ष व्यक्त करते हुए उपभोक्ताओं को हरसंभव सुविधा उपलब्ध कराने हेतु तत्पर रहने का निदेश दिया.इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी एलपीजी गैस से संबंधित जो भी शिकायतें एवं समस्याओं को बताया जा रहा है उसकी भी प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है और उन सूचनाओं को संबंधित गैस डिस्ट्रीब्यूटर को भेजी जा रही है.डीएम ने कहा कि एलपीजी गैस के स्टॉक में कोई कमी नहीं है.अधिकारियों को प्रबंधन को भी सुदृढ़ रखने का निदेश दिया गया है.डीएम ने कहा कि पेट्रोल एवं डीजल की सुचारू रूप से आपूर्ति हो रही है.आम जनता को गुणवत्तापूर्वक एवं सुलभ पेट्रोलियम पदार्थ यथा पेट्रोल एवं डीजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु संपूर्ण प्रशासनिक तंत्र सजग, तत्पर तथा प्रतिबद्ध है.सरकार के निदेशों के अनुरूप इसके लिए समय-समय पर कदम उठाया जा रहा है.डीएम ने सभी एसडीओ को निर्देश दिए हैं कि अपने क्षेत्र अंतर्गत जितने भी पेट्रोलियम पदार्थ के संचालक हैं उनके साथ बैठक करने एवं प्रतिदिन कितना स्टॉक है कितना वितरण हुआ है इसकी जानकारी जिला प्रशासन के साथ साझा करेंगे.प्रधान सचिव ने डीएम एवं सभी एसडीओ को निर्देश दिए हैं कि गया जिला में अत्यधिक गर्मी पड़ती है इस दृष्टिकोण से सभी पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देशित करें कि केवल और केवल वाहनों में ही पेट्रोलियम पदार्थ डाला जाए, बेवजह बोतल में या कॉटन में या गैलन में नहीं दिया जाए, चुकी पेट्रोलियम पदार्थ ज्वलनशील पदार्थ है, थोड़ी सी चूक से बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता है.प्रभारी सचिव ने कहा कि कालाबाजारी, अवैध भंडारण, ओवरप्राइसिंग एवं अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों के विरूद्ध सरकार की शून्य सहिष्णुता (जीरो टॉलरेंस) की नीति है.पदाधिकारीगण सजग एवं तत्पर रहकर आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित कराएँ.लोग पैनिक बुकिंग न करें.घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे गैस एजेंसी पर भीड़ न लगाएँ.आपको लाईन में खड़े होने की आवश्यकता नहीं है.घर से ही एलपीजी रिफिल बुक करें.घरेलू एलपीजी सिलेंडर तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीएस) द्वारा सीधे आपके घर तक पहुँचाया जा रहा है.किसी भी प्रकार की भ्रामक या अपुष्ट सूचना पर ध्यान न दें.आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें.एलपीजी घरेलू गैस के पारदर्शी एवं सुचारू रूप से आपूर्ति के लिए सम्पूर्ण प्रशासनिक तंत्र सजग एवं तत्पर है.आवश्यकता पड़ने पर 247 एलपीजी गैस हेल्पलाइन 0631 2222253 कॉल करें.**उपभोक्ताओं को पीएनजी की सुविधा मिशन मोड में उपलब्ध कराने का प्रभारी सचिव ने दिया निदेश**म ने प्रभारी सचिव के संज्ञान में लाया कि गया ज़िले में पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) की सुविधा को जनहित में अधिक एक्सेसिबल बनाने हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है.प्रभारी सचिव ने मिशन मोड में पीएनजी की सुविधा उपलब्ध कराने का निदेश दिया. साथ ही उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि ईंधन के इस सुविधाजनक, इको-फ्रेंड्ली, निरंतर और सुरक्षित स्रोत का कनेक्शन प्राप्त कर लाभ उठाएं.एलपीजी से पीएनजी की सुविधा की ओर स्विच सरल ढंग से घर बैठे ही डिजिटल-ऑनलाइन माध्यम से भी किया जा सकता है.प्रभारी सचिव ने कहा कि उपभोक्ताओं के हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता.सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, तत्पर तथा प्रतिबद्ध रहें. सौर्य ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सभी सरकारी कार्यालय में सोलर पैनल लगवाया जाए साथ ही जी सरकारी भवन में सोलर पैनल लगा हुआ है, वह क्रियाशील है अथवा नहीं इसकी भौतिक जांच करवाते हुए उसे क्रियाशील बनाया जाए.मुख्यमंत्री के प्रगति यात्रा के दौरान गया जिले में 13 प्रकार की योजनाओं की घोषणा की गई थी,
उन सभी घोषित योजनाओं को तेजी से पूर्ण करवाया जाए.प्रभारी मंत्री ने जिला पंचायत राज पदाधिकारी को निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण क्षेत्र में जितने भी मुक्तिधाम हैं उन सभी के समीप आज से मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने की व्यवस्था सुनिश्चित रखी जाए.
उन्होंने सभी नगर निकाय के कार्यपालक पदाधिकारी/ नगर आयुक्त को निर्देश दिए हैं कि शमशान घाट/ मुक्तिधाम के समीप आज से ही मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने की व्यवस्था सुनिश्चित रखी जाए.प्रभारी सचिव ने कहा कि गया जिले में अत्यधिक गर्मी पड़ती है.किसी भी टोला या पंचायत में जल संकट की स्थिति नहीं हो इसका ख्याल रखें.जहां भी नल जल योजना छोटे-छोटे कारण से बंद है उसे अगले दो दिनों के अंदर चालू करवाये.डीएम ने बताया कि हर सप्ताह तीन दिन पेयजल की बिंदु पर लगातार समीक्षा पूरे गर्मी मौसम में की जाएगी.
पब्लिक फीडबैक या अन्य माध्यम से जो भी जिस जगह से भी पानी की समस्या/ जानकारी मिलेगी उसे तुरंत समाधान करवाया जाएगा.जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं पंचायती राज विभाग के पंचायत स्तर एवं ग्राम स्तर के पदाधिकारी द्वारा प्रत्येक 15 दिन पर नल जल योजनाओं का भौतिक जांच करवाया जा रहा है.सार्वजनिक चापाकल मरामती की समीक्षा में निर्देश दिए हैं कि चापाकल मरामाती दल की संख्या को बढ़ाया जाए ताकि जितने भी सरकारी चापाकल जो बंद है, उसे 25 अप्रैल तक चालू करवाया जा सके.प्रभारी सचिव ने डीएओ को निर्देश दिए हैं कि उर्वरक की कालाबाजारी को हर हाल में रोकी जाए.गया जिले के बॉर्डर एरिया में लगातार छापेमारी अभियान चलाएं.जहां से भी सूचना प्राप्त हो कि मात्रा से अधिक उर्वरक बेची जा रही है, उसका विशेष जांच करवाएं.स्टॉक पंजी का निरंतर जांच करवाएं.बैठक में डीएम, एसएसपी, नगर आयुक्त, डीएफओ, डीडीसी, एडीएम राजस्व/ विधि व्यवस्था/ विभागीय जांच, सभी एसडीओ, सभी डीएसपी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे.